फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 54 प्रभात जयपुर, गुरूवार 24 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

When Insurance Becomes Lack Of It
I went to hospital for my gallbladder. My insurance company wanted to discuss my skull. My childhood one

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot
epaper.rashtradoot.com

Know The Silk You Will Buy
An African Slave Introduced Inoculation

गत दस माह में 14 शिकायतें दर्ज करायी हैं, इलैक्शन कमिश्नर्स ने सीईसी के खिलाफ

शिकायतों में इलैक्शन कमिश्नर्स ने कहा है कि ज्ञानेश कुमार ने उन्हें चुनाव आयोग के ऑफिशियल निर्णयों में शामिल नहीं होने दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को आज एक बड़े खुलासे से भारी झटका लगा, जिसमें तीन सदस्यीय चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, उसकी कार्यप्रणाली और सत्ता में बैठे लोगों के प्रति उसके कथित झुकाव पर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

"द इंडियन एक्सप्रेस" में प्रकाशित एक खुलासे ने मोदी सरकार को अंदर तक हिला दिया है। रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि चुनाव आयोग किस तरह काम कर रहा है।

नागरिकों को उनके वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है, उनके नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा मनमाने फैसले लिए जा रहे हैं।

- **चीफ इलैक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने कहा, निर्णय लेते समय थोड़ी बहुत चर्चा व असहमति हो सकती है, पर सभी निर्णय सर्व सम्मति से ही लिए गए थे।**
- **इलैक्शन कमिश्नर्स के संबंध में इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट दर्शाती है कि नई दिल्ली के सत्ता के गलियारों में और चुनाव आयोग में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।**

रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में आधिकारिक तौर पर 14 शिकायतें दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर रखा और अपने स्तर पर फैसले लिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त, अमित शाह और नरेन्द्र मोदी के बेहद करीबी और प्रिय माने जाते हैं और उनके काम करने के अपने अलग ही नियम हैं।

विपक्षी दलों ने उन्हें पद से हटाने की मांग की है, लेकिन चुनाव आयोग की ओर से एक छोटा-सा प्रेस वक्तव्य जारी किया गया है, जो इन आरोपों का खंडन करने तक सीमित है।

रिपोर्ट से यह भी खुलासा होता है कि यह सब सरकार, भाजपा और संघ परिवार के भीतर चल रहे संघर्ष का परिणाम है।

इसका नतीजा इस रिपोर्ट के रूप में सामने आया है, जिसने दिल्ली और राजनीतिक प्रतिष्ठान को हिलाकर रख दिया है।

एसआईआर ने लाखों मतदाताओं को उनके वोट के अधिकार से वंचित कर दिया है। यह दिखाता है कि लोकतंत्र किस तरह विकृत होता जा रहा है और सत्तारूढ़ दल हर कीमत पर चुनाव जीतने पर आमादा है।

नितिन नबीन 25 को जयपुर में

जयपुर, 23 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 25 सितम्बर को जयपुर आएंगे। वे निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड विजय के अवसर पर आयोजित, पार्टी के विजयी पार्षदों, जन प्रतिनिधियों के स्वागत - अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करेंगे।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि नितिन नबीन 25 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान में प्रातः 7.30 बजे अल्बर्ट हॉल, जयपुर में आयोजित स्वच्छता सेवा कार्यक्रम में रहेंगे। उन्होंने बताया कि बगरू के गांव दादिया में प्रातः 11 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर विशाल कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में हाल ही में सम्पन्न नगर निकाय चुनाव में विजयी हुए भाजपा पार्षदों तथा प्रत्याशियों का स्वागत-अभिनन्दन किया जाएगा।

- **वे निकाय चुनाव में विजयी भाजपा पार्षदों का स्वागत करेंगे तथा पंचायत चुनाव अभियान के 90 प्रचार रथों को रवाना करेंगे।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन दादिया से ही भाजपा के पंचायत चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राजनैतिक दुष्प्रचार को बार-बार दोहराने से सच को नहीं बदला जा सकता'

भारत ने कश्मीर मुद्दा उठाने पर ओआईसी को लताड़ा और कहा, इससे ओआईसी की विश्वसनीयता खतरे में पड़ सकती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। भारत ने बुधवार को ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन (ओआईसी) के संपर्क समूह (कॉन्टैक्ट ग्रुप) द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति में जम्मू-कश्मीर के संदर्भों को कड़े शब्दों में खारिज कर दिया। भारत ने उन्हें "अनावश्यक और तथ्यात्मक रूप से गलत" बताया तथा कहा कि भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करना इस समूह का अधिकार क्षेत्र ही नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल द्वारा साझा किए गए बयान में यह प्रतिक्रिया तब आई, जब ओआईसी कॉन्टैक्ट ग्रुप, जिसमें पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब, अजरबैजान और नाइजर शामिल हैं, ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान मीटिंग की। संयुक्त विज्ञप्ति में मई 2025 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर चिंता जताई गई, भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाही को "गैरकानूनी" बताया गया और दक्षिण एशिया में स्थायी शांति को जम्मू-कश्मीर मुद्दे के अंतिम समाधान से जोड़ा गया, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप हो। इसमें कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार

- **भारत के विदेश मंत्रालय ने ओआईसी को सलाह दी कि वह पाकिस्तान के दावों पर ध्यान न दे और पाकिस्तन को उसके मनगढ़ंत दुष्प्रचार के लिए मंच उपलब्ध न कराए और बेहतर होगा कि पाकिस्तान को आतंकवाद को प्रोत्साहन न देने के लिए कहे।**
- **न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के समानानंतर ही ओआईसी, जिसमें पाकिस्तान, सऊदी अरब, टर्की, अज़रबैजान व नाइजर शामिल हैं, की भी मीटिंग हुई, जिसमें कश्मीर मुद्दा उठाया गया और ऑपरेशन सिंदूर को गैर कानूनी कृत्य बताया गया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महिलाओं की सुरक्षा का बोझ महिलाओं पर नहीं डाला जा सकता'

लेडी श्रीराम कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष अनुषा गर्ग नाबालिग से दुष्कर्म के बाद कक्षाएं रद्द करने के फैसले पर बुरी तरह भड़कीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) की स्टूडेंट यूनियन ने कॉलेज की नियमित कक्षाएं रद्द कर उन्हें ऑनलाइन करने के फैसले की आलोचना की है। यह फैसला पास के एक पार्क में 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित रेप की घटना के बाद लिया गया। छात्रसंघ ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा का बोझ "सिर्फ महिलाओं पर नहीं डाला जा सकता।"

लेडी श्रीराम कॉलेज छात्रसंघ की अध्यक्ष अनुषा गर्ग ने कहा, "महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा सिर्फ उन्हें ज्यादा सावधान रहने की सलाह देकर हल नहीं किया जा सकता। ध्यान, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों, भरोसेमंद लास्ट माइल ट्रांसपोर्ट, पुलिस की स्पष्ट मौजूदगी, आसानी से शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था और समय पर जवाबदेही पर होना चाहिए।"

- **छात्रसंघ की अध्यक्ष अनुषा गर्ग ने कहा कि छात्राएं अपने कॉलेज के बाहर ही सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं को सावधान रहने की सलाह देकर ही उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाए। अंतिम छोर तक परिवहन की भरोसेमंद व्यवस्था हो, पुलिस की मौजूदगी हो तथा शिकायत दर्ज करने की सुगम व्यवस्था हो।**
- **सोमवार को लेडी श्रीराम कॉलेज के समीप आस्था कुंज पार्क में एक 17 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज की प्रिंसिपल, कनिका के आहूजा ने छात्राओं की सुरक्षा का हवाला देकर कक्षाएं रद्द कर दी।**

उनके अनुसार, महिलाएं जहाँ भी जाती हैं या यात्रा करती हैं, उन्हें हर समय सुरक्षा को लेकर सोचना पड़ता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप प्रोटोकॉल तोड़कर जिनपिंग का स्वागत करेंगे

मॉस्को, 23 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप वाशिंगटन के पास जॉइंट बेस एंड्रयूज में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से व्यक्तिगत मुलाकात के लिए लगभग 60 वर्षों से चले आ रहे प्रोटोकॉल को तोड़ेंगे। "फाइनेंशियल टाइम्स" अखबार की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 23-25 सितंबर तक अमेरिका की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। ट्रंप प्रशासन में प्रोटोकॉल प्रमुख मोनिका क्रॉली ने कहा कि ट्रंप व्यक्तिगत रूप से टारमैक पर शी का स्वागत करेंगे, जो उनकी ओर से एक दुर्लभ कदम होगा।

- **यह पहला अवसर है जब कोई अमेरिकी कमांडर इन चीफ किसी विश्व नेता का मिलिटरी बेस पर स्वागत करेगा।**

ट्रंप बुधवार को जॉइंट बेस एंड्रयूज में शी से मिलेंगे। यह पहला अवसर होगा जब कोई अमेरिकी कमांडर-इन-चीफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भरतपुर क्रिकेट एसो. के सचिव यौन उत्पीड़न के मामले में सहयोग करें, ऑफिशियल काम न करें'

हाईकोर्ट ने यह आदेश आर.सी.ए. द्वारा शत्रुधन तिवाड़ी के निलंबन के आदेश रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 23 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी, जिस पर कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीडन करने, और पॉक्सो एक्ट के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है के मामले में सुनवाई करी और आदेश दिये हैं कि भरतपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव शत्रुधन तिवाडी यौन शोषण के आरोपों की पुलिस जांच खत्म होने तक एसोसिएशन से संबंधित किसी भी जरूरी कार्य में फैसला नहीं लेंगे। अदालत ने कहा है कि शत्रुधन तिवाडी किसी भी तरह से साक्ष्यों के साथ छेडखानी नहीं करेंगे, गवाहों और शिकायतकर्ता पर दबाव नहीं बनायेंगे, एसोसिएशन के रिकॉर्ड के साथ छेडछाड नहीं करेंगे और पुलिस के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

- **उल्लेखनीय है कि शत्रुधन तिवाड़ी, जिन पर कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने और पॉक्सो एक्ट के संबंध में एफआईआर दर्ज है, को 18 जून को निलंबित किया गया था, परंतु आरसीए ने एक अगस्त को इनके निलंबन के आदेश रद्द कर दिये थे।**

जैसा कि विदित है कि 1 अगस्त को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) ने भरतपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव शत्रुधन तिवाडी, जिन पर यौन उत्पीड़न और पॉक्सो एक्ट के संबंध में एफआईआर दर्ज है, के 18 जून को जारी किए गए निलंबन के आदेश खारिज कर दिये थे। आरसीए के इस आदेश के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की गई थी। इस मामले में याचिका दायरकर्ता की ओर से अधिवक्ता आशीष शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे। उनकी ओर से अदालत को बताया गया कि कानूनी प्रावधानों के विरूद्ध जाते हुए आरसीए ने शत्रुधन तिवाडी के निलंबन के आदेश रद्द कर दिये हैं जबकि शत्रुधन तिवाड़ी स्वयं निलंबन के खिलाफ अपील दायर कर सकते थे।

न्यायाधीश मनीष शर्मा की अदालत ने सभी तथ्यों को सुनने के बाद शत्रुधन तिवाडी के खिलाफ आदेश देते हुए कहा है कि वह भरतपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के जरूरी कामकाज में भाग नहीं ले सकते और जांच में भी सहयोग करेंगे।

गौतम अडाणी देश के सबसे अमीर कारोबारी बने

नई दिल्ली, 23 सितंबर। "एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026" के अनुसार, अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनका परिवार एक बार फिर देश के सबसे अमीर कारोबारी बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके परिवार को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

- **हुरुन इंडिया रिच लिस्ट के अनुसार 2026 में अडाणी की कुल संपत्ति 9.23 लाख करोड़ रु. थी व मुकेश अंबानी की कुल 8.63 लाख करोड़ थी।**

13 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ गौतम अडाणी की कुल संपत्ति 9.23 लाख करोड़ रुपये (96 अरब डॉलर) तक पहुंच गई है, जबकि मुकेश अंबानी की संपत्ति में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 8.63 लाख करोड़ रुपये (90 अरब डॉलर) रह गई है। इसके साथ ही, गौतम अडाणी ने मुकेश अंबानी पर 59,400 करोड़ रुपये की बढ़त बना ली है। देश में डॉलर आधारित अरबपतियों की संख्या बढ़ कर रिकॉर्ड 391 के स्तर पर पहुंच गई है।

हुरुन की इस नई सूची में कम से कम 1,000 करोड़ रुपये की व्यक्तिगत संपत्ति वाले कुल 1,810 व्यक्ति शामिल हैं।

इन सभी अमीरों की संयुक्त संपत्ति पिछले वर्ष की तुलना में 12.8 प्रतिशत बढ़ कर 187.5 लाख करोड़ रुपये (1.96 ट्रिलियन डॉलर) हो गई है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मायावती ने ईशान आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाया

लखनऊ, 23 सितंबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार के छोटे बेटे ईशान आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। इससे पहले, यह पद आकाश आनंद के पास था, लेकिन मायावती ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

ईशान आनंद ने बैठक में मौजूद सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें बसपा के राष्ट्रीय संयोजक की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सभी साथियों को भी यह विश्वास दिलाना चाहता हैं कि पार्टी के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए वे कभी निराश नहीं करेंगे। इसके बाद ईशान ने मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

- **ईशान कुमार उनके भाई आनंद कुमार के छोटे बेटे हैं।**

अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसी को लेकर मायावती ने बुधवार को लखनऊ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिना सुनवाई का मौका दिए नूरानी मस्जिद और मदरसा तोड़ने की कार्रवाई क्यों की गई'

हाईकोर्ट ने मालवीय नगर में रेलवे लाइन के पास बनी मस्जिद पर जेडीए द्वारा 8 जून को पीला पंजा चलाये जाने के मामले में जवाब तलब किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 23 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए आयुक्त, जोन-7 के उपायुक्त और प्रवर्तन अधिकारी को नोटिस जारी किया और मालवीय नगर स्थित नूरानी मस्जिद व मदरसा तोड़ने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जवाब तलब किया। अदालत में दायर मुस्लिम वक्फ बोर्ड की याचिका में आरोप लगाया गया है कि जेडीए ने तोड़फोड़ की कार्रवाई करने से पूर्व, नूरानी मस्जिद और मदरसा के संचालक को कोई कानूनी नोटिस जारी नहीं किया था और वक्फ बोर्ड तथा मस्जिद और मदरसा के संचालक को सुनवाई का कोई अवसर भी नहीं दिया और बिल्कुल ही गैर कानूनी तरीके से वक्फ की संपत्ति को तोड़ने की कार्रवाई की है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान मुस्लिम वक्फ बोर्ड की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि इस मामले को सुनवाई के लिए आठ हफ्ते बाद सूचीबद्ध किया जाए।

याचिका में अधिवक्ता नकवी सेहबान नजीब ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बोर्ड के स्वामित्व में मालवीय नगर के अशोक विहार में एक वक्फ संपत्ति है, जिसे नूरानी मस्जिद एवं मदरसा के नाम से जाना जाता है। नकवी का कहना है कि इस मस्जिद और मदरसा का निर्माण साल 1981 में किया गया था और तब से यहां मुस्लिम समुदाय के नमाज सहित, अन्य धार्मिक कार्यक्रम होते आ रहे हैं। याचिकाकर्ता को गत 8 जून को पता चला कि जयपुर विकास प्राधिकरण ने इस मस्जिद व मदरसा को अल-सुबह ध्वस्त कर दिया है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता को जेडीए की ओर से कार्रवाई करने से पूर्व कोई नोटिस नहीं दिया गया, जिससे उसे सुनवाई का मौका भी नहीं मिला। याचिका में कहा गया कि जेडीए की ओर से 5 जून को धारा 72 के तहत एक नोटिस जारी किया जाना बताया जा रहा है, लेकिन याचिकाकर्ता को यह नोटिस प्राप्त ही नहीं हुआ।

- **याचिकाकर्ता के वकील सेहबान नकवी का कहना है कि अगर यह मान भी लिया जाए कि जेडीए ने यह तथाकथित नोटिस याचिकाकर्ता के नाम पर जारी किया था, लेकिन, नोटिस पढ़ने से यह साफ जाहिर हो जाता है कि 5 जून को तथाकथित रूप से जारी इस नोटिस में याचिकाकर्ता को 7 जून को सुबह 11 बजे जेडीए आयुक्त के समक्ष पेश होकर अपना जवाब देना था। यहां उल्लेखनीय है कि 7 जून को रविवार था, जिस दिन सरकारी दफ्तर बंद होते हैं।**
- **याचिकाकर्ता का कहना है कि जेडीए द्वारा तथाकथित रूप से जारी नोटिस में किसी भी प्लॉट या प्रोपर्टी का नंबर दर्ज नहीं किया गया है, जिससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि यह नोटिस किस प्रोपर्टी मालिक या संस्था को जारी किया गया था।**

याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि अगर यह मान भी लिया जाए कि जेडीए ने यह तथाकथित नोटिस याचिकाकर्ता के नाम पर जारी किया था, परंतु नोटिस पढ़ने से यह साफ जाहिर हो जाता है कि कथित तौर पर 5 जून को जारी इस नोटिस में याचिकाकर्ता को 7 जून को सुबह 11 बजे जेडीए आयुक्त के समक्ष पेश होकर अपना जवाब देना था। यहां उल्लेखनीय है कि 7 जून को रविवार था, जिस दिन सरकारी दफ्तर बंद होते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जेडीए द्वारा जारी तथाकथित नोटिस में किसी भी प्लॉट या प्रोपर्टी का नंबर दर्ज नहीं किया गया है, जिससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि यह नोटिस किस प्रोपर्टी मालिक या संस्था को जारी किया गया था।

याचिकाकर्ता का कहना है कि जेडीए केवल एक निकाय है, जो अतिक्रमण हटाने के संबंध में भी कार्रवाई करता है, लेकिन वक्फ प्रोपर्टी का मालिकाना हक तय करने का अधिकार उसे नहीं है और किसी भी संपत्ति को बिना कानूनी रूप से सुनवाई कर तोड़ने का अधिकार भी उसे नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि जेडीए द्वारा 5 जून को नोटिस दिया जाना और फिर तोड़फोड़ की कार्रवाई 8 जून को ही करने का कार्यक्रम इसलिए अपनाया, क्योंकि उस समय सामान्य रुप से अदालत कार्यरत नहीं थी।

याचिकाकर्ता का कहना है कि ऐसे में जेडीए की यह कार्रवाई गलत ही नहीं, गैर कानूनी भी है। इसलिए जेडीए की इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

महापुरुषों का सर्वश्रेष्ठ सम्मान हम उनका अनुकरण कर के ही कर सकते हैं। –महात्मा गांधी

विधायक को पेंशन, विश्वविद्यालय के कार्मिकों को क्यों नहीं?

राजस्थान में लोकतंत्र का एक अजीब चेहरा सामने दिखाई देता है। जनता के वोट से चुना गया विधायक पांच वर्ष तक विधानसभा में प्रतिनिधित्व करता है और कार्यकाल समाप्त होने के बाद उसके लिए पेंशन और अनेक सुविधाओं की व्यवस्था हो जाती है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय का प्रोफेसर, वैज्ञानिक या कर्मचारी 33-35 वर्ष तक विद्यार्थियों को पढ़ाता है, शोध करता है, किसानों के लिए नई तकनीक विकसित करता है, विश्वविद्यालय को खड़ा करता है और अपना पूरा जीवन संस्थान को समर्पित कर देता है-लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद उसे अपनी पेंशन के लिए सरकारी दफ्तरों और विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

क्या यही सामाजिक न्याय है?

यह सवाल आज राजस्थान सरकार और समाज दोनों के सामने खड़ा है।

विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं। उन्हें सम्मान और सुविधाएं मिलनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उचित वेतन और पेंशन देने पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि जिस राज्य में जनप्रतिनिधि के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है, उसी राज्य में दशकों तक शिक्षा और अनुसंधान की सेवा करने वाले विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक-कर्मचारी पेंशन के लिए संघर्ष क्यों करें?

राजस्थान विधानसभा के सदस्यों को वेतन के साथ निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, आवास, टेलीफोन, यात्रा, दैनिक भत्ता, वाहन, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं प्राप्त होती हैं। यात्रा के लिए निर्धारित सीमा तक प्रतिपूर्ति की व्यवस्था है। निर्वाचन क्षेत्र में भ्रमण के लिए वाहन अथवा उसके स्थान पर निर्धारित राशि का प्रावधान है। जयपुर में आवास तथा अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

इन सबके बाद पूर्व विधायक के लिए पेंशन की व्यवस्था भी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का उदाहरण इस व्यवस्था को और स्पष्ट करता है। धनखड़ 1993 से 1998 तक राजस्थान की किशनगढ़ विधानसभा सीट से विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के रूप में उन्हें लगभग 42,000 प्रतिमाह पेंशन मिलने की बात सामने आई है। पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व सांसद के रूप में मिलने वाली पेंशन को जोड़ने पर उनकी कुल मासिक पेंशन लगभग 2.73 लाख बताई गई है। इसके अतिरिक्त उन्हें मुफ्त चिकित्सा सुविधा और दिल्ली में रहने के लिए एक बंगला भी दिया जा रहा है। अर्थात सार्वजनिक जीवन में अलग-अलग संवैधानिक एवं निर्वाचित पदों पर की गई सेवा के लिए अलग-अलग पेंशन का प्रावधान मौजूद है।

यह किसी व्यक्ति विशेष पर टिप्पणी नहीं, बल्कि व्यवस्था से जुड़ा सवाल है। जब पांच वर्ष विधायक रहने वाले व्यक्ति के लिए पेंशन की व्यवस्था हो सकती है, तो 33-35 वर्ष तक विश्वविद्यालय में शिक्षक, वैज्ञानिक अथवा कर्मचारी के रूप में सेवा करने वाले व्यक्ति की पेंशन व्यवस्था इतनी विवादित और अनिश्चित क्यों हो?

यहीं से विश्वविद्यालय के पेंशनरों का सवाल शुरू होता है।

एक प्रोफेसर 33-35 वर्ष तक सेवा करता है। वह विद्यार्थियों की कई पीढ़ियां तैयार करता है। कृषि विश्वविद्यालय का वैज्ञानिक किसानों की समस्याओं पर शोध करता है। कोई कर्मचारी प्रयोगशाला, पुस्तकालय, प्रशासन, फार्म, अनुसंधान केंद्र या विश्वविद्यालय की अन्य व्यवस्था को दशकों तक संभालता है। उसकी पूरी कार्यशील जिंदगी विश्वविद्यालय के नाम हो जाती है।

फिर एक दिन वह सेवानिवृत्त होता है।

और उसके सामने सवाल खड़ा हो जाता है-अब पेंशन कौन देगा?

विश्वविद्यालय कहता है-हमारे पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।

सरकार कहती है-विश्वविद्यालय स्वायत्त संस्थाएं हैं।

और इस 'सरकार बनाम विश्वविद्यालय' के बीच पेंशनर कहां जाए?

क्या उसने अपनी सेवा किसी निजी संस्था में की थी?

क्या विश्वविद्यालय राज्य की शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं?

क्या कृषि विश्वविद्यालयों ने राजस्थान के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों के लिए काम नहीं किया?

यदि सरकार विश्वविद्यालयों से शिक्षा और अनुसंधान की जिम्मेदारी लेती है, उनकी नीतियां निर्धारित करती है, उनके प्रशासनिक ढांचे में हस्तक्षेप करती है और उनसे राज्य की कृषि एवं शिक्षा नीति के अनुरूप काम लेती है, तो सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा की जिम्मेदारी से वह पूरी तरह अलग कैसे हो सकती है?

यहां सबसे बड़ा विरोधाभास सामने आता है।

राजकीय महाविद्यालय का शिक्षक और विश्वविद्यालय का शिक्षक-दोनों शिक्षा देते हैं। दोनों ने वर्षों तक विद्यार्थियों को पढ़ाया। दोनों ने समाज के लिए काम किया। दोनों सरकारी शिक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग रहे। फिर सेवानिवृत्ति के बाद दोनों के साथ अलग-अलग व्यवहार क्यों?

विधायक को पेंशन मिले-यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। लेकिन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, वैज्ञानिक और कर्मचारी को उसकी जीवनभर की सेवा के बाद पेंशन के लिए तरसना पड़े-यह लोकतंत्र की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न है।

राजकीय महाविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक को राज्य के कोषागार से नियमित पेंशन मिल सकती है, लेकिन विश्वविद्यालय के शिक्षक को अपनी पेंशन के लिए संघर्ष करना पड़े-यह व्यवस्था समानता के संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप कैसे मानी जा सकती है?

राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों में स्थिति और अधिक चिंताजनक है। पेंशन की समस्या केवल एक-दो व्यक्तियों की समस्या नहीं है। यह उन हजारों सेवानिवृत्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की पीड़ा है जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा विश्वविद्यालयों को दिया है।

पेंशन में देरी, महंगाई राहत के भुगतान में असमानता, वेतन आयोग के लंबित लाभ, ग्रेच्युटी और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों में विलंब-ये सब केवल प्रशासनिक समस्याएं नहीं हैं। इनके पीछे किसी वृद्ध व्यक्ति का घर, परिवार और जीवन जुड़ा होता है।

सरकार के लिए किसी पेंशन की फाइल शायद एक फाइल हो सकती है, लेकिन पेंशनर के लिए वही फाइल उसकीमासिक जीवन-रेखाहोती है।

और सबसे महत्वपूर्ण बात-पेंशन कोई पुरस्कार नहीं है।

पेंशन कर्मचारी की सेवा के बदले अर्जित सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा है।

जिस व्यक्ति ने अपनी जवानी और कार्यशील जीवन राज्य को दिया है, उसके बुढ़ापे की सुरक्षा राज्य की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

यहां विधायक और विश्वविद्यालय कर्मचारी की तुलना इसलिए आवश्यक हो जाती है क्योंकि इससे सरकारी प्राथमिकताओं का आईना सामने आता है।

एक विधायक पांच वर्ष के कार्यकाल के बाद पूर्व विधायक हो जाता है और पेंशन का पात्र बनता है। दूसरी ओर एक विश्वविद्यालय कर्मचारी को पेंशन के लिए तीन दशक से अधिक सेवा करनी पड़ सकती है और फिर भी उसका अधिकार विवाद का विषय बना दिया जाता है।

पांच साल बनाम पैंतीस साल।

एक तरफ राजनीतिक सेवा, दूसरी तरफ शैक्षणिक और वैज्ञानिक सेवा।

एक तरफ सुविधाओं से युक्त पदावधि के बाद पेंशन की सुरक्षा, दूसरी तरफ जीवनभर की सेवा के बाद पेंशन के लिए संघर्ष।

क्या राजस्थान के नीति-निर्माताओं ने कभी इस विरोधाभास पर गंभीरता से विचार किया है?

यह सवाल विधायकों की पेंशन समाप्त करने का नहीं है। सवाल यह है कि जब राज्य अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए पेंशन की व्यवस्था कर सकता है तो अपने विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को उसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा देने में उसे क्या आपत्ति है?

क्या शिक्षा का महत्व राजनीति से कम है?

क्या विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाला प्रोफेसर समाज निर्माता नहीं है?

क्या वह कर्मचारी जिसने दशकों तक विश्वविद्यालय की व्यवस्था संभाली, सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन का अधिकारी नहीं है?

और यदि इन सभी सवालों का उत्तर 'नहीं' है, तो फिर विश्वविद्यालय पेंशनरों के साथ यह अन्याय क्यों?

राजस्थान सरकार को अब इस समस्या को 'विश्वविद्यालय का आंतरिक मामला' मानकर टालने की नीति छोड़नी चाहिए। राज्य के विश्वविद्यालयों की पेंशन व्यवस्था पर एक स्पष्ट, स्थायी और समान नीति बनाई जानी चाहिए। पेंशन का नियमित भुगतान, महंगाई राहत में समानता, वेतन आयोग के लंबित लाभ और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित होना चाहिए।

सरकार चाहे तो इसके लिए एक पृथक पेंशन कोष बनाए, बजटीय प्रावधान करे अथवा विश्वविद्यालयों को आवश्यक अनुदान दे। लेकिन यह तय करना होगा कि सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी अपनी वृद्धावस्था में आर्थिक असुरक्षा के शिकार नहीं होंगे।

राजस्थान को यह तय करना होगा कि वह अपने वृद्ध शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहता है।

क्या पेंशन केवल विधायक होने का विशेषाधिकार है?

क्या 33-35 वर्ष की विश्वविद्यालय सेवा का कोई मूल्य नहीं?

क्या शिक्षक और वैज्ञानिक की सेवा का सम्मान केवल तब तक है जब तक वह नौकरी में है?

इन सवालों से सरकार बच नहीं सकती।

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का असली अर्थ है-न्याय, समानता और संवेदनशील शासन।

विधायक को पेंशन मिले-यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। लेकिन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, वैज्ञानिक और कर्मचारी को उसकी जीवनभर की सेवा के बाद पेंशन के लिए तरसना पड़े-यह लोकतंत्र की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न है।

अब समय आ गया है कि राजस्थान सरकार विश्वविद्यालय पेंशनरों की समस्या को फाइलों में दबाकर रखने के बजाय उसका स्थायी समाधान करे।

क्योंकि अंततः सवाल सिर्फ पेंशन का नहीं है।

सवाल यह है कि जिस समाज ने शिक्षक से अपना भविष्य बनाने की अपेक्षा की, क्या वह उसके बुढ़ापे का भविष्य सुरक्षित करने को भी तैयार है?

और इस सवाल का जवाब राजस्थान सरकार को देना ही होगा।

-अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

युवा शक्ति को प्राथमिकता, विकसित राजस्थान का संकल्प

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को अवसर देने की दिशा में विशेष प्रयास

दीपक नंदी

राजस्थान के विकास की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति है। प्रदेश के लाखों युवा शिक्षा, रोजगार और बेहतर भविष्य की आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार की नीतियों में युवाओं को प्राथमिकता मिलना अहम प्रशासनिक निर्णय के साथ ही राजस्थान के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विगत ढाई वर्षों के दौरान युवा रोजगार, कौशल विकास, शिक्षा, तकनीकी ज्ञान और उद्यिमता पर विशेष जोर दिया गया है। यह प्रदेश की विकास यात्रा में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करती है।

युवाओं के लिए रोजगार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। वर्तमान राज्य सरकार के ढाई वर्षों में 1 लाख 90 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि 1 लाख 20 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। वर्ष 2026 में 1 लाख 25 हजार पदों के लिए भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि रोजगार के क्षेत्र में सरकार ने अपनी प्राथमिकता में शामिल किया है। सरकारी नियुक्तियां युवाओं को स्थिर रोजगार उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साथ ही, रोजगार की बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए निजी क्षेत्र, उद्योग, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसरों का विस्तार भी जरूरी है।

युवा वर्ग के विश्वास को मजबूत करने के लिए भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और निष्पक्षता पर निरंतर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में सभी परीक्षाएं निष्पक्ष एवं बिना पेपर लीक हुए पूर्ण हुई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आगामी बजट को युवा शक्ति पर केंद्रित कर रहे हैं। रोजगार, शिक्षा एवं तकनीकी ज्ञान, कौशल विकास, युवा कल्याण और सर्वांगीण विकास को बजट के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल करने से युवा नीति को व्यापक आधार मिल सकता है। राजस्थान के अलग-अलग जिलों की आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए युवा विकास की योजनाओं में स्थानीय आवश्यकताओं और रोजगार की संभावनाओं को महत्व दिया जा रहा है। जिला स्तर पर संचालित प्रशिक्षण केंद्रों को स्थानीय उद्योगों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। टेक्सटाइल उद्योग की संभावना वाले जिलों में संबंधित कौशल का प्रशिक्षण और पर्यटन क्षेत्रों में हॉस्पिटैलिटी से जुड़ी दक्षताओं का विकास युवाओं को स्थानीय रोजगार से जोड़ने में सार्थक है।

कौशल विकास को प्रभावी बनाने हेतु प्रशिक्षण और उद्योगों की वास्तविक मांग के बीच समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। राजस्थान में पर्यटन, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग, वस्त्र, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और सेवा क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार की संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा युवाओं को केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हैं। यह विचार युवाओं में उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करता है। प्रशिक्षण केंद्रों में आधुनिक उपकरण, योग्य प्रशिक्षक, उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी और प्रशिक्षण के बाद रोजगार सहायता पर ध्यान दिया जा रहा है। कौशल विकास का उद्देश्य युवाओं को कार्यस्थल की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए तैयार करना है।

प्रदेश में तकनीक और नवाचार ने व्यवसाय शुरू करने की संभावनाओं का विस्तार किया है। राजस्थान के युवा डिजिटल सेवाओं, पर्यटन, कृषि प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और नए व्यवसायिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना सकते हैं। इन क्षेत्रों में उद्यमिता के लिए कौशल के साथ पूंजी, मार्गदर्शन, बाजार और संस्थागत सहायता की भी व्यवस्था की जा रही है। राज्य में स्टार्टअप और छोटे उद्यमों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना, शैक्षणिक संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा स्थानीय उद्योगों के साथ युवाओं का संपर्क स्थापित करना उपयोगी कदम हैं। युवा महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय पहुंच और सुरक्षित कार्यस्थल जैसे विषयों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

युवा विकास की मजबूत बुनियाद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। शिक्षा को रोजगार और कौशल से जोड़ने के साथ रचनात्मक सोच, समस्या समाधान की क्षमता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास भी आवश्यक है। तकनीकी ज्ञान का महत्व लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और आधुनिक उद्योगों से संबंधित दक्षताएं युवाओं के लिए नए अवसर खोल सकती हैं।

प्रदेश में शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युवाओं को बदलती रोजगार आवश्यकताओं के लिए तैयार करने पर बल दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का 'माई भारत' डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं को स्वयंसेवा, नेतृत्व, कौशल विकास और नागरिक भागीदारी के अवसरों से जोड़ने पर विशेष ध्यान है। उनकी प्रेरणा से राजस्थान में 'सुयोग' प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। युवा शक्ति का योगदान सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, रक्तदान और सामुदायिक गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण है। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर और चिकित्सा शिविरों का आयोजन युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की दिशा में उपयोगी प्रयास है। युवाओं के सुझावों और सहभागिता को नीति निर्माण में भी स्थान देने के प्रयास है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में युवाओं को विकास के केंद्र में रखने की दिशा स्पष्ट रूप से सामने आई है। रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास, युवा कल्याण और उद्यिमता को एक-दूसरे से जोड़ने का प्रयास प्रदेश की दीर्घकालिक आवश्यकताओं के अनुरूप है। सरकारी भर्तियों के साथ निजी क्षेत्र में रोजगार, कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उद्यमिता के लिए सहायता और शिक्षा के बाद अवसरों की उपलब्धता पर दिये जा रहे ध्यान के सार्थक परिणाम होंगे। राजस्थान के युवाओं में प्रतिभा, ऊर्जा और परिश्रम की कमी नहीं है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उपयोगी कौशल, रोजगार के अवसर और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता है। सरकार, उद्योगों, शिक्षण संस्थानों और समाज के समन्वित प्रयासों से यह लक्ष्य अधिक प्रभावी ढंग से हासिल करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री का यह दृष्टिकोण कि राजस्थान का युवा केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बने, प्रदेश के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य प्रस्तुत करता है। अब इस लक्ष्य को योजनाओं, संसाधनों और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है।

–दीपक नंदी, आईएएस (से.नि.)

राजीविका से मिला संबल, वर्षा की आत्मनिर्भरता का आधार बना ब्यूटी पार्लर

- **राजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद वर्षा को समूह की गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिला**
- **अपने हुनर और रुचि को आजीविका का माध्यम बनाने के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन भी वर्षा को प्राप्त हुआ**

धौलपुर, (निसं)। विकसित भारत-जन सेवा अभियान के अंतर्गत सेवा की कहानी के माध्यम से जिले में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं सेवाओं से लाभान्वित होकर जिले के नागरिक अपनी मेहनत से सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। ये कहानियां बताती हैं कि सही मार्गदर्शन, सामूहिक सहयोग और स्वयं कुछ करने की इच्छाशक्ति के साथ व्यक्ति अपने जीवन में बदलाव की नई राह बना सकता है।

ग्राम मरैना निवासी वर्षा की कहानी भी इसी बदलाव और आत्मनिर्भरता की मिसाल है। राजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद वर्षा को न केवल समूह की गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिला, बल्कि उन्हें अपने हुनर और रुचि को आजीविका का माध्यम बनाने के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ।

समूह से जुड़ने के बाद मिली नई राह :-वर्षा के लिए राजीविका समूह से जुड़ना उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। समूह की बैठकों एवं गतिविधियों के माध्यम से उन्हें सामूहिक प्रयास, बचत, आर्थिक गतिविधियों और स्वरोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी मिली। समूह से प्राप्त सहयोग ने उनके भीतर स्वयं का काम शुरू करने का विश्वास पैदा किया। वर्षा के मन में लंबे समय से अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी आय का साधन विकसित करने की इच्छा थी। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने ब्यूटी पार्लर का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। राजीविका समूह के सहयोग और मार्गदर्शन से उन्होंने अपने इस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में कदम बढ़ाया।

वर्षा ने अपने हुनर को व्यवसाय से जोड़ते हुए ब्यूटी पार्लर की दुकान शुरू की। शुरुआत में यह उनके लिए एक नया अनुभव था, लेकिन मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास के साथ उन्होंने अपने काम को आगे बढ़ाया। धीरे-धीरे आसपास की महिलाओं और ग्राहकों का भरोसा बढ़ा और ब्यूटी पार्लर उनकी आय का महत्वपूर्ण माध्यम बनने लगा। जहां पहले अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भरता की स्थिति रहती थी, वहीं स्वयं का व्यवसाय शुरू होने के बाद वर्षा को अपनी आय अर्जित करने का अवसर मिला। इससे उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिली।

आर्थिक स्थिति में आया सकारात्मक बदलाव :-ब्यूटी पार्लर से होने वाली आमदनी ने वर्षा के जीवन में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव लाना शुरू किया। अपने व्यवसाय से प्राप्त आय को उन्होंने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोग किया। आर्थिक रूप से सहयोगी बनने के साथ ही उन्हें यह विश्वास भी मिला कि यदि अवसर और सही मार्गदर्शन मिले तो महिलाएं अपने हुनर के दम पर स्वयं की आजीविका स्थापित कर सकती हैं।

वर्षा की कहानी केवल एक व्यवसाय शुरू करने की कहानी नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, सामूहिक सहयोग और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों की कहानी है। राजीविका समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपने हुनर को पहचानने और उसे आय के साधन में बदलने का अवसर मिला। वर्षा की सफलता यह संदेश देती है कि जब महिला को अवसर, सहयोग और मार्गदर्शन मिलता है तो वह न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन सकती है, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

गंगापुर सिटी में ब्लॉक स्तरीय जनकल्याण शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान

शिविर में 22 विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे

गंगापुर सिटी, (निसं)। विकसित भारत जन चेतना अभियान के तहत एक ब्लॉक स्तरीय जनकल्याण शिविर लगाया गया। यह शिविर पंचायत समिति सभागार में हुआ। विकास अधिकारी डॉ. जगदीश गुर्जर ने बताया कि शिविर में 22 विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीण इलाकों से आए लोगों को मौके पर ही कई सरकारी योजनाओं का लाभ दिया। शिविर में बुचौलाई, नारायणपुर टटवाड़ा, हीरापुर, मीनापाड़ा, तलावड़ा, खेड़ाबाड़ रामगढ़, कुनकटा कलां, बामनबड़ौदा और बाढ़कलां जैसी ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

शिविर में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत आईएचएचएल को मंजूरी दी गई। स्वयं सहायता समूहों के लिए कर्ज के आवेदन लिए गए। राजस्व विभाग ने कई मामलों को मौके पर ही सुलझाया। चिकित्सा विभाग ने मां और बच्चे के स्वास्थ्य की जांच की। पशुपालन विभाग ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की पॉलिसी बांटी। वहीं शिविर में बिजली विभाग ने भी मिले आवेदनों को सुलझाया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने समेकित बाल विकास योजनाओं से जुड़े आवेदन लिए। जल संसाधन विभाग ने भी आवेदनों को मौके पर ही सुलझाया। पालनहार योजना का सत्यापन किया गया और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत किस्तों का लाभ भी दिया गया। चिकित्सा और आयुर्वेद विभाग ने मरीजों की जांच की, इलाज किया और दवाइयां बांटीं। राजस्व विभाग ने जाति और मूल प्रमाण पत्र सहित अन्य सेवाओं से जुड़े मामलों को सुलझाया। बाकी विभागों ने भी ग्रामीणों की समस्याओं को हल किया।

सचिव ने सुनीं समस्याएं

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर में 60 दिवसीय मेगा अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लगातार ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना रहा है। इसी कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रेखा यादव ग्राम गडरपुरा पहुंचीं, जहां उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और निःशुल्क विधिक सहायता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों को बताया कि पात्र और जरूरतमंद लोगों को विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निःशुल्क कानूनी सहायता और परामर्श उपलब्ध कराया जाता है।

राशिफल गुरूवार 24 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत-2083, धनिष्ठा नक्षत्र प्रातः 10:35 तक, धृति योग दिन 3:55 तक, कौलव करण दिन 11:05 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 10:35 से आरम्भ होगी। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ सूर्योदय से 7:49 तक, चर 10:49 से 12:19 तक, लाभ अमृत 12:19 से 3:18 तक, शुभ 4:48 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:18

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

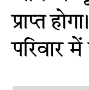

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

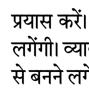

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

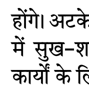

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

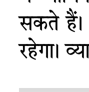

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

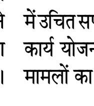

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में रचनात्मक सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

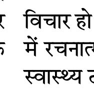

वृश्चिक

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

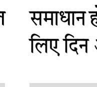

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए समय अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

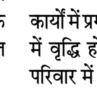

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

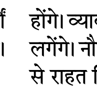

मीन

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितंबर-17 अक्टूबर 2026)

सेवा सेतु अभियान शिविर

26 से 28 सितम्बर 2026 | प्रात: 9:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक

स्थान: गिरदावर सर्किल मुख्यालय

शिविर में प्रमुख रूप से होने वाले कार्य

राजस्व
- राजस्व अभिलेख/खातों का शुद्धिकरण
- नामांतरण एवं रास्ते से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण
- अतिक्रमण, सीमाज्ञान एवं पत्थरगढ़ी संबंधी प्रकरण का निस्तारण
- भूमिहीन किसानों को भूमि आवंटन
- जाति, मूल निवास एवं हैसियत प्रमाण-पत्र जारी करना
- सरकारी/चारागाह/विभागीय भूमि से संबंधित प्रकरण
- आबादी विस्तार हेतु भूमि आवंटन/आरक्षण

स्वास्थ्य
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जांच
- टीकाकरण
- विभिन्न रोगों की स्क्रीनिंग
- टीबी जांच एवं पोषण किट वितरण
- पीएमजेएवाई कार्ड बनाना एवं वितरण

पशुपालन एवं कृषि
- पशु स्वास्थ्य शिविर
- पशुओं का टीकाकरण एवं बीमा
- कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति
- NFSA से संबंधित लंबित प्रकरणों का निस्तारण
- पात्र परिवारों/सदस्यों का आधार सीडिंग
- ई-केवाईसी
- राशन कार्ड संबंधी कार्य

ग्रामीण विकास एवं पंचायत
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित कार्य
- स्वयं सहायता समूहों का गठन एवं बैंक खाते खुलवाना
- व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता संबंधी कार्य
- ठोस कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता गतिविधियां

बिजली एवं जल
- विद्युत एवं ट्रांसफॉर्मर संबंधी शिकायतों का निस्तारण
- बिजली बिल एवं लोड संबंधी शिकायतों का समाधान
- प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी एवं आवेदन
- पेयजल संबंधी शिकायतों का समाधान
- हैंडपंप मरम्मत एवं पेयजल गुणवत्ता जांच

सामाजिक सुरक्षा
- प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खाते खोलना एवं निष्क्रिय खातों का सत्यापन
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना में पंजीयन एवं क्लेम वितरण
- जनआधार में नवीन नामांकन एवं संशोधन
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन संबंधी कार्य
- पालनहार योजना से संबंधित कार्य
- यूडीआईडी कार्ड संबंधी आवेदन
- आवश्यक कृत्रिम अंग व सहायक उपकरणों का वितरण

शिक्षा
- विद्यालय प्रवेश एवं नामांकन संबंधी कार्य
- छात्रवृत्ति संबंधी कार्य
- पालनहार योजना में सहयोग
- विद्यालय भूमि से संबंधित प्रकरण

महिला एवं बाल विकास
- महिला एवं बाल विकास योजनाओं की जानकारी एवं जागरूकता
- प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों का मौके पर निस्तारण

अन्य सेवाएं
- श्रमिक टूलकिट/औजार सहायता योजना के आवेदन
- आपदा से हुई जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षति के प्रकरण
- पूर्व सैनिकों के पहचान-पत्र एवं पेंशन संबंधी प्रकरण का निस्तारण
- आयुष चिकित्सा जांच एवं आवश्यक दवाओं का वितरण
- दिव्यांग एवं पात्र व्यक्तियों के लिए रोडवेज पास
- जल संसाधन एवं सार्वजनिक निर्माण से संबंधित प्रकरण

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

सीएम भजनलाल शर्मा ने बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन कर मन्नत मांगी

मुख्यमंत्री ने समाधि की पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की

जालोर/पोकरण/रामदेवरा, (निसं)। रामदेवरा स्थित लोकदेवता बाबा रामदेवजी के भादवा मेले के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रामदेवरा पहुंचे। निर्धारित कार्यक्रम से करीब एक घंटे देरी से पहुंचे मुख्यमंत्री ने बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीआईपी रोड से समाधि परिसर में प्रवेश कर मुख्य समाधि स्थल तक पहुंचे। रास्ते में मौजूद श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेवजी के जयकारे लगाए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुख्यमंत्री सीधे समाधि स्थल पहुंचे। यहां मुख्य पुजारी अरुण छगानी ने उन्हें बाबा रामदेवजी की समाधि की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवाई। मुख्यमंत्री ने समाधि पर चादर चढ़ाई और पवित्र जल से समाधि का अभिषेक कर बाबा के दर्शन किए। वही मुख्यमंत्री के वीआईपी रोड से समाधि परिसर में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेवजी के जयकारे लगाने शुरू कर दिए। मुख्यमंत्री ने भी हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। सुरक्षा घेरे के बीच वे मुख्य समाधि स्थल तक पहुंचे। यहां कुछ देर रुककर उन्होंने पूजा-अर्चना की और बाबा रामदेवजी के समक्ष देश-प्रदेश की उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। वहीं बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री डाली बाई समाधि स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने डाली बाई की समाधि पर पूजा-अर्चना कर मंगल कामना की। इसके बाद मंदिर के समीप बैठे भजन गायकों के पास पहुंचे और बाबा रामदेवजी के भजन सुने। कुछ देर तक भजनों का आनंद लेने के बाद मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद लोगों से भी मुलाकात की। वहीं समाधि परिसर स्थित कचहरी परिसर में मुख्यमंत्री ने संत-महंतों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान गादीपति राव भोमसिंह तंवर ने माला एवं साफा पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। रामदेवरा के स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य लोग भी इस दौरान मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

समाधि दर्शन और अन्य कार्यक्रमों के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समाधि परिसर के समीप स्थित भोजनशाला पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को अपने हाथों से भोजन परोसा और भोजनशाला में चल रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने और अन्य सुविधाओं की जानकारी भी ली।

इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज, जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, पोकरण के पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड, राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री के.के. बिश्नोई सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे। बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन के लिए पैनोरमा से पैदल निकले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रास्ते में अचानक सड़क किनारे बनी एक चाय-नाश्ते की होटल पर रुक गए। मुख्यमंत्री ने यहां आम लोगों के बीच बैठकर चाय पी। इसी दौरान उनकी नजर बच्चों पर पड़ी तो उन्हें अपने पास बुलाकर बैठाया और उनके साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री के इस सहज अंदाज से होटल पर मौजूद लोग उत्साहित नजर आए। बच्चों के साथ सीएम की तस्वीर का यह पल लोगों के मोबाइल कैमरों में भी कैद हो गया। चाय पीने और बच्चों के साथ फोटो खिंचवाने के बाद मुख्यमंत्री फिर पैदल ही बाबा रामदेव की समाधि की ओर रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के बच्चों के साथ बैठने और सेल्फी लेने के दृश्य को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने उनके व्यवहार की प्रशंसा की।

रामदेवरा स्थित बाबा रामदेवजी की समाधि की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूजा-अर्चना की।

- **समाधि के दर्शन के लिए पैनोरमा से पैदल निकले मुख्यमंत्री भजनलाल रास्ते में सड़क किनारे चाय-नाश्ते की होटल पर रुके और आम लोगों के बीच बैठकर चाय पी**

रावतभाटा-कोलीपुरा मार्ग पर लैपर्ड की आवाजाही से दहशत

रावतभाटा, (निसं)। मुकुंदरा टाइगर रिजर्व से सटे कोलीपुरा-रावतभाटा मार्ग पर पिछले दो दिनों से एक लैपर्ड की लगातार आवाजाही देखने को मिल रही है। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे कोलीपुरा घाट जंगल क्षेत्र में सड़क पर बेफिक्र चहलकदमी करते लैपर्ड का मूवमेंट राहगीरों के मोबाइल कैमरे में कैद हो गया। दिनदहाड़े मुख्य सड़क मार्ग पर लैपर्ड की मौजूदगी से राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के ग्रामीणों व पशुपालकों में भय का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार बरसात के बाद घनी हरियाली से ढके कोलीपुरा जंगल के किनारे लैपर्ड आराम से बैठा हुआ था। हालांकि, जैसे ही सड़क से गुजरने वाले वाहनों की आवाज आई, वह तुरंत छलांग लगाकर घने जंगल की ओर लौट गया। स्थानीय निवासियों अब्दुल हसीब और अविनाश ने बताया कि इस वन क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी पहले भी दर्ज की जाती रही है, लेकिन पिछले दो दिनों से सड़क के ठीक किनारे लैपर्ड के नजर आने से भय का माहौल है। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्रवासियों, पशुपालकों और राहगीरों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, अकेले जंगल में न जाने, वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा उन्हें किसी भी तरह से परेशान न करने की अपील की है।

वारंटी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ओगणा थानाधिकारी रामरूप मीणा के नेतृत्व में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान स्थाई वारंटी नका उर्फ नक्की पुत्र अन्ना कपाया भील को डिटेन कर महिला थाने को सुपुर्द किया।

आरोपी न्यायालय प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड उदयपुर व महिला पुलिस थाना के प्रकरण में वांछित था। इसी तरह कोटड़ा थानाधिकारी प्रभूलाल मीणा के नेतृत्व में टीम ने बाईस वर्ष से फरार स्थाई वारंटी रेहमान भाई पुत्र अकबर भाई को गिरफ्तार किया।

नकदी निकाली

उदयपुर, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित के बैंक खाते से नकदी निकाल ठगी करने का प्रकरण दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सुन्दरलाल जैन पुत्र लोभचंद जैन निवासी मधु नर्सरी गाड गिफ्ट सेक्टर 3 हिरणमगरी ने साइबर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि गत दिनों नेट बैंकिंग बंद करने का संदेश मिला। इस पर पुराने एप के स्थान पर नया एप लोड किया। इस पर 20 सितंबर को मेरे बैंक खाते से 3 लाख 25 हजार रूपये निकाले जाने का मैसेज मिला।

बाइक को ट्रक ने टक्कर मारी, युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती नारवा पुल के पास में रात के समय में बाइक सवार दो युवकों को एक ट्रक चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, उसके सिर में चोट लगना बताया गया है। वहीं साथ वाला उसका रिश्तेदार भी चोटिल हो गया। सूरसागर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि गोयलों की ढाणी कालीबेरी निवासी चेतनसिंह पुत्र गुलाब सिंह और उसका चचेरा भाई भीखसिंह बाइक पर सवार होकर नारवा पुल से निकल रहे थे। तब पीछे से आ रही ट्रक के चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में भीखसिंह नीचे गिर गया और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड, जयपुर

क्रमांकः- 1070 दिनांक : 23.09.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 29/2026-27 प्रकाशन बाबत्

Bids for Building Construction / Maintenance works are invited from interested bidders upto 25-09-2026 (12.00 PM) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in

UBN NO.- 1. PWD2627SLOB12971, 2. PWD2627SSOB12972

(मोना कुमारी गुप्ता)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. निर्माण खण्ड, जयपुर

DIPR/C/_____/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण सागवाडा, जिला डूंगरपुर (राज.)

क्रमांकः- 412 **NOTICE INVITING BID** दिनांकः- 18/9/26

NIT No.-14/2026-27

Bid for Construction of Anicut renovation & PCD Work Block Sabla For MJSA 2.2 are invited from interested bidders Up to 28.09.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in of the state.

NIB CODE-WSC2627A1341
UBN CODE-WSC2627WSOB02407

(मूलाराम सोलंकी)
अधिशाषी अभियन्ता
जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण सागवाडा

DIPR/C/16270/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड सलुम्बर

क्रमांक : अअ./टी.एस/2026-2027/डी- 1234 दिनांक : 16/09/2026

निविदा संख्या - 20/2026-2027

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से उपयुक्त श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान मे पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि मे पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	कुल 05-कार्य
अनुमानित लागत (लाखों में)	23.27 Lacs
निविदा विक्रय दिनांक	दिनांक 18-09-2026 से दिनांक 28-09-2026
डी.डी./बैंकर चैक जमा कराने की तिथि	दिनांक 29-09-2026 सायं 4.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 29-09-2026 सायं 5.00 बजे से

निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट https://dipr.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।

NIB: PWD2627A2769
UBN: PWD2627WSOB12327, 28, 29, 30, 31

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सलुम्बर

DIPR/C/16196/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग जिला खण्ड फलोदी

E-mail: eephedphalodi@yahoo.com, Phone No. 02925-223448

क्रमांकः-अअ/जिख/निविदा/2026-27/1639-54 दिनांकः 08/09/2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या 28-33/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु जन स्वा. अभि. विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत अनुबन्धकों से निर्धारित प्रपत्र में ई0 प्रोक्यूरमेंट प्रकिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

निविदा मे कूल कार्य की संख्या	6
निविदा की कूल लागत	Rs. 450.00 Lacs
निविदा की धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत या नियमानुसार
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	09.09.2026 सुबह 10.00 बजे से 24.09.2026 को शाम 04.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की दिनांक	09.09.2026 सुबह 10.00 बजे से 24.09.2026 को शाम 04.00 बजे तक
फर्म द्वारा निविदा प्रपत्र के अनुसार आवश्यक दस्तावेज (Hard Copy) जमा करवाने की तिथि	25.09.2026 को सुबह 11.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म खोलने की दिनांक	25.09.2026 सुबह 11.30 बजे

निविदा से संबधित समस्त विवरण वेबसाई http://sppp.rajasthan.gov.in/, https://eproc.rajasthan.gov.in मे देखा जा सकता है ।
इच्छुक संवेदको को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर रजिस्टर्ड करवाना आवष्यक है।

NIT NO. 28 / 2026-27 NIB code PHE2627A2500 and UBN: PHE2627WSRC05051
NIT NO. 29 / 2026-27 NIB code PHE2627A2501 and UBN: PHE2627WSRC05052
NIT NO. 30 / 2026-27 NIB code PHE2627A2502 and UBN: PHE2627WSRC05053
NIT NO. 31 / 2026-27 NIB code PHE2627A2503 and UBN: PHE2627WSRC05054
NIT NO. 32 / 2026-27 NIB code PHE2627A2504 and UBN: PHE2627WSRC05055
NIT NO. 33/2026-27 NIB code PHE2627A2506 and UBN: PHE2627WSRC05056

(नफीस अहमद खान)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग
जिला खण्ड फलोदी

DIPR/C/15887/2026

वन विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा देकर तीन लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

खुद को वन विभाग का कर्मचारी बताकर झांसे में लिया, फर्जी ज्वाइनिंग लेटर देकर गुमराह करता रहा

अजमेर, (निसं)। वन विभाग में वनरक्षक के पद पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर 3 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में रामगंज थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को वन विभाग का कर्मचारी बताकर परिवादी को विश्वास में लिया और अधिकारियों से संपर्क होने का हवाला देते हुए उसके पुत्र की नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद अलग-अलग किश्तों में तीन लाख रुपए लेने के बाद उसे फर्जी ज्वाइनिंग लेटर थमा दिया।

रामगंज थाना प्रभारी हरिपाल सिंह के अनुसार चेतराम का कुंआ, जोंसगंज निवासी विनोद कुमार ने इस्तगासे के जरिए थाने में मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने उसके पुत्र को वन विभाग में वनरक्षक के पद पर नौकरी दिलाने की बात कही थी। आरोपी ने इसके एवज में परिवादी से अलग-अलग किश्तों में कुल तीन लाख रुपए ले लिए। रुपए लेने के बाद आरोपी ने उसे ज्वाइनिंग लेटर भी सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने परिवादी का विश्वास जीतने के लिए खुद को वन विभाग का कर्मचारी बताया और विभाग के अधिकारियों से संपर्क होने का दावा किया। नौकरी के नाम पर रुपए लेने के बाद आरोपी ने ज्वाइनिंग लेटर दिया, लेकिन जांच में यह दस्तावेज कूटरचित पाया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से ठगी की रकम और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ कर रही है।

बंद मकान से जेवर व नगदी चोरी

रतनगढ़ , (निसं)। शहर के वार्ड नंबर 5 स्थित हनुमान नगर में राजकीय नेहरू स्टेडियम के पीछे एक बंद मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर मकान में दाखिल हुए और कमरों के ताले व अलमारी का लॉकर तोड़कर सामान खंगालते हुए चांदी के सिक्के, पायजेब एवं नगदी चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार मकान पड़िहारा निवासी रमेश भोड़ीवाल का है, जो असम में व्यवसाय करते हैं और परिवार सहित वहीं रहते हैं। मकान लंबे समय से बंद था। परिजनों के अनुसार रविवार शाम मकान की सार-संभाल के लिए आए थे, तब सब कुछ सामान्य था। इसके बाद चोरी की वारदात सामने आई।

धौलपुर में थर्मल टाउनशिप में एक ही रात में कई मकानों के ताले टूटे

धौलपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र स्थित डीसीसीपीपी थर्मल पावर टाउनशिप में चोरी की लगातार सामने आ रही घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों के मुताबिक 12 सितंबर की रात चोरों ने एक साथ 5 से 6 अधिकारियों और इंजीनियरों के आवासों को निशाना बनाया। कई मकानों के ताले तोड़कर नकदी, आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी किए जाने की बात सामने आई है।

कार्मिक अधिकारी रिशभ श्रीवास्तव के आवास में चोरी :-12 सितंबर की रात थर्मल टाउनशिप में कार्मिक अधिकारी रिशभ श्रीवास्तव के आवास को भी चोरों ने निशाना बनाया। कर्मचारियों के अनुसार, चोरों ने घर के ताले तोड़कर आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई और एफआईआर भी दर्ज कराई गई। कर्मचारियों के अनुसार, रिशभ श्रीवास्तव के आवास के अलावा उसी रात टाउनशिप में अन्य अधिकारियों और इंजीनियरों के घरों के भी ताले टूटे। एक ही रात में कई मकानों को निशाना बनाए जाने से कॉलोनी में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

कर्मचारियों का दावा है कि दिसंबर 2025 में भी टाउनशिप में चोरी की घटना सामने आई थी। इसके बाद भी अलग-अलग समय पर कई मकानों के ताले टूटने और चोरी के प्रयास की घटनाएं हुई हैं। कर्मचारियों के मुताबिक करीब 100 से 110 आवासों वाली टाउनशिप में 40 से 50 मकानों में चोरी या चोरी के प्रयास की घटनाएं हो चुकी हैं। हालांकि इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। टाउनशिप चारों तरफ से चारदीवारी से घिरी हुई है। यहां सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था भी बताई जाती है। इसके बावजूद एक ही रात में कई मकानों के ताले टूटने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। कर्मचारियों की मांग है कि घटना की सीसीटीवी फुटेज, प्रवेश-निकास व्यवस्था और उस रात ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मचारियों की जानकारी की गंभीरता से जांच की जाए।

- **चारदीवारी, सीसीटीवी और सुरक्षा गार्डों के बावजूद चोरी हुई**

10 हजार की रिश्वत लेते नागौर कोतवाली का एएसआई गिरफ्तार

एसीबी ने यह कार्रवाई कोतवाली थाने के बाहर एक चाय की दुकान पर की

नागौर, (निसं)। नागौर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बुधवार को कोतवाली थाने के एएसआई चैनाराम को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक नागौर टीम ने यह कार्रवाई कोतवाली थाने के बाहर स्थित एक चाय की दुकान पर की। रिश्वत की रकम बरामद करने के बाद आरोपी को पूछताछ के लिए भ्रष्टाचार निरोधक कार्यालय ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता के भाई के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज है। वह मामले में पीसी रिमांड पर चल रहा था। आरोप है कि रिमांड के दौरान नरमी बरतने और आगे रिमांड नहीं मांगने के एवज में एएसआई ने 40 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। सत्यापन के दौरान आरोपी ने 5 हजार रुपए पहले लिए और बाद में 15 हजार रुपए की मांग करते हुए 10 हजार रुपए लेना तय किया। रिश्वत की राशि चाय की थड़ी के काउंटर पर रखवाकर लेने पर सहमति बनी।

एसीबी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्पना सोलंकी ने बताया कि योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने कोतवाली थाने के बाहर चाय की दुकान पर ए एस आई चैनाराम को 10 हजार रुपए दिए। रकम लेने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए एएसआई को पकड़ लिया और रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। सत्यापन के दौरान आरोपी ने 5 हजार रुपए पहले लिए और बाद में 15 हजार रुपए की मांग करते हुए 10 हजार रुपए लेना तय किया। रिश्वत की राशि चाय की थड़ी के काउंटर पर रखवाकर लेने पर सहमति बनी। इसके बाद एसीबी नागौर चौकी की टीम ने ट्रैप कार्रवाई कर चेनाराम को 10 हजार रुपए लेते गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी एएसआई।

- **आरोप है कि रिमांड के दौरान नरमी बरतने और आगे रिमांड नहीं मांगने के एवज में एएसआई ने 40 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी**

होटल से गिरा मजदूर, मौत

रतनगढ़ , (निसं)। शहर में एक होटल में निर्माण कार्य के दौरान नीचे गिरने से गंभीर घायल हुए 34 वर्षीय मजदूर की मंगलवार रात उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां से हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया था। हैड कांस्टेबल रोहिताश ने बताया कि वार्ड नंबर 10 निवासी कयूम पुत्र अयूब काजी होटल में चल रहे निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान अज्ञात कारणों से वह नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। बीकानेर में उपचार के दौरान मंगलवार रात उसकी मौत हो गई।

लापला युवक का शव बनास नदी में मिला

टोंक, (निसं)। मंगलवार रात्रि से लापता एक युवक की तलाश बुधवार को नदी में सर्च अभियान चलाकर करने पर शव नदी से बरामद किया गया, जिसकी आंशका नदी पर मिली युवक की खड़ी मोटरसाइकिल एवं उसके मोबाइल फोन और चप्पल से मिली। इसके बाद परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस टीम को सूचना देकर सर्च अभियान चलाकर युवक अनिल महावर निवासी रिलायंस पेट्रोल पंप क्षेत्र को नदी में सर्च अभियान के दौरान बुधवार को युवक का शव नदी से बरामद कर शव को पुलिस के सुपुर्द किया। बताया जा रहा है कि अनिल महावर मानसिक रूप से कुछ कमजोर था और अक्सर घर से निकल जाता था। हालांकि, इस बार उसके नदी किनारे से लापता होने और वहां बाइक, मोबाइल व चप्पल मिलने के बाद परिजनों की आशंका पर नदी में सर्च अभियान चलाया गया। शव मिलने के बाद बरौनी थाना पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

कोटा में 156 किलो अवैध डोडा-चूरा बरामद

कोटा, (निसं)। कोटा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् नारकोटिक्स टीम ने कार्यवाही करते हुए एक कार में तलाशी के दौरान 156.650 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति गुजरात पंजीकरण संख्या वाली कार से मंगलवाड़ इलाके से बालोतरा की ओर अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। सूचना पर सीबीएन कोटा के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध रास्ते पर कड़ी निगरानी रखी गई और कार की पहचान होने के बाद, सीबीएन अधिकारियों ने कार को रुकने का इशारा किया, लेकिन कार में सवार व्यक्ति नहीं रुका और कार की गति बढ़ा दी। 15 किलोमीटर तक कार का पीछा करने के बाद, सीबीएन अधिकारियों ने भिंडर-रामगढ़ रोड पर कार को रोक लिया, लेकिन कार में सवार व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। टीम ने कार से 156.650 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया।

बड़े भाई की जगह परीक्षा देने वाला छोटा भाई गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की शारीरिक शिक्षा अध्यापक (पीटीआई) भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने आरोपी बीरबल राम विश्नोई (26) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने सगे बड़े भाई की जगह परीक्षा दी थी। परीक्षा पास करने के बाद भाई सुरेश विश्नोई का पीटीआई पद पर चयन हुआ और उसने सरकारी नौकरी हासिल कर ली।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर की ओर से 25 दिसंबर 2022 को पीटीआई भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें राजीव नगर, पुर, थाना सांचौर, जिला जालौर निवासी सुरेश विश्नोई अभ्यर्थी था।

जांच में सामने आया कि सुरेश ने परीक्षा में खुद बैठने के बजाय अपने छोटे भाई बीरबल राम को डमी अभ्यर्थी बनाकर परीक्षा दिलवाई। शिकायत के बाद एसओजी ने जांच की और पुलिस थाना एसओजी जयपुर में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने वाले मूल अभ्यर्थी सुरेश विश्नोई को एसओजी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। अब डमी अभ्यर्थी बीरबल राम विश्नोई को भी गिरफ्तार कर अदालत से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक आत्मा, जालोर
पिनकोड-343001
E-mail : atma_jalore@rediffmail.com

क्रमांक : आत्मा / निविदा/2026-27/363-68 दिनांक : 23/09/26

खुली निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा वर्ष 2026-27 में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों यथा कृषक प्रशिक्षण, कृषक भ्रमण, कृषक गोष्ठी, किसान मेला आदि कृषक आधारित गतिविधियों के सुगम संचालन के लिये निम्नांकित सामग्री/सेवा हेतु अनुभवी फर्मो, अधिकृत सप्लायरों, पंजीकृत फर्मो से दर संविदा हेतु सीलबन्द निविदा आमंत्रित है। निविदायें दिनांक 28.09.2026 दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त कर मध्यान्ह पश्चात् 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। बिना अमानत राशि या सशर्त निविदा स्वीकार नहीं होगी।

क्र. सं.	आवश्यक सामग्री/ सेवा का नाम	अनुमानित व्यय राशि रू.	निविदा शुल्क	अमानत राशि रू. में (केवल डी.डी. स्वीकार्य)
1	चाय, नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था कार्य	6,65,000	500	13300
2	प्रिन्टिग कार्य	1,00,000	200	2000
3	स्टेशनरी कार्य	1,02,000	200	2040
4	बस व्यवस्था कार्य	3,50,000	200	7000

1. निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने कार्यादेश जारी करने/नहीं करने निविदा कार्य में कुल अनुमानित लागत राशि में कमी/अधिकता करने का पूर्ण अधिकार विभाग एवं अधोहस्ताक्षरकर्ता का होगा।
2. निविदा की अन्य शर्तें किसी भी कार्यालय दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
3. निविदा की दिनांक को राजकीय अवकाश होने पर निविदायें आगामी कार्यदिवस में बेची, प्राप्त की व खोली जावेंगी।
4. समस्त आइटमों के अलग-अलग निविदा फार्म होंगें ।
5. निविदा फार्म सशर्त इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
6. निविदा फार्म क्रय हेतु डीडी ''उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक आत्मा जालोर '' के नाम से कार्यालय को देना होगा।

(मुकेश कुमार शर्मा)
उप निदेशक कृषि एवं पदेन
परियोजना निदेशक आत्मा, जालोर

चुनाव आयोग की साख पर गंभीर सवाल : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि जिस चुनाव आयोग की पूरे देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी निष्पक्ष चुनाव कराने वाली संस्था के रूप में साख और प्रतिष्ठा रही है, आज भाजपा सरकार के कार्यकाल में उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा पर सवाल उठना लोकतंत्र के लिए बेहद गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। जूली ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लंबे समय से चुनाव आयोग की कार्यशैली, मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर देश के सामने सवाल उठा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में कम से कम 14 बार विभिन्न फैसलों और प्रक्रियाओं को लेकर आपत्ति दर्ज की। इन आपत्तियों में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने और चुनावी डेटा के केंद्रीकरण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कि जब चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था के भीतर ही इस प्रकार की गंभीर आपत्तियां सामने आ रही हैं, तो आने वाले समय में चुनाव किस प्रकार होंगे और उन पर जनता का भरोसा कैसे कायम रहेगा।

पुराने नोट-सिक्कों के नाम पर ठगी करने वाले आठ साइबर ठग गिरफ्तार

ग्राहकों को बंधक बनाकर परिजनों से फिरौती मांगते थे

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ कर दो महिलाओं सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरोह फेसबुक पर 'ओल्ड इंडियन करेंसी' की फोटो और रील डालकर पुराने नोट-सिक्के बेचने का झांसा देता था। पुलिस ने आरोपियों से स्कॉर्पियो, 14 एंड्रॉइड मोबाइल, एयरटेल डोंगल और ठगी के हिसाब-किताब की डायरी बरामद की है।

पुलिस ने गिरोह के चंगुल से दो बंधकों को भी मुक्त कराया, जिन्हें गाड़ी में हाथ-पैर बांधकर रखा गया था और उनके परिजनों से लाखों रुपए की फिरौती मांगी जा रही थी। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी उत्तर करण शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयसिंहपुरा खोर थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में गठित

जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ कर दो महिलाओं सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

की गई। टीम ने नाइ की थड़ी क्षेत्र में महंगे किराए पर कमरा लेकर रह रहे संदिग्धों की निगरानी की। जहां जांच में सामने आया कि मेवात निवासी मुबारिक तमिलनाडु, केरल और मेवात के लोगों को साथ लेकर गिरोह चला रहा था। आरोपी फेसबुक पर पुराने 1, 2 और 5 रुपए के नोटों की रील डालकर उनकी कीमत 2 से 20 लाख रुपए तक बताते और वॉट्सऐप नंबर देते थे। ग्राहकों से उनकी स्थानीय भाषा तमिल, मलयालम और कन्नड़ में बातचीत कराने के लिए तमिलनाडु और केरल की महिलाओं व युवकों को गिरोह में शामिल किया गया था।

पहले रजिस्ट्रेशन के नाम पर 1500 रुपए लिए जाते। इसके बाद नकली नोटों के बंडल का वीडियो भेजकर 18 प्रतिशत जीएसटी के नाम पर लाखों रुपए वसूले जाते। जिन ग्राहकों के पास ज्यादा नोट होते, उन्हें राजस्थान बुलाकर जीएसटी के नाम पर और रकम मांगी जाती। रकम नहीं देने पर उन्हें बंधक बनाकर परिजनों

- **पुलिस ने आरोपियों से स्कॉर्पियो, 14 एंड्रॉइड मोबाइल, एयरटेल डोंगल और ठगी के हिसाब-किताब की डायरी बरामद की**

से फिरौती मांगने का आरोप है।

पुलिस को सूचना मिली कि आरोपियों ने स्कॉर्पियो में दो लोगों को हाथ-पैर बांधकर बंधक बना रखा है। टीम ने दबिश देकर दोनों को सुरक्षित मुक्त कराया और मौके से मुबारिक (38), जफरुद्दीन उर्फ जफरु (30) और साजिद खान (30) खैरथल क्षेत्र के निवासी हैं। इनके अलावा शिवारमन जी (48) निवासी तंजावुर, श्रीनाथ (49) निवासी कन्नूर, मो. मिशाल (21) निवासी रानीपेट, जयलक्ष्मी (45) निवासी पेराम्बलूर और फहमिदा बानो (30) निवासी रानीपेट को गिरफ्तार किया है।

सार-समाचार

डॉ. शेफ सौरभ शर्मा को 'क्यूलिनरी एंबेसडर ऑफ इंडिया' का सम्मान मिला

जयपुर। भारतीय खान-पान और पारंपरिक व्यंजनों के शोध एवं संरक्षण के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. शेफ सौरभ शर्मा को चंडीगढ़ में आयोजित शेफ एक्स और सीएएफ़आर कॉनक्लेव 2026 में 'कलीनरी एंबेसडर ऑफ इंडिया' के सम्मान से नवाजा गया। शेफ़्स एसोसिएशन ऑफ़ फाइव रिवर्स (सीएएफ़आर) और पीएचडी चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित किया गया, जिसे पंजाब सरकार का भी सहयोग प्राप्त रहा। डॉ. शेफ सौरभ शर्मा को यह सम्मान भारतीय व्यंजनों, विशेष रूप से क्षेत्रीय खान-पान और पाक विरासत पर उनके शोध, योगदान तथा हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र की नई पीढ़ी को मार्गदर्शन देने के लिए प्रदान किया गया। लंबे समय से देश के पारंपरिक और क्षेत्रीय स्वादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने के साथ-साथ भारतीय खान-पान की कहानियों और विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। समारोह में देशभर से प्रमुख शेफ, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के विशेषज्ञ, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि और नीति-निर्माता शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय खान-पान और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में नए अवसरों, बदलते रुझानों और आपसी सहयोग पर चर्चा के साथ देश की समृद्ध पाक विरासत को आगे बढ़ाना था। इस सम्मान पर डॉ. शेफ सौरभ ने अपना आभार व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

जयपुर । उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा बुधवार को अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता, हम सब के प्रेरणापुंज श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के धानक्या स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर पहुंचे और उनके प्रेरणादायी जीवन, विचारों और राष्ट्रसेवा के आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में धानक्या स्मारक परिसर में आयोजित तीन दिवसीय दीनदयाल मेले का उद्घाटन कर परिसर में लगी विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में उपाध्याय जी के प्रेरणादायी जीवन-दर्शन से जुड़ी पुस्तक भी यूपीआई से भुगतान कर खरीदी। डॉ. बैरवा ने बताया कि श्रद्धेय उपाध्याय जी का संपूर्ण व्यक्तित्व और कृतित्व राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी संदेश देता है। उनके विचार हम सभी को राष्ट्रहित के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे। इस दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष मोहन छीपा, समारोह समिति के सचिव प्रताप भानु सिंह शेखावत एवं पूर्व जिला प्रमुख रमा चोपड़ा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

जयपुर के 18 नगर निकायों के उपसभापति निर्वाचित

जयपुर । जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) संदेश नायक ने बताया कि नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले की 2 नगर परिषद एवं 16 नगर पालिकाओं में उपसभापति पद के निर्वाचन के परिणाम घोषित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जयपुर जिले के नगर निकायों में निर्वाचित उपसभापतियों में चौमूं नगर परिषद के उपसभापति बाबूलाल सैनी (भारतीय जनता पार्टी), शाहपुरा नगर परिषद की उपसभापति पूजा गुप्ता (निर्दलीय-भारतीय जनता पार्टी समर्थित), बगरू नगर पालिका के उपसभापति शंकर चौधरी (भारतीय जनता पार्टी), बस्सी नगर पालिका के उपसभापति भागीरथ पचौली (निर्दलीय-मूल भारतीय जनता पार्टी), चाकसू नगर पालिका की उपसभापति ममता देवी (निर्दलीय), दूदू नगर पालिका के उपसभापति आरिफ शेख (इंडियन नेशनल कांग्रेस), जमवारामगढ़ नगर पालिका की उपसभापति रुकमणी देवी शर्मा (भारतीय जनता पार्टी), जोबनेर नगर पालिका के उपसभापति धर्मवीर सिंह मनोहर (भारतीय जनता पार्टी), कालाडेरा नगर पालिका के उपसभापति गंगा राम यादव (भारतीय जनता पार्टी), कानोता नगर पालिका के उपसभापति बाबू लाल (इंडियन नेशनल कांग्रेस), खेजरौली नगर पालिका की उपसभापति सुशीला बुनकर (इंडियन नेशनल कांग्रेस-मूल निर्दलीय), किशनगढ़-रेनवाल नगर पालिका के उपसभापति सीताराम कुमावत (भारतीय जनता पार्टी), मनोहरपुर नगर पालिका के उपसभापति सुरजान सिंह (इंडियन नेशनल कांग्रेस-मूल निर्दलीय), नरायना नगर पालिका के उपसभापति कजोड़ मल (इंडियन नेशनल कांग्रेस), फागी नगर पालिका के उपसभापति लीनू (इंडियन नेशनल कांग्रेस-मूल निर्दलीय), फुलेरा नगर पालिका के उपसभापति गजेन्द्र सिंह शेखावत (भारतीय जनता पार्टी), सांभर नगर पालिका के उपसभापति सुरेन्द्र कुमार (निर्दलीय-भारतीय जनता पार्टी समर्थित) तथा वाटिका नगर पालिका के उपसभापति रामचरण शर्मा (भारतीय जनता पार्टी) निर्वाचित हुए हैं।

जयपुर में पंचायती राज चुनाव की आरक्षण लॉटरी निकली

जयपुर। आगामी पंचायती राज चुनाव को लेकर जयपुर जिले में बुधवार को आरक्षण की तस्वीर साफ होने लगी। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 10:15 बजे जिला परिषद सदस्यों, जिले की सभी पंचायत समितियों के प्रधानों और पंचायत समिति सदस्यों के पदों के आरक्षण एवं श्रेणीवार आवंटन

- **22 प्रधान पदों की श्रेणी तय, 57 जिला परिषद वार्डों का आरक्षण भी साफ**

के लिए लॉटरी प्रक्रिया शुरू हुई। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक के अनुसार जयपुर जिले में 22 पंचायत समितियां और 597 ग्राम पंचायतें हैं। मौजूदा प्रक्रिया में 57 जिला परिषद सदस्य, 22 पंचायत समिति प्रधान और 386 पंचायत समिति सदस्य पदों का आरक्षण तय किया जा रहा है।

जयपुर जिले में जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक की देखरेख में लॉटरी निकाली।

आरक्षण व्यवस्था के तहत विभिन्न वर्गों के साथ महिलाओं के लिए भी निर्धारित हिस्सेदारी रखी गई है। उपलब्ध विवरण के अनुसार 22 प्रधान पदों में चार पद अनुसूचित जाति, तीन अनुसूचित जनजाति, चार अन्य पिछड़ा वर्ग और 11 पद अनारक्षित श्रेणी के लिए निर्धारित हैं। प्रधान पदों में 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने हैं।

जिला परिषद के 57 वार्डों में भी आरक्षण तय:-

जयपुर जिला परिषद में कुल 57 वार्ड हैं। प्रकाशित आरक्षण विवरण के अनुसार इनमें 10 वार्ड अनुसूचित जाति, 8 अनुसूचित जनजाति, 10 अन्य पिछड़ा वर्ग और शेष 29 सामान्य श्रेणी में रखे गए हैं। एसटी महिला के लिए वार्ड संख्या 41, 44, 46 और 47 तथा सामान्य महिला के लिए 2, 5, 6, 9, 11, 15, 17, 19, 20, 25, 26, 31, 39 और 53 आरक्षित किए गए हैं।

जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम पर कार्यशाला

जयपुर। प्रवीणलता संस्थान ने इब्तिदा के सहयोग से आज जयपुर जिले के बस्सी ब्लॉक के खोखावाला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय और मोहनपुरा स्थित महात्मा गांधी माध्यमिक विद्यालय में जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम पर कार्यशाला आयोजित की। परियोजना समन्वयक संजय ओझा ने बताया कि एक दिवसीय कार्यशाला में किशोरियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ साथ हिंसा के ख़िलाफ आवाज़ उठाने और जरूरत पड़ने पर उचित मंच पर अपनी बात पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। इस खास पहल के तहत 20 राजकीय विद्यालयों और लगभग 110 गांवों की 500 से अधिक किशोरियों को उनके स्वास्थ्य,अधिकारों और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के प्रति जागरूक कर नेतृत्व के लिए तैयार किया जायेगा। प्रवीणलता संस्थान की संस्थापिका भारती सिंह चौहान ने बताया कि कार्यशाला जेंडर आधारित हिंसा के विभिन्न रूपों,उसके कारणों,प्रभावों तथा हिंसा की स्थिति में उपलब्ध सहायता और कानूनी संसाधनों के बारे में जानकारी देना है।

असिस्टेंट डाइरेक्टर प्रभुदयाल बैनीवाल को पीएचडी डिग्री मिली

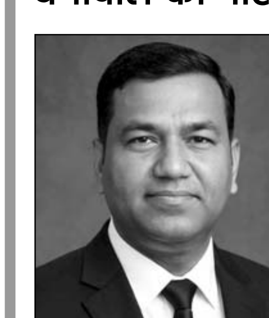

जयपुर। फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर कार्यरत प्रभुदयाल बैनीवाल को पीएचडी डिग्री मिलने पर उनके मित्रों, परिजनों व साथियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के प्रो. अरुण माथुर के निर्देशन में द स्टडी ऑफ द स्कोप ऑफ स्पोर्ट्स जर्नलिज्म इन फिजिकल एजुकेशन ट्रेनिंग कॉलेजेज इन राजस्थान विषय पर शोध किया है। इस से पूर्व दौसा निवासी रामेश्वर दयाल के पुत्र प्रभुदयाल राज्य की हैण्डबाल टीम के प्रसिद्ध खिलाड़ी के रूप में भी ख्याति अर्जित कर चुके हैं। उन्होंने दौसा जिले के युवाओं में इस खेल के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिसके चलते क्षेत्र के सैंकडों युवा फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स कॅरियर से जुड़े हैं।

अस्पतालों के अंदर और आसपास खाद्य प्रतिष्ठानों की होगी सघन जांच

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में संचालित 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिलावट और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अस्पतालों में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो, इसके लिए 24 से 30 तक विशेष निरीक्षण एवं नमूनीकरण अभियान चलाया जाएगा। गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य के साथ किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। अस्पतालों के अंदर और आसपास संचालित कैंटीन, भोजनालय एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई सुनिश्चित करना जरूरी है।

एसआई से मारपीट व नकली पिस्टल दिखाकर धमकाने वाले आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने रोड रेज की घटना में झालावाड़ में पदस्थापित पुलिस उप निरीक्षक (एसआई) से मारपीट करने और लाइटर नुमा डमी पिस्टल दिखाकर धमकाने के मामले में चार आरोपियों

- **वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार और लाइटर नुमा नकली पिस्टल बरामद**

को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार और डमी पिस्टल बरामद की है। आरोपियों ने तेज हॉर्न बजाने और डीपर मारने का विरोध करने पर एसआई से विवाद के बाद मारपीट की थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

एसआई से मारपीट करने और लाइटर नुमा डमी पिस्टल दिखाकर धमकाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि घटना 4 सितंबर की सुबह 4 बजे पोलो विक्ट्री स्टेशन रोड पर हुई थी। जहां झालावाड़ में पदस्थापित उप निरीक्षक वहां से गुजर रहे थे। इसी दौरान कार में सवार युवकों के तेज हॉर्न बजाने और डीपर मारने पर एसआई ने आपत्ति जताई। इस बात को लेकर कार सवार युवकों से उनका विवाद हो गया। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और डमी पिस्टल दिखाकर डराया-धमकाया। मामले में सिंधी कैंप थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था।

शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 17 अगस्त 2026 से सभी जल टैंकों की सफाई के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया, जिसके अंतर्गत अब तक 20,590 वाटर टैंकों की सफाई की जा चुकी है।

यात्रियों को स्वच्छ व शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसके लिए जल की गुणवत्ता की नियमित रूप से जांच भी की जा रही है। अभियान के दौरान अब तक 6,013 अवशिष्ट क्लोरीनीकरण परीक्षण किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 768 जैविक परीक्षण तथा 367 रासायनिक परीक्षण भी किए गए हैं।

अभियान के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी ओवरहेड एवं भूमिगत जल टैंकों को उचित रूप से ढका रखा जाए, ताकि बाहरी गंदगी, धूल एवं अन्य दूषित

- **विशेष स्वच्छता अभियान में अवशिष्ट क्लोरीन, जैविक तथा रासायनिक परीक्षणों से मानकों की जांच की जा रही**

पदार्थों के संपर्क से पेयजल सुरक्षित रहे।

इसके साथ ही खुले एवं अन्य जल स्त्रोतों को भी आवश्यकतानुसार मजबूत लोहे की जाली/नेटिंग से ढकने की व्यवस्था की जा रही है, जिससे जल स्त्रोतों में किसी भी प्रकार के प्रदूषण की संभावना को रोका जा सके तथा जल की स्वच्छता एवं गुणवत्ता बनी रहे। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा इस अभियान के तहत जल स्त्रोतों की स्वच्छता, जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी तथा पेयजल के सुरक्षित भंडारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

"स्टारी नाइट शो" 26 को

जयपुर। राजधानी जयपुर में आगामी 26 सितंबर को टोंक रोड स्थित सोडाणी फार्म्स में खनक चित्रा एंटरटेनमेंट की ओर से मनोरंजन, संगीत और ग्लैमर से भरपूर स्टारी नाइट शो का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम एक चैरिटी शो के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें फिल्म, फैशन और संगीत जगत से जुड़े कई कलाकार एवं हस्तियां अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। आयोजक अर्चना दास ने बताया आयोजित होने वाले इस स्टारी नाइट शो में दर्शकों को मनोरंजन से भरपूर प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। कार्यक्रम में बिग बॉस सीजन 16 से सुर्खियों में आईं नागौर की गोरी नागौरी, डाकू चंबल फेम सिंगर रॉकी अगरिया, बॉलीवुड सिंगर रहमान अली की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन एंकर दीपाली छेत्री एवं ऋषु द्वारा किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में पहले ममता कुलकर्णी बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट आने वाली थी, लेकिन उन्होंने अंतिम समय पर मना कर दिया और अपने वादों से मुकर गईं, जो कि उनके गैर रवैये को दर्शाता है। हमारी तरफ से उनको लेकर सारी तैयारियां और घोषणाएं की जा चुकी थीं, लेकिन उनका अंतिम समय पर मुकर जाना और जयपुर शहर में ही उसी दिन किसी दूसरे इवेंट में जाना, समझ से परे है। अब ममता कुलकर्णी की जगह एक्ट्रेस मौसमी उदेशी को फाइनल किया गया है।

झाड़ियों में महिला का शव मिला

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में रिंग रोड के पास बुधवार तड़के करीब तीन बजे सड़क किनारे झाड़ियों में महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की पहचान मजदूरी करने वाली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में उसके सिर पर पत्थर से वार कर हत्या किए जाने की आशंका सामने आई है। परिजनों ने हत्या से पहले दुष्कर्म की भी आशंका जताई है। पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही मौत के कारण और अन्य आरोपों की स्थिति स्पष्ट होगी। थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि तड़के रिंग रोड पर महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

होटल मैनेजर पर हमला करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जामडोली थाना पुलिस ने होटल मैनेजर और उसके दोस्त पर लाठी-डंडों से हमला कर कार में तोड़फोड़ करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह वारदात 7-8 अगस्त की मध्यरात्रि करीब 11 से 11.30 बजे जामडोली सर्किल चौक के पास हुई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की है। डीसीपी पूर्व रंजीता शर्मा के अनुसार नई दिल्ली निवासी और वर्तमान में ताज देवी रतन होटल जामडोली के मैनेजर आदर्श चंदेल अपने दोस्त देवांश के साथ खाना खाकर कार से लौट रहे थे।

वैशाली नगर गांधी पथ वेस्ट स्थित लालरपुरा में एक सोसाइटी में दूषित पानी से 100 से ज्यादा परिवार हुए बीमार।

मर्सिडीज वर्कशॉप में लगी आग में 8 कारें जली

जयपुर। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र के सीतापुरा स्थित बालाजी मार्केट में मर्सिडीज कंपनी के वर्कशॉप में मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से वर्कशॉप में खड़ी करीब आठ लग्जरी कारें, एसेसरीज और महंगे पार्ट्स जलकर खाक हो गए। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार करीब पांच किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

इधर आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग तेजी से फैल रही थी। ऐसे में आसपास के क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कराई गई।

अग्निशमन अधिकारी उषा शर्मा के अनुसार करीब 10 दमकलों ने कई चक्कर लगाए और दो दर्जन से

- **50 से ज्यादा लग्जरी कारें थीं वर्कशॉप में**
- **10 दमकलों ने दो घंटे में पाया काबू, करोड़ों के नुकसान का अनुमान**
- **आग के धुएं का गुबार करीब पांच किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था**

अधिक फेरे लगाकर करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान दमकलकर्मियों और पुलिस ने वर्कशॉप में खड़ी कई कारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया।

थानाधिकारी कमलेश शर्मा के अनुसार जिस समय आग लगी थी। उस वर्कशॉप में नई और पुरानी 50 से ज्यादा महंगी कारें खड़ी थीं। आग तेजी से फैलने के कारण वर्कशॉप में मौजूद कारों, एसेसरीज और महंगे पार्ट्स को नुकसान पहुंचा। हालांकि समय रहते बचाव कार्य शुरू होने से कई कारों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। वर्कशॉप के पास ही लग्जरी कारों का शोरूम भी स्थित है। आग वहां तक पहुंचती तो नुकसान और अधिक हो सकता था।

सांगानेर सदर थानाधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका सामने आई है। बुधवार को एफएसएल टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाएगी। आग से हुए वास्तविक नुकसान का आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रारंभिक तौर पर नुकसान करोड़ों रुपए का होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने 26.40 हेक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति दी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बारां जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत 11 सड़कों के निर्माण के लिए 26.40 हेक्टेयर राजकीय भूमि आवंटन की स्वीकृति दी है। यह भूमि छबड़ा, शाहबाद एवं बारां तहसीलों में वन भूमि पर बनने वाली सड़कों के निर्माण के लिए आवंटित की जाएगी।मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण होने से जिले के ग्रामीण एवं वन क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा। साथ ही, स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध होगा। इससे क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी।उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत एवं बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर आधारभूत सुविधाओं से जोड़ने को प्राथमिकता दी जा रही है।

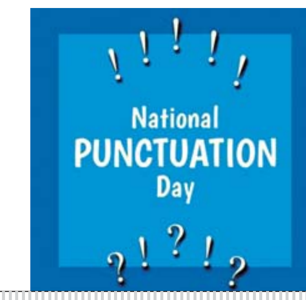

Celebrating the Power of Punctuation

National Punctuation Day, observed every year on September 24, celebrates the importance of correct punctuation in writing and communication. Often overlooked, punctuation marks bring clarity, rhythm, and meaning to sentences, preventing misunderstandings and enhancing expression. From the humble comma to the emphatic exclamation mark, each symbol plays a vital role in shaping our thoughts into coherent language. The day encourages people to pay attention to grammar, learn about lesser-used marks like the semicolon, and even have fun with punctuation-themed activities. Beyond rules, it's a reminder that strong communication starts with attention to detail, precision, and creativity in language.

#SILK

Know The Silk You Will Buy

Silk and its production is ancient, and the richness of this material has to be learnt to fully appreciate its versatility

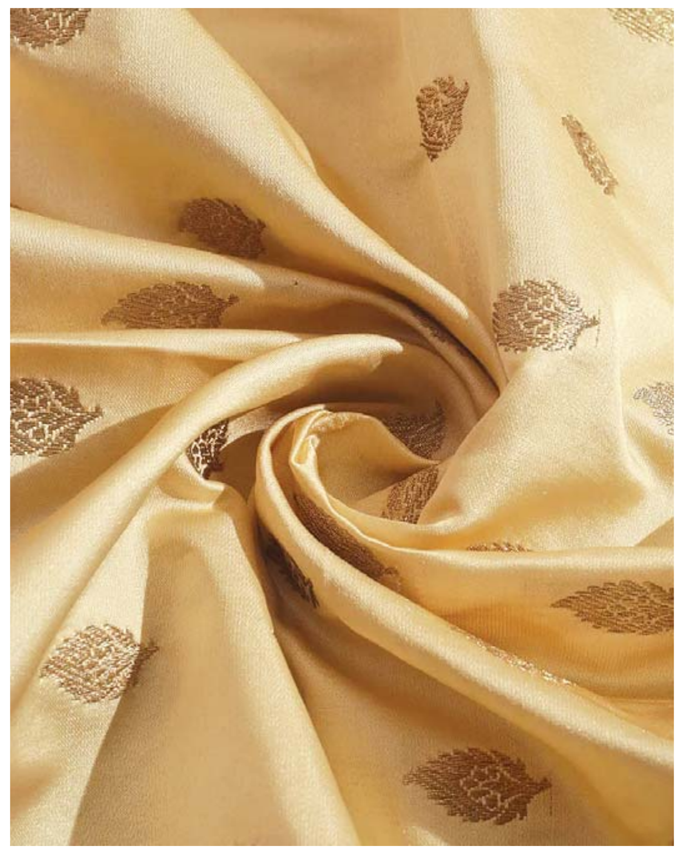

Silk is a natural protein fiber obtained from the cocoons of silkworms. Based on the nature of the silkworms and their rearing conditions, silk is broadly classified into domesticated silk and wild silk. Each category has distinct characteristics, sources, and uses.

1. Domesticated Silk - Mulberry Silk

Mulberry silk is the most common and widely used type of silk in the world. It is produced by fully domesticated silkworms known as Bombyx mori. These silkworms feed exclusively on mulberry leaves, which is why the silk is called mulberry silk.

Mulberry silk fibers are fine, smooth, strong, and uniform in texture. The fabric has a natural sheen and is soft to touch, making it ideal for high-quality textiles. Because the silkworms are reared under controlled conditions, the silk produced is consistent and easy to dye.

Mulberry silk is extensively used in making luxury garments such as sarees, dresses, scarves, ties, and bed linens. It also has applications in medical sutures and cosmetics due to its hypoallergenic nature.

2. Wild Silk

Wild silk is produced by silkworms that are not fully domesticated and live in natural or semi-wild conditions. These silkworms feed on a variety of forest leaves instead of mulberry leaves. Wild silk is generally coarser, stronger, and has a natural, earthy appearance. The main types of wild silk are Tussar, Eri, and Muga.

a) Tussar Silk

Tussar silk, also known as Kosa silk, is obtained from silkworms of the genus Antheraea. These silkworms feed on trees like Arjun, Sal, and Oak and are mainly found in India, especially in Jharkhand, Chhattisgarh, Odisha, and West Bengal.

Tussar silk has a rich texture and a natural golden or coppery shade. It is less smooth than mulberry silk but is valued for its durability and natural elegance. Tussar silk is commonly used for sarees, dress materials, and home furnishings.

b) Eri Silk

Eri silk is produced by silkworms called Samia ricini, which feed mainly on castor leaves. It is also known as "peace silk" or "ahimsa silk" because the silk is spun from open cocoons without killing the silkworm.

Eri silk is soft, warm, and has a wool-like texture. Unlike other silks, it is not shiny but is highly durable and comfortable. Eri silk is commonly used for shawls, stoles, blankets, and winter wear, especially in Assam and other northeastern states of India.

c) Muga Silk

Muga silk is a rare and exclusive variety of silk produced by Antheraea assamensis silkworms. These silkworms feed on Som and Soalu leaves and are found almost exclusively in Assam.

Muga silk is famous for its natural golden yellow colour, high durability, and glossy appearance. The colour becomes richer with every wash. Due to its rarity and cultural importance, Muga silk is mainly used for traditional Assamese garments and ceremonial attire.

Silk varieties differ greatly based on the type of silkworm and their feeding habits. Mulberry silk, the only fully domesticated silk, is known for its smoothness and uniformity. Wild silks like Tussar, Eri, and Muga are valued for their unique textures, natural colours, and cultural significance. Together, these categories showcase the richness and diversity of silk as a natural fiber.

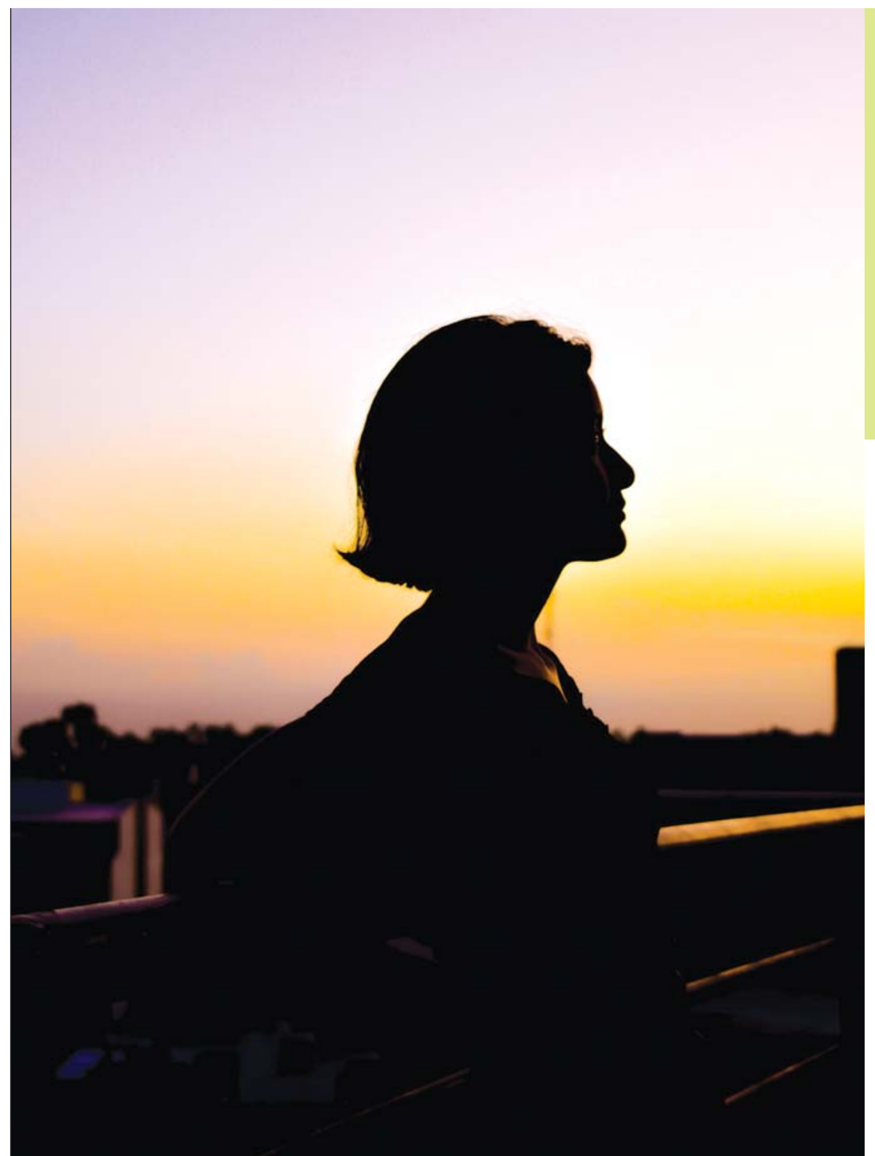

The hospital sent the bill to the company. The company paid it, quickly and fully. I barely noticed. Why would I? This was insurance doing the one job it exists to do. A few weeks earlier, while grumbling and writing that fat premium cheque, I had asked my agent what the point of it all was. He answered like a saint giving a blessing. *Sab vasool ho jayega jab koi bhi problem hogi to.* You will get every rupee back the day there is a problem. I went home believing that at least this part of my life was solid.

When Insurance Becomes Lack Of It

PART:1

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

A 1.32 lakh bill. A cancelled policy. One summer, I spent fighting a giant company all by myself, without telling a single person in my house. This is how a stomach problem turned into an argument about a surgery I had as a baby. Here is the truth about single mothers. We are not allowed to fall sick.

Somewhere along the way, we decide we are the strong one, and then, we spend the rest of our lives proving it. That was me. I did not fall sick. I did not permit it. I ran the house, the cooking, my daughter's tuitions, my work, and myself into the ground, and I never stopped. My friends jokingly called me a ferry service. The only break I took was one trip a year to the hills.

So, when my body finally stopped me, it did not ask permission. It just handed me a stone in my stomach and, a little later, an insurance company with a strange interest in the top of my head.

For a few weeks last summer, a big health insurance company and I had a long, bitter fight about my skull. The problem was, we were supposed to be talking about my gallbladder.

> I did not ask for this fight. In June 2025, I was supposed to be in the mountains. My daughter had just finished her Class XII exams. For weeks, I had been staring at that little gap in the calendar, that rare time when nobody had anything chasing them. Cool weather, a few lazy days, and an appointment I had somehow managed to get, to see a very famous and very calm monk. That was the whole plan. It was not a big dream.

I did not ask for this fight. In June 2025, I was supposed to be in the mountains. My daughter had just finished her Class XII exams. For weeks, I had been staring at that little gap in the calendar, that rare time when nobody had anything chasing them. Cool weather, a few lazy days, and an appointment I had somehow managed to get, to see a very famous and very calm monk. That was the whole plan. It was not a big dream. Maybe, that is why it hurt so much when it fell apart.

Two days after her last exam, my stomach began to hurt. I did what every Indian does. I ran our great national diagnosis system, reached a confident conclusion with zero evidence, and declared: gas hogi.

It was not gas.

By night, I was vomiting, and the pain had stopped being the kind you can argue with. My father took me for a scan. The report was clear. Gallstones. The biggest one was thirteen millimetres, which the doctor announced almost proudly. He said that gallstone operations are as common as drinking water. I smiled and nodded and heard nothing, because inside my head, a thousand thoughts were running in circles. I am the strong one, remember. The strong one does not get wheeled into an operation theatre.

The surgeon looked at my scan and said, "Get admitted." "Now?" my mother asked. "Yes, now," he said, "otherwise, go to some other doctor." I recommend that sentence to anyone who has ever tried to delay something. It works instantly.

The first admission was almost polite. They found that my liver was inflamed, decided to calm it down first, kept me three days, and sent me home. And through all of it, one thing behaved beautifully. My insurance. The hospital sent the bill to the company. The company paid it, quickly and fully. I barely noticed. Why would I? This was insurance doing the one job it exists to do. A few weeks earlier, while grumbling and writing that fat premium cheque, I had asked my agent what the point of it all was. He answered like a saint giving a blessing. *Sab vasool ho jayega jab koi bhi problem hogi to.* You will get every rupee back the day there is a problem. I went home believing that at least this part of my life was solid.

Two weeks later, I was back, and this time, the gallbladder was not willing to wait. I will be honest, because there is no nice way to say it. I was scared. I am a single mother. My daughter's father died when she was very young, and for years, I have been the parent who stays. When you are that parent, anaesthesia brings a second question into the room, and it does not care how brave you are pretending to be. If I don't wake up, what happens to her? I said this to nobody. What was the use.

The surgery was not smooth. My blood pressure shot up on the table, the gallbladder turned out to be badly infected. But they took it out, and I woke up. In that moment, that was the only thing in the whole world I needed to be true.

Then, the bill came. A number I was not even supposed to see, because this was a cashless policy, exactly like it had been two weeks before. And the company rejected the claim.

A hospital does not let you go home on a claim it has just refused. The bill had to be paid before I could leave, and it was not the kind of money a middle-class family keeps lying around in a drawer. My mother paid it. They did not even remove the drip from my hand before the payment went through. It was, basically, handcuffs. With a saline bottle.

My parents said the wise thing. Don't worry, let it go. But I had already read the reason for the rejection. And sitting inside that reason, in the middle of a fight about my gallbladder, was a word I had not known for most of my life and had never once expected to meet here.

Craniosynostosis.

I had an operation for it as a baby, at three months old, in the 1970s. It is a condition of the skull. My skull. Which sits, for those keeping track, quite far away from my gallbladder, and which had last needed anybody's attention roughly fifty years ago. I did not even know the word. I learned it from my own mother, standing in a hospital corridor, when a scan was being discussed and she quietly mentioned an operation I had been far too small to remember. That was the first time in my whole adult life I heard what my babyhood had contained.

And here is the funny part, the kind of funny that is not funny at all. My insurance company also knew that word already. It was written in the papers of my first hospitalisation, the one they had happily read and paid, in full, just two weeks earlier. Same policy. Same month. Same file. The exact same history had grown, in fourteen days, from an approved claim into an accusation.

Then, I found the line that decided how I would spend the rest of my summer. A small note, handwritten on the file.

Non-disclosure. Don't pay.

I remember it because of how ordinary it looked. No drama. No explanation. No sign that the hand writing it knew it was rearranging a stranger's entire year. Three words. For whoever wrote them, it was a two-second decision. For me, it was over a lakh of rupees, and something colder underneath. A person, who had never seen my face, had turned me into one line in a register and shut the file.

And this is where the strong one made her worst decision, and also her best one.

I decided not to tell anyone.

> I did not tell my mother the fight was starting, because she had already paid enough, in money and in worry, and I could not bear that look in her eyes again. I did not tell my daughter, because she had just survived the hardest year of school and I had promised her mountains, not a mother buried under a file. And, if I am honest, there was a third reason, less noble and more true. I have spent my whole life being the one who handles things, never the one who is handed help.

I did not tell my mother the fight was starting, because she had already paid enough, in money and in worry, and I could not bear that look in her eyes again. I did not tell my daughter, because she had just survived the hardest year of school and I had promised her mountains, not a mother buried under a file. And, if I am honest, there was a third reason, less noble and more true. I have spent my whole life being the one who handles things, never the one who is handed help. I did not know how to be anything else. So, I told no one. And quietly, at night, in the spare room, I began teaching myself how to fight a company that was betting I would get tired.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#SHACKLED

#ONESIMUS

An African Slave Introduced Inoculation

The ancient practice, known as variolation, had been used in parts of Africa and Asia for centuries before inoculation reached the West

One of the most extraordinary yet often overlooked figures in the history of medicine is Onesimus, an African slave who helped pioneer the practice of inoculation in the 18th century. His knowledge, passed down through his African heritage, became crucial during a devastating smallpox outbreak in the American colonies, ultimately laying the foundation for the modern concept of immunity and vaccination.

Onesimus: The African Slave with a Revolutionary Idea

Onesimus was an enslaved African man who was brought to the Massachusetts Bay Colony in the early 18th century. He was owned by Cotton Mather, a prominent minister, writer, and public figure in colonial Boston. Though Onesimus was a slave, his significance in history is far beyond his status as property; he would go on to play a crucial role in one of the most important medical breakthroughs in the pre-vaccine era.

Onesimus had been born in Africa, where his community practiced a form of inoculation, a process that involved deliberately infecting someone with a mild form of smallpox to confer immunity against the more dangerous, full-blown disease. This ancient practice, known as variolation, had been used in parts of Africa and Asia for centuries before it reached the West.

In 1721, a particularly deadly smallpox epidemic struck the Boston colony. Smallpox, a highly contagious and often fatal disease, had already devastated populations across Europe, Africa, and Asia. At this time, there was no modern vaccine or reliable treatment for smallpox, and the disease was wreaking havoc on the population.

Cotton Mather and Onesimus: The Introduction of Inoculation to America

Cotton Mather, who was deeply invested in the well-being of his community, was already familiar with the devastating effects of smallpox. When the epidemic hit Boston, Mather turned to Onesimus, who told him about the practice of inoculation that he had learned in Africa. Onesimus described how people in his homeland would take a small amount of infected matter (usually pus from a smallpox pustule) and introduce it into the skin of a healthy individual, usually through a scratch or incision. This procedure exposed the person to a less severe form of the disease, and the body's immune system would build resistance, making them immune to the more virulent strain of smallpox.

Mather, though initially skeptical, saw the potential of this technique and decided to test inoculation during the 1721 smallpox epidemic. With the help of Onesimus, Mather began advocating for inoculation, despite the strong opposition from many in the medical community and religious circles, who viewed the practice as dangerous and unholy. Many feared that deliberately infecting people with smallpox could worsen the outbreak.

Inoculation: The Breakthrough Amidst the Plague

Despite the controversy, Mather's efforts to promote inoculation eventually gained traction. In a bold move, Mather, with Onesimus's guidance, persuaded several doctors in Boston to perform inoculations on people at risk of contracting the disease.

Mather's advocacy led to inoculation becoming a widely practiced technique in the colonies during the epidemic. While it was not without risk, inoculation significantly reduced the severity of smallpox and saved many lives. Over time, inoculation was recognized as a major step forward in preventing the spread of smallpox, and it would later pave the way for the development of vaccination.

Though Onesimus was not widely celebrated in his time, his contribution to the practice of inoculation is now recognized as a crucial turning point in medical history. His knowledge of the African practice, which had been passed down for generations, helped save countless lives in colonial America.

Onesimus's Impact: A Forgotten Hero

Though Onesimus did not live to see the widespread acceptance of inoculation and vaccination, his contribution to medical history was undeniable. Today, Onesimus is increasingly recognized as one of the first people to introduce the concept of immunity and vaccination to the West, and his role in the smallpox epidemic of 1721 is celebrated by historians and medical professionals alike.

The story of Onesimus is also a testament to the richness of African knowledge systems, which were often dismissed or undervalued by Western societies. His story highlights how knowledge passed down through generations in Africa became a crucial turning point in the history of medicine.

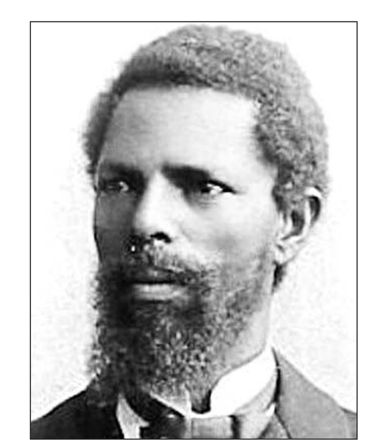

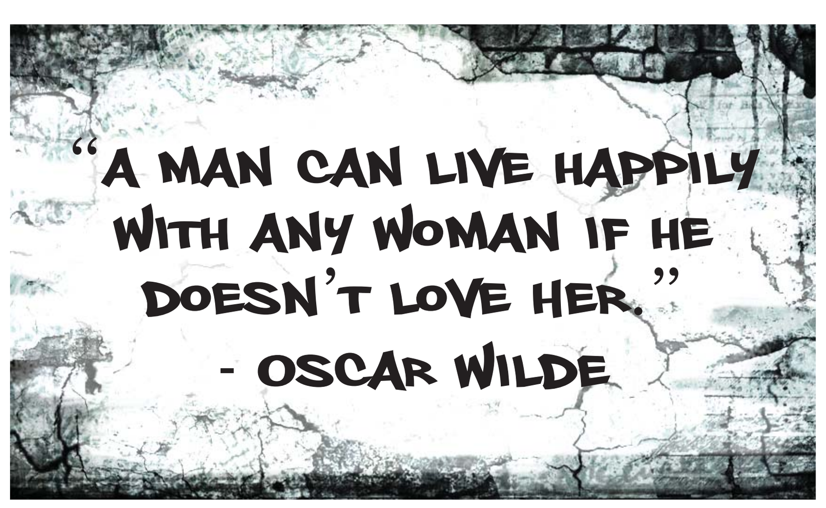

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

ट्रेन के एसी कोच से एक करोड़ की ज्वैलरी और नगदी चुराने वाली गैंग पकड़ी

चोरी करने वाली हरियाणा की अंतरराज्यीय गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार किया

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवर और 5 लाख रुपए बरामद किए
- महिला यात्रियों के बैग से 65-70 तोला सोने के जेवर, चांदी और लाखों की नगदी चोरी हो गई थी

बीकानेर, (निसं)। अणुव्रत एक्सप्रेस ट्रेन में सफर के दौरान बड़ी चोरी के मामले का खुलाया हो गया है। 11 सितंबर को नागपुर से नोखा आ रही महिला यात्रियों के बैग से 65-70 तोला सोने के जेवरात, चांदी और 7-8 लाख की नगदी चोरी हो गई थी। चोरी करने वाली हरियाणा की अंतरराज्यीय गैंग के 4 लोगों को गिरफ्तार कर जीआरपी थाना बीकानेर ने वारदात का पर्दाफाश किया है, जो कि लोगों की मदद करने के बहाने सूटकेस उड़ा लेते थे। पुलिस ने गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात और 5 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। वारदात में इस्तेमाल बोलेरो जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर को विक्रम रमेश राजपुरोहित की माताजी और बहन अणुव्रत एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 22631 से नागपुर से नोखा के लिए रवाना हुई थीं। दोनों का रिजर्वेशन बी-1 कोच में था। उनके पास दो ट्रॉली बैग सहित 3-4 अन्य बैग थे, जिन्हें सीट के नीचे रखा गया था। यात्रा के दौरान बैग से 65-70 तोला सोने के जेवरात, चांदी की पायजेब और अन्य आभूषण और 7-8 लाख रुपए नकद चोरी हो गए। इस संबंध में 14 सितंबर को जीआरपी थाना बीकानेर में रिपोर्ट दी गई। जीआरपी के अनुसार आरोपियों से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात और 5 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। प्रकरण में बाकी बचे हुए माल की बरामदगी और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। चारों आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं और उनसे अन्य ट्रेन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

घटना में आरोपी की जान पहचान न होने के कारण पुलिस के सामने चुनौती थी। जीआरपी ने ट्रेनों में विशेष गश्त और निगरानी बढ़ाई। इसी तरह की वारदातों में शामिल अपराधियों का डाटा खंगाला गया और अणुव्रत एक्सप्रेस के रिजर्वेशन चार्ट का विश्लेषण किया गया। तकनीकी पहलुओं की जांच के दौरान पुलिस को गैंग के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए वीरेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार, सुनील कुमार और रणवीर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने 6-7 सदस्यों की गैंग बनाकर ट्रेनों में चोरी करना बताया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने इस वारदात को भी अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार गैंग के सदस्य मुख्य रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों में वारदात करते थे। यात्री जब गंतव्य स्टेशन से पहले अपना सामान सीट से निकालकर गेट या गैलेरी के पास रखते थे, तब गैंग के सदस्य मदद करने के बहाने उनके आसपास पहुंच जाते थे। गैंग के कुछ सदस्य सामान को सीट से गेट तक पहुंचाने में मदद करते, जबकि अन्य सदस्य यात्रियों का ध्यान भटकाते थे। इसी दौरान बैग की चेन या लॉक को मास्टर चाबी, पेचकस, ब्लेड और अन्य औजारों से खोलकर उसमें रखे जेवरात और नकदी निकाल ली जाती थी। इसके बाद बैग को इस तरह बंद कर दिया जाता था कि यात्री को तत्काल चोरी का पता नहीं चलता। पुलिस के अनुसार, यदि यात्री सामान को खुद गेट के पास रख देते थे तो गैंग के सदस्य वहां खड़े होकर यह जताते थे कि उन्हें भी अगले स्टेशन पर उतरना है। इसके बाद यात्रियों के सामान के चारों ओर घेरा बनाकर चोरी की जाती थी। वारदात के बाद आरोपी अगले स्टेशन पर उतर जाते और ट्रेन के साथ चल रहे बोलेरो वाहन से फरार हो जाते थे।

पुलिस के अनुसार, वीरेंद्र कुमार उर्फ पिल्ला और सुरेंद्र कुमार गैंग के सरगना हैं। दोनों हरियाणा के रहने वाले हैं और अपने साथियों के साथ देश के अलग-अलग राज्यों में जाकर ट्रेन यात्रियों को निशाना बनाते थे। गैंग के सदस्य फर्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी और स्लीपर कोच में सफर करने वाले यात्रियों के सोने-चांदी, हीरे के जेवरात और नकदी पर नजर रखते थे।

बड़वाई पक्षी विहार तालाब के पेटे में अवैध कब्जे का आरोप

- बीते दिनों वृक्षारोपण के नाम पर हटाए गए अतिक्रमण की जगह अब मेघवाल समाज के कुछ लोगों ने धर्मस्थल की आड़ लेकर धार्मिक झंडा गाड़ दिया
- ग्रामीणों का कहना है कि जिस ढांचे को मंदिर का चोला पहनाया जा रहा है, उसमें न तो कोई मूर्ति है और न ही कभी प्राण-प्रतिष्ठा हुई
- ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध निर्माण तुरंत ध्वस्त नहीं किया गया, तो वे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे

भींडर/कानोड, (निसं)। परिंदों की सुरक्षित पनाहगाह और पर्यावरण की धरोहर बड़वाई वेटलैंड को अब अतिक्रमियों और वोट बैंक की सियासत निगलने पर आमादा है। उपखंड मुख्यालय से महज नौ किलोमीटर दूर बड़वाई पक्षी विहार तालाब के पेटे में अवैध कब्जे का नया खेल शुरू हो गया है। बीते दिनों वृक्षारोपण के नाम पर हटाए गए अतिक्रमण की जगह अब मेघवाल समाज के कुछ तत्वों ने धर्मस्थल की आड़ लेकर फिर से धार्मिक झंडा गाड़ दिया है। समाज के लोगों ने तालाब पेटे में ही टेंट लगाकर बाकायदा बैठक बुला तालाब के पेटे में धार्मिक झंडा फहराया गया, जिसने पर्यावरण प्रेमियों व पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया है।

पर्यावरण कानूनों की धज्जियां उड़ाता यह मामला प्रशासनिक अनदेखी की मिसाल बन चुका है। नियमों के मुताबिक, घोषित वेटलैंड के पेटे से एक तगारी मिट्टी उठाना भी गैर-कानूनी है, तो फिर वहां पक्के निर्माण की बिसात कैसे बिछाई जा रही है? जिला कलेक्टर की सीधी निगरानी वाले इस तालाब की सुरक्षा कागजों तक सीमित रह गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस ढांचे को मंदिर का चोला पहनाया जा रहा है, उसमें न तो कोई मूर्ति है और न ही कभी प्राण-प्रतिष्ठा हुई। यह सिर्फ सरकारी जमीन पर डाका डालने का धार्मिक हथकंडा है।

ग्रामीणों में आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि जब वे इस अवैध कब्जे की शिकायत लेकर जिला प्रशासन से लेकर संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं, तो उनकी सुनवाई के बजाय उल्टी गाज उन्हीं पर गिर रही है। एसीएसटी एक्ट में झूठे मुकदमों में फंसाए जाने के डर से जहां ग्रामीण खुलकर सामने आने से हिचकिचा रहे हैं, वहीं प्रशासनिक लवाजमा मौके पर औपचारिकता पूरी कर लौट जाता है। हैरत की बात यह है कि अफसरों ने अतिक्रमण हटाने के बजाय उसे मंदिर की मान्यता देकर ग्रामीणों के खिलाफ ही डंडा चला दिया है।

आरोप हैं कि कुछ जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर अतिकर्मियों की पीठ थपथपाई और आर्थिक मदद देकर पुन: निर्माण के लिए उकसाया है। अगर तालाब पेटे में इस तरह की अवैध छूट जारी रही, तो कल पूरा गांव तालाब की जमीन पर काबिज हो जाएगा और बड़वाई वेटलैंड इतिहास के पन्नों में दफन होकर रह जाएगा।

प्रशासन की इस एकतरफा और संदिग्ध भूमिका से गुस्साए ग्रामीणों ने अब सीधे न्यायपालिका का रुख करने का अल्टीमेटम दे दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि आखिर कानून की किस किताब में लिखा है कि बिना खातेदारी, बिना मूर्ति और बिना प्राण-प्रतिष्ठा के किसी भी अवैध ढांचे को मंदिर घोषित कर दिया जाए?' ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि अवैध निर्माण तुरंत ध्वस्त नहीं किया गया, तो वे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

सीकर से दो दिन में तीन युवतियां लापता

दो युवतियों के परिवार ने युवकों पर शक जता मुकदमा दर्ज करवाया

सीकर, (निसं)। सीकर में दो दिन में तीन युवतियां लापता हो गई हैं। तीनों युवतियां घर से बिना बताए कहीं चली गई हैं। दो युवतियों के परिवार ने युवकों पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है।

25 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत दी। इसमें बताया कि मेरी बेटी 21 सितंबर को घर पर परिजनों के साथ सो रही थी। अगले दिन 22 सितंबर की सुबह उठकर देखा तो बेटी नहीं मिली। इसके बाद रिश्तेदारों में भी बेटी की काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। परिजनों के अनुसार एक युवक 1 महीने पहले उनके घर पर आया था, जिसने युवती को उठा ले जाने की धमकी दी थी। 22 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके परिवार ने पुलिस में शिकायत दी है। इसमें बताया कि बेटी घर से 21 सितंबर को सुबह करीब 6:30 बजे बिना बताए कहीं चली गई। इसके बाद युवती का कुछ पता नहीं चल पाया। युवती के मोबाइल नंबरों पर एक युवक का कॉल आया हुआ था। अंदेशा है कि वह युवक ही अपने साथ युवती को लेकर चला गया। 24 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके भाई ने पुलिस में शिकायत दी। इसमें बताया कि 22 सितंबर को मेरी बहन दोपहर के समय घर से बिना बताए कहीं चली गई।

जोधपुर में काम दिलाने का झांसा देकर मिस्त्री से नगदी लूटी

- नशीला पेय पिलाकर बनाये गये अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल किया

जोधपुर, (कासं)। मंडोर थाना क्षेत्र में ब्लैकमेलिंग और लूट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला समेत चार लोगों ने प्लास्टर और मार्बल मिस्त्री को काम दिलाने के बहाने बुलाया। इसके बाद उसे नशीला पेय पिलाकर उसके कपड़े उतरवाए और अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने पीड़ित के दोस्त से 50 हजार रुपए मंगवाए। साथ ही उसकी जेब से 10 हजार रुपए और चांदी की अंगूठी भी छीन ली। पीड़ित की रिपोर्ट पर मंडोर थाना पुलिस ने एक महिला समेत चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माता का थान क्षेत्र के गांधी नगर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी पहचान मगजी की घाटी निवासी जेठी नाम की महिला से थी। वह पहले भी उसे छोटे-मोटे काम दिलाती थी। गत 20 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे जेठी ने उसे काम के सिलसिले में कृषि विश्वविद्यालय के पास बुलाया। वह बाइक से मंडोर पुलिया पहुंचा। यहां जेठी उसकी बाइक पर बैठी और उसे बड़ा बेरा स्थित एक मकान पर ले गई। वहां मुन्नाराम बावरी बाहर खड़ा था। आरोप है कि कमरे में पहुंचने के बाद जेठी ने पानी में कुछ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद उसे चक्कर आने लगे और वह बेहोशी जैसी हालत में पहुंच गया। उसकी हालत बिगड़ने के बाद मुन्नाराम, हेमाराम और दिनेश कमरे में आ गए। आरोप है कि चारों ने मिलकर उसके कपड़े उतार दिए और जेठी ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई।

आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे रुपए की मांग की। डर के कारण अपने दोस्त को फोन किया और 50 हजार रुपए देने के लिए कहा। आरोपियों में से एक बाइक लेकर यश अमन अस्पताल के पास पहुंचा, जहां उसके दोस्त ने उसे 50 हजार रुपए दिए। इसके अलावा आरोपियों ने पीड़ित की जेब में रखे 10 हजार रुपए और चांदी की अंगूठी भी छीन ली। घटना के बाद आरोपी पीड़ित को नयापुरा इलाके में छोड़कर फरार हो गए। तबीयत में सुधार होने के बाद पीड़ित मंडोर थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना बताई।

महिला सहित तीन लोगों से सात लाख का फ्रॉड

- ठगों ने दो के फोन हैक किए और एक में महिला से एपीके फाइल डाउनलोड करवाई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में साइबर ठगी के प्रकरण निरंतर दर्ज बढ़ रहे हैं। पुलिस की बार-बार आमजन से अपील के बावजूद लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप साइबर ठगी नहीं रूक रही है। कमिश्नरेट में दो लोगों के मोबाइल फोन हैक कर दिए गए और एक महिला को क्रेडिट के बारे में जानकारी लेकर एपीके फाइल डाउनलोड कराया गया। शातिरों ने इनके बैंक खातों से सात लाख से ज्यादा की रकम निकाल ली। संबंधित थाना पुलिस अब पड़ताल में जुटी है।

बोरानाडा थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि अरिहंत अदिता एंजेला बिल्डिंग में रहने वाली मोनिला ग्रोवर पत्नी सूरज प्रकाश ग्रोवर से ठगी हुई। शातिर ने उनके क्रेडिट कार्ड के संबंध में जानकारी जुटाई और फिर एपीके फाइल को डाउनलोड कराया। शातिर उनसे जानकारी लेता गया और 1 घंटे में ही उनके बैंक खाते से 4 लाख 33 हजार 954 रूपए निकाल लिए गए। पीड़िता की तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई। दूसरी तरफ बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि जीएम सिटी सांगरिया के रहने वाले पुरखाराम पुत्र हिम्मताराम प्रजापत के मोबाइल पर कोई लिंक आया था। जिस पर उसने क्लिक कर दिया और उसका फोन हैक हो गया। इसके बाद उसके बैंक एकाउंट से 1 लाख से ज्यादा की निकासी कर ली गई। घटना 20 सितम्बर की है। मामले में अब पड़ताल जारी है। इधर प्रतापनगर थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा के अनुसार शिवनाथ नगर सूंथला निवासी अधिवक्ता गौरव पुत्र नारायण दास का फोन 21 सितम्बर को शातिर ने हैक कर दिया और उसके बाद उनके बैंक खाते से 1 लाख 55 हजार रूपए निकाल लिए गए।

हथकढ़ शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। गंज थाना पुलिस ने अवैध हथकढ़ शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से शराब बरामद कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। गंज थाने के एएसआई लाल सिंह फौजदार ने बताया कि पुलिस टीम रात्रि में माताजी रोड बोराज क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक युवक हथकढ़ शराब लेकर बिक्री करने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर युवक वहां से भागने लगा, जिस पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके बैग से हथकढ़ शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी की पहचान सोनू सिंह के रूप में की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है तथा शराब की बरामदगी और उसके अवैध कारोबार से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

दिनदहाड़े मकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती लूणी स्थित कालीजाल गांव में एक घर में दिनदहाड़े चोरी हो गई। परिवार के लोग खेत पर गए थे। वापिस शाम को लौटे तब चोरी का पता लगा। अज्ञात चोर घर से 7-8 तोला सोना, 15-20 तोला चांदी और 8 हजार की नगदी चुरा ले गए। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना है। आसपास कोई सीसीटीवी आदि नहीं है। घर भी सड़क पर सूनी जगह पर आया हुआ है।

लूणी थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि कालीजाल निवासी राजेंद्र पुत्र मेहराराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 21 सितम्बर को वह लूणावास गांव में मंदिर पर गया था। बाद में सुबह दस बजे उसके मां पिता खेत पर कार्य करने चले गए। इस बीच घर सूना था। अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर प्रवेश किया और वहां से 7-8 तोला सोना, 15-20 तोला चांदी और 8 हजार की नगदी चुरा ले गए। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि घटना को लेकर मौका मुआयना किया गया है।

भीलवाड़ा के आसींद में मामूली विवाद में युवक पर हमला, हालत गंभीर

स्थानीय लोगों ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया।

- पानी की वॉटर कैन को लेकर आपसी कहासुनी हो गई थी
- हमले में सिर पर गंभीर चोटें आने से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद कस्बे में पानी की केन को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बीएसएनएल ऑफिस के पास दबंगों ने एक युवक पर लोहे के सरियों और लाठियों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में सिर पर गंभीर चोटें आने से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कस्बे में वाटर सप्लाई का काम करने वाले हरजीराम गुर्जर और कावलाश निवासी दिलखुश तेली के बीच पानी की वॉटर कैन को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पक्ष ने अपनी पिकअप गाड़ी से लोहे के सरिये निकाल लिए और दिलखुश पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। आरोपियों ने युवक के सिर और शरीर पर कई वार किए। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर जुटने लगे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए पिकअप गाड़ी सहित मौके से फरार हो गए।

स्थानीय लोगों ने तुरंत खून से लथपथ दिलखुश को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अस्पताल व मौका-ए-वारदात पर पहुंची और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बीकानेर जिले के छह सरकारी स्कूलों को नए भवन मिलेंगे

छह भवनविहीन स्कूलों पर 10.98 करोड़ खर्च होंगे

बीकानेर, (निसं)। जिले के छह सरकारी स्कूलों को जल्द ही नए भवन मिलेंगे। इन विद्यालयों में भवन निर्माण के साथ पढ़ाई के लिए जरूरी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने नाबार्ड के आरआईडीएफ-32 के तहत जिले के छह स्कूलों के लिए कुल 10.98 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। प्रदेश स्तर पर इसी योजना के तहत 472 सरकारी स्कूलों के लिए 401.03 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। स्वीकृत राशि का उपयोग केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं रहेगा। इसके तहत स्कूलों में फर्नीचर, लैब उपकरण, स्मार्ट क्लारूम के साथ बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जा सकेंगी।

गौरतलब है कि जिले में 94 राजकीय विद्यालय भवन पूर्णत: जर्जर हैं। इनमें से 91 विद्यालयों को जमींदोज करने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। शेष तीन विद्यालयों के मामलों में अलग-अलग स्थिति है। इनमें एक विद्यालय का नाम सूची में दो बार दर्ज है, जबकि एक विद्यालय आंगनबाड़ी केन्द्र और एक किराये के भवन में संचालित हो रहा है। जिले में 18 विद्यालयों के नवीन भवन निर्माण के कार्य स्वीकृति के बाद प्रगति पर हैं। इनमें 8 विद्यालयों में निर्माण कार्य समसा तथा 10 विद्यालयों में मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से कराया जा रहा है। अब नाबार्ड-32 के तहत छह और विद्यालयों को भवन निर्माण के लिए बजट मिल गया है। वहीं, शेष 67 विद्यालयों के भवन निर्माण के प्रस्ताव राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर को भेजे जा चुके हैं। इन विद्यालयों के लिए स्वीकृति मिलने के बाद भवन निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

कृष्ण कुमार बिश्नोई, एडीपीसी, समग्र शिक्षा का कहना है कि जिले के जर्जर छह स्कूल भवनों के लिए स्कूल शिक्षा परिषद से 10.98 करोड़ रुपए बजट की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। शेष स्कूलों के लिए प्रस्ताव बनाकर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद को भिजवाए गए हैं। इसके अलावा 18 स्कूलों में कार्य चल रहा है। बजट की राशि प्राप्त होते ही शेष स्कूलों में भी काम शुरू करवाया जाएगा।

आदिवासियों की जमीनों पर नाम बदलने और पट्टों के नाम पर अवैध वसूली का विरोध

- जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई करने और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन रोकने की मांग की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में आदिवासी किसानों की जमीनों पर नाम बदलने के मौखिक दबाव और वन भूमि के पट्टों के नाम पर अवैध वसूली के विरोध में प्रदर्शन किया। राजस्थान शेड्यूल एरिया संघर्ष समिति, शेड्यूल एरिया ग्रामसभा और राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने मिलकर कलैक्ट्रेट पर यह प्रदर्शन किया। इसके बाद जिला कलैक्टर को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया।

राजस्थान शेड्यूल एरिया संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष शंकरलाल कटारा ने बताया कि अनुसूचित क्षेत्र में आदिवासी किसानों की जमीनों पर कई सालों से जुर्माना लग रहा है। प्रशासन मौखिक दबाव बनाकर परिवार के दूसरे सदस्यों के नाम पर नए जुर्माने के नोटिस जारी कर रहा है। पहले से चल रहे नामों को बदलकर नए नाम से नोटिस जारी करने की वजह से वरीयता अवधि पर असर पड रहा है। इससे किसानों को कानूनी और आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि यह असंवैधानिक दबाव और नाम बदलने की कार्रवाई तुरंत बंद की जाए। कटारा ने वन विभाग दोवडा के कामकाज पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि वन भूमि पर जिन आदिवासियों का कब्जा है और जिन्हें वन अधिकार कानून तथा पैसा एक्ट के तहत पहले पट्टे दिए गए थे, उन्हें अब विभाग यह कहकर गुमराह कर रहा है कि उनके पट्टे रद्द कर दिए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि नए पट्टे जारी करने के बदले में किसानों से 5-5 हजार रुपये जमा करने की मांग की जा रही है, लेकिन इसके लिए कोई पक्की रसीद नहीं दी जा रही है। समिति ने जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर इस मामले में कार्रवाई करने और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन रोकने की मांग की है।

चार गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिला पुलिस ने न्यायालयों से जारी वारंटों की पालना को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चार वांछित वारंटियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में एनआई एक्ट, स्थायी गिरफ्तारी वारंट, पारिवारिक न्यायालय के स्थायी वारंट तथा मारपीट के प्रकरण में वांछित आरोपियों को पकड़ा गया। इनमें एक वारंटी करीब दो साल से फरार चल रहा था, जबकि महिला थाना पुलिस ने एक स्थायी वारंटी को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया।

मलसीसर थाना पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट की पालना करते हुए सांवरमल पुत्र गोविंद निवासी वार्ड नंबर 19 मलसीसर को गिरफ्तार किया। वहीं महिला पुलिस थाना झुंझुनूं ने न्यायिक मजिस्ट्रेट झुंझुनूं द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट में वांछित इमरान पुत्र गुलाब नबी उर्फ गुलाम भाई, निवासी पीपली चौक झुंझुनूं, हाल निवासी मदीन अपार्टमेंट, दानिलिमडा, अहमदाबाद, गुजरात को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। धनूरी थाना पुलिस ने पारिवारिक न्यायालय चूरू द्वारा जारी स्थायी वारंट की पालना करते हुए वारंटी भवानीसिंह उर्फ विजेन्द्रसिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी रिजाणी को गिरफ्तार किया। वहीं मण्ड्रेला थाना पुलिस ने मारपीट के प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय पिलानी से जारी गिरफ्तारी वारंट की पालना करते हुए रोहिताश पुत्र रामूराम, निवासी मनफरा थाना मण्ड्रेला को गिरफ्तार किया।

चलती ट्रेन में महिला ने बच्चे को जन्म दिया

कोटा, (निसं)। कोटा चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला यात्री को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से ट्रेन में एक स्वस्थ बेटे को जन्म देने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि गाड़ी संख्या 22674 मन्नारगुडी-जोधपुर एक्सप्रेस में सफर कर रही 26 वर्षीय महिला को चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा हुई, रेल मदद के माध्यम से सूचना मिलते ही रेलवे ने तत्काल चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की एवं सवाई माधोपुर स्टेशन पर मेडिकल टीम ने मां और नवजात की जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया, दोनों स्वस्थ पाए गए।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि महिला यात्री शारदा अपने पति और परिवार की पांच-छह महिला सदस्यों के साथ ट्रेन के सामान्य श्रेणी के कोच में जोधपुर जा रही थीं। ट्रेन के कोटा स्टेशन से रवाना होने के बाद अचानक उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, इस दौरान एक यात्री ने रेल मदद के माध्यम से कोटा वाणिज्य नियंत्रण कक्ष को स्थिति की जानकारी दी। सूचना मिलते ही कोटा वाणिज्य नियंत्रण कक्ष ने तत्काल सवाई माधोपुर के स्टेशन प्रबंधक देशराज मीणा को सूचित किया। उन्होंने बिना समय गंवाए रेलवे चिकित्सालय की मेडिकल टीम को अलर्ट कर स्टेशन पर आवश्यक चिकित्सा सहायता की व्यवस्था कराई। इसी बीच चलती ट्रेन में महिला ने एक बेटे को जन्म दिया। ट्रेन के सवाई माधोपुर स्टेशन पहुंचते ही वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामराज मीणा, महिला स्वास्थ्य सहायक कविता, वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक जावेद खान और नाइट वॉचमैन दिनेश की टीम तत्काल मां और नवजात की सहायता के लिए पहुंची। चिकित्सकीय जांच में दोनों स्वस्थ पाए गए। टीम ने प्रसव के बाद महिला को आवश्यक उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। मां और नवजात की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चिकित्सक ने महिला को ट्रेन से उतरकर अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी।

तबियत बिगड़ने से कैदी की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा केन्द्रीय कारागृह में पॉस्को एक्ट में बंद एक कैदी की तबियत बिगड़ने से एमबीएस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय कैदी को तबियत बिगड़ने पर बुधवार को अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जेल अधीक्षक भैरू सिंह राठौड़ ने बताया कि कैदी बूंदी जिले का रहने वाला था और जुलाई 2024 से पॉक्सो एक्ट के मामले में जेल में बंद था। पहले से ही सीने की बीमारी से पीड़ित था और मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा था। 3 सितंबर को भी उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया था। जेल अधीक्षक ने बताया कि बुधवार तड़के अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई, कैदी को बैचेनी होने लगी और सीने में दर्द की शिकायत सामने आई। तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से कैदी को एमबीएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौसम बदलते ही चर्म रोगी बढ़े

अजमेर, (निसं)। मौसम में बदलाव के साथ मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसके साथ ही अब चर्म रोग से संबंधित शिकायतें लेकर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के चर्म रोग विभाग की ओपीडी के बाहर इन दिनों मरीजों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

जयसमंद झील में दो युवक डूबे, मौत

- गणपति मूर्ति विसर्जन करने के दौरान हुआ हादसा, एक की तलाश जारी

उदयपुर, (निसं)। सलूम्बर जिले में स्थित जयसमन्द झील में गणपति जावद गांव से मूर्ति विसर्जन करने पहुंचे युवक सहित दो जनों की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सांय सलूम्बर जीले के जावद मोती काकर गांव से ग्रामीणों की भीड़ गणपति मूर्ति विसर्जन करने के लिए जयमसंद झील पहुची। जहां मूर्ति विसर्जन के दौरान पांव फिसलने पर पानी में एक युवक एवं एक किशोर की डूबने से मौत हो गई।

इसको देख ग्रामीणों ने तुरंत पानी में डूबे एक व्यक्ति को बाहर निकाला जिसकी शिनाख्त मोती काकर जावद निवासी मावाराम (15) पुत्र शंकरलाल के रूप में कर परिजन उसे उपचार के लिए उदयपु निजी चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे व्यक्ति की शिनाख्त शंकरलाल (25) पुत्र जवानलाल के रूप में की है, जिसकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं लगा। इस पर उदयपुर से सडीआर एफ की टीम बुलवाई हैं। जिसके पहुंचने के बाद मृतक की तलाश शुरू की जायेगी।

सार-समाचार

भजन संध्या में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। इन्दिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मन्दिर में एकादशी पर विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। इस दौरान बाबा श्याम का पन्चामृत से अभिषेक करके चंदन का लेप कर कलकत्ता के फूलों से भव्य शृंगार किया गया। इस दौरान बाबा श्याम के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। मंगलवार की शाम सात बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें जयपुर के गायक पवन श्रीमाल, राजू खंडेलवाल व महेश दरगड सहित स्थानीय गायकों ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणों है, चलो बुलावा आया है श्याम ने बुलाया है, दरबार तेरा सांवरिया किसने सजाया है, वो किस्मत वाले होते है जिन्हे श्याम बुलाते है, कर दो कर दो बेडा पार राधे अलबेली सरकार, राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी व रात श्याम सपने में आए सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। भजन संध्या के बाद महाआरती करके भक्तों को प्रसादी वितरित की। इस दौरान श्याम मन्दिर को भव्य लाइटिंग से सजायागया।

विजेता खिलाड़ी सम्मानित

निवाई। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिटी नंबर 3 में जिला स्तरीय साइकिलिंग खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह पूर्वक किया गया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता संयोजक शकुंतला वर्मा ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता शहरी शिक्षा संकुल अधिकारी गिरिराज गुर्जर ने की। समारोह में अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीना भदोरिया मुख्य अतिथि रहीं, जिला शिक्षा अधिकारी प्रतिनिधि विष्णु शर्मा, विधायक प्रतिनिधि संजय सैनी, किशनलाल चौधरी, भामाशाह सांवरमल चौधरी एवं राजेश यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजक शारीरिक शिक्षक रामकिशन गुर्जर ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तर पर विजेता रहे बालक एवं बालिकाओं को अतिथियों द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं तथा प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए विद्यालय परिवार एवं सभी शारीरिक शिक्षकों की सराहना की। इस अवसर पर शकुंतला वर्मा, मोहन कंवर, पुष्पा तौणगरिया, रामकिशन गुर्जर, विमलकुमार विजय, विजयलक्ष्मी शर्मा, सुवालाल मीणा, राकेश शर्मा, सुमन चौधरी, सत्यनारायण खंगार, संजू कुमारी व मांगीलाल रैगर सहित कई शिक्षकगण मौजूद थे।

अस्पताल में गंदगी पर एसडीएम नाराज

रूपवास (भरतपुर) कस्बे के उप जिला अस्पताल में बुधवार को उपखण्ड अधिकारी दिनेश कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी और सफाई व्यवस्था में खामियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने अस्पताल में संचालित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र, जांच प्रयोगशाला, आपातकालीन सेवाएं, पंजीकरण काउंटर सहित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दिनेश कुमार ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से भी संवाद कर चिकित्सा सेवाओं और सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान मरीजों की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर उनके समाधान के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर गंदगी पाए जाने पर उपखण्ड अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने संस्थान में स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, मरीजों की सुविधा तथा कार्मिकों की उपस्थिति के संबंध में भी जानकारी ली।

शहीद बुनकर के शहादत दिवस पर तिरंगा रैली आज

शाहपुरा । नगरपरिषद के ग्राम रामपुरा निवासी सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के शौर्य वीरता पदक से सम्मानित शहीद मुकेश कुमार बुनकर के शहादत दिवस के अवसर पर 24 सितंबर,गुरूवार को विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा रैली के पोस्टर का विमोचन उपखण्ड अधिकारी जेपी बैरवा,शाहपुरा तहसीलदार दाताराम गुर्जर,नगरपरिषद सभापति रविश खटाणा,सांसद प्रतिनिधि देवायुष सिंह, रजनीश हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. रजनीश शर्मा,पलक हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. महेश मौर्य,एयू बैंक की स्वदेशी नेशनल बैंकिंग हेड सुल्तान पलसानिया,बलाई छात्रावास,उद्योगपति हरिप्रसाद बल्लीवाल,रैगर छात्रावास आदि स्थानों पर किया गया।

टोंक : पंचायतीराज चुनावों में तीन प्रधान पद सामान्य महिला के लिए तय

टोंक। जिले में पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर जिला परिषद सदस्यों और पंचायत समिति प्रधान पदों के आरक्षण की लॉटरी निकल चुकी है।

जिला परिषद के 31 वार्डों और जिले की 8 पंचायत समितियों के प्रधान पदों का आरक्षण तय हो गया है। इसके साथ ही चुनाव में दावेदारी करने वाले संभावित प्रत्याशियों के लिए भी तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। जिले की 8 पंचायत समितियों में टोंक, मालपुरा और पीपलू के प्रधान पद अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित हुए हैं। टोडारायसिंह का प्रधान पद अनारक्षित रखा गया है।

देवली में एसटी, निवाई में ओबीसी, उनियारा में एससी और पचेवर में एससी महिला के लिए प्रधान पद आरक्षित हुआ है। वहीं जिला परिषद में 11 वार्ड अनारक्षित रखे गए हैं। जिला परिषद, प्रधान और पंचायत समिति सदस्यों के आरक्षण के बाद अब 24 सितंबर को सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी संबंधित एसडीएम कार्यालयों में होगी। इसके बाद ग्राम पंचायत स्तर पर भी आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। अब सरपंच व वार्ड पंच पदों की लाटरी के लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे है। कई ने तो अपने कागजात तैयार कर रखे है जिससे मौका मिलते ही वे फार्म भर सके ।

टोंक जिले में पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर जिला परिषद सदस्यों और पंचायत समिति प्रधान पदों के आरक्षण की लॉटरी निकलीं गई।

■ 24 सितंबर को सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी संबंधित एसडीएम कार्यालयों में होगी। इसके बाद ग्राम पंचायत स्तर पर भी आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

अध्यक्ष के बाद उपाध्यक्ष की कुर्सी भी कांग्रेस के नाम

पावटा। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में अध्यक्ष पद के बाद अब उपाध्यक्ष की कुर्सी पर भी कांग्रेस ने कब्जा जमा लिया है। सोमवार को कांग्रेस की मीना देवी पत्नी अजय सैनी के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद मंगलवार को हुए उपाध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सोमवती मीणा ने जीत दर्ज कर नगरपालिका की सत्ता में कांठोस की स्थिति को और मजबूत कर दिया। उपाध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस की सोमवती मीणा को 27 मत, जबकि भाजपा प्रत्याशी सुभाष चंद यादव को 18 मत प्राप्त हुए। इस तरह सोमवती मीणा ने 9 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई ।

महिला पर हमला कर जेवरात लूटने का आरोपी पकड़ा

■ दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश कुमार जोशी के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी नरैना उमराव सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर आरोपियों को पकड़ा

सांभरझील, (निसं)। महिला पर हमला कर सोने के आभूषण लूटने करने के मामले में नरेना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। हनुमान प्रसाद, पुलिस अधीक्षक, जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया कि परिवादी महराम जाट पुत्र सावताराम जाट जाति जाट उम्र 68 साल निवासी बिंगोलाव थाना नरैना जिला जयपुर ठाामीण ने पुलिस थाना नरैना पर रिपोर्ट दर्ज करवायी कि 16 सितम्बर 2026 को मेरी पत्नी लाडादेवी घर पर अकेली थी तब समय करीब 12.30-1.00 पीएम के लगभग एक अनजान व्यक्ति गाँव मे घूमता हुआ मेरे घर मे घुस गया और मेरी पत्नी लाडा देवी पर हथियार से सिर में चोट मार दी जिससे मेरी पत्नी बेहोश हो गई और मेरी पत्नी के पहने हुये गहने सोने की नाक की नथ एंव दोनो कानो की टोटी (टोपस) व घर से अन्य आभूषण जबरदस्ती लूट कर फरार हो गया। मेरी पत्नी बेहोश हालत में पडी हुई थी जिसको मेरे परिवार वाले अस्पताल लेकर गये। प्रकरण में अज्ञात अभियुक्त की गिरफ्तारी व माल बरामदगी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश कुमार जोशी के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी नरैना उमराव सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन कर रास्ते में आनें वाले करीबन 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चैक करते हुए तकनीकी सहायता द्वारा अथक प्रयास करते हुए अज्ञात व्यकित की जयपुर जालन्धर, गुरुदासपुरस अमृतसर (पंजाब) में तलाश करते हुए संदिग्ध आरोपी आकाशदीप सिह जाति किंग सिख निवासी पाकिवान थाना कनोरल जिला गुरुदासपुर पंजाब को डिटेन कर गहनता से पूछताछ की तो द्वारा दिनांक लूट की वारदात करना स्वीकार किया जिस पर बाद प्रमाणित जुर्म के शातिर आरोपी आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी आकाशदीप सिंह से लूटा प्रकरण हाजा का माल मसरूका कान की बाली (टोपीस) व नाक की नथ बरामद की गई हैं।

जेल से छूटे नरेश मीणा, बोले- पंचायत चुनाव लड़ेंगे

टोंक। एसडीएम थप्पड़ काण्ड प्रकरण के आरोपी नरेश मीणा बुधवार को जिला कारागृह टोंक से रिहा होने के बाद मीणा ने कहा कि अब हम पूरी ताकत के साथ पंचायत राज चुनाव लड़ेंगे। नरेश मीणा ने कहा कि जिस क्रांति की बात मैं लगातार करता आया हूं, उसकी शुरुआत हाड़ौती से हो चुकी है। मेरे दोस्त और बारां नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कमल राठौर ने इसकी शुरुआत कर दी है। उनके पास अभी चुनाव चिन्ह नहीं था, ऐसे में आम आदमी पार्टी के चुनाव चिन्ह पर लड़कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। बता दें कि नरेश मीणा ने विधानसभा उपचुनाव में एसडीएम को थप्पड़ मारा था। इस मामले में

स्मैक बेचने के तीन आरोपी पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे ऑपरेशन संकल्प नशा मुक्त अभियान के तहत मालपुरा वृत्ताधिकारी आशीष कुमार प्रजापत एवं लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी धासीलाल के नेतृत्व में गठित थाना टीम एवं जिला स्पेशन टीम द्वारा अभियान में संयुक्त कार्यवाही करते हुए मालपुरा केकडी रोड स्थित इन्दोली से आरोपी ओमप्रकाश पुत्र सत्यनारायण जाट उम्र 28 साल व प्रधान पुत्र गोपाल जाट उम्र 45 साल निवासी प्रतापपुरा थाना लाम्बाहरिसिंह को डिटने कर पूछताछ के बाद मोटरसाईकिल पर रखे प्लास्टिक की थैली में मिले 486 ग्राम अफीम मादक पदार्थ को परिवहन करते पाये जाने पर दोनो आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया है ।

इसी प्रकार कोतवाली थाना टीम व जिला स्पेशल टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए शहर के बहीर क्षेत्र से आरोपी दशरथ सिंह पुत्र हरिसिंह उम्र 55 साल निवासी फूलबाग बहीर के कब्जे से 7.50 ग्राम स्मैक व 42 पव्वे शराब जो वह मोटरसाईल से परिवहन करने कार्य करता था। इस कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थो से प्राप्त राशि 22 हजार 70 रुपये जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में आरक्षण लॉटरी निकाली

■ कोटपुतली में 27 वार्डों में आरक्षण का निर्धारण किया गया

कोटपूतली । पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य एवं पंचायत समिति प्रधान पदों के आरक्षण निर्धारण एवं आवंटन की लॉटरी प्रक्रिया आज जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोहन सिंह नरुका की उपस्थिति में जिला कलेक्ट्रेट, कोटपूतली-बहरोड के सभागार में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुई। लॉटरी प्रक्रिया निर्धारित समयानुसार प्रातः 11 बजे आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, हितधारक एवं आमजन भी उपस्थित रहे। लॉटरी के माध्यम से जिला परिषद सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों, पंचायत समिति सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों तथा पंचायत समिति प्रधान पदों के लिए विभिन्न श्रेणियों में आरक्षण का निर्धारण एवं आवंटन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। जिला परिषद सदस्य के वार्डों का आरक्षण जिला परिषद सदस्य के लिए कुल 27 वार्डों में आरक्षण का निर्धारण किया गया। इनमें वार्ड संख्या 17 एवं 8 महिला अनुसूचित जाति, जबकि वार्ड संख्या 9 एवं 7 अनुसूचित जाति सामान्य के लिए आरक्षित किए गए। वार्ड संख्या 16 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रहा। इसी प्रकार वार्ड संख्या 11 एवं 19 महिला अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा वार्ड संख्या 12, 15 एवं 27 ओबीसी सामान्य श्रेणी के लिए आरक्षित किए गए। वार्ड संख्या 5, 20, 23, 18, 25, 13, 1, 6 एवं 26 महिला सामान्य तथा वार्ड संख्या 2, 3, 4, 21, 14, 24, 10 एवं 22 सामान्य श्रेणी के लिए आरक्षित किए गए। पंचायत समिति प्रधान पदों के लिए भी लॉटरी के माध्यम से आरक्षण निर्धारित किया गया। इसके तहत मैड-कुंडला पंचायत समिति का प्रधान पद महिला अनुसूचित जाति, नारायणपुर पंचायत समिति का प्रधान पद ओबीसी ओपन, पावटा, बानसूर एवं विराटनगर पंचायत समितियों के प्रधान पद महिला सामान्य तथा कोटपूतली, बहरोड़ एवं नीमराणा पंचायत समितियों के प्रधान पद सामान्य (ओपन) श्रेणी के लिए

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि

श्रीमती भौंरी देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री राधेश्याम जी मीणा का स्वर्गवास दिनांक 22.09.2026 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 24.09.2026 को दोपहर 2.00 से 4.00 बजे तक निज निवास स्थान मीणों का चौक, नाहरगढ पुलिस थाना पुरानी बस्ती जयपुर पर रखी गई है।

शोकाकुलः लक्ष्मी नारायण ध्यावणा (पुत्र), सूरज, रतन, जतन (पौत्र) एवं समस्त ध्यावणा परिवार।

मो. 9461235179, 9928622050

50 से अधिक अभियंता एकजुट, मारपीट के विरोध में कठोर कानून की मांग

■ घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी कानूनी व्यवस्था की सीएम से मांग

भरतपुर । डीग में अभियंताओं के साथ हुई घटना के बाद सरकार, जिला एवं पुलिस प्रशासन से त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले को लेकर फोरम द्वारा संभागीय आयुक्त, आईजी पुलिस एवं राज्य सरकार को प्रस्तुत ज्ञापन में कहा गया कि अभियंता राज्य के विकास कार्यों की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विभिन्न विभागों में कार्यरत अभियंता सड़क, भवन, पेयजल, विद्युत, सिंचाई, नगरीय विकास सहित अनेक जनहितकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं निगरानी का दायित्व निभाते हैं। फील्ड में कार्य करते समय उन्हें कई बार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद ड्यूटी के दौरान उनके साथ हिंसा या दुर्व्यवहार की घटनाएं अत्यंत गंभीर विषय हैं। फोरम ने 22 सितम्बर 2026 को डीग में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता के साथ हुई घटना को गंभीर चिंता का विषय बताया। घटना के विरोध एवं अभियंताओं की सुरक्षा की मांग को लेकर इंजीनियर्स फोरम भरतपुर के माध्यम से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, भरतपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जल संसाधन विभाग, रीको, लोक निर्माण विभाग, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम तथा आरयूआईडीपी सहित विभिन्न विभागों के 50 से अधिक अभियंता एकजुट हुए। अभियंताओं ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर डीग एवं संभागीय आयुक्त एवं आईजी के माध्यम से ज्ञापन प्रस्तुत कर घटना में शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन में भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा अभियंताओं को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की भी मांग की गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, जय लाल मीणा ने कहा कि सभी अभियंता अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए सरकार की योजनाओं एवं विकास कार्यों को धरातल पर लागू करते हैं। यदि फील्ड में कार्यरत अभियंता ही सुरक्षित नहीं होंगे तो वे बिना भय एवं दबाव के अपने तकनीकी एवं प्रशासनिक निर्णय कैसे ले पाएंगे। उन्होंने अभियंताओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, डीग पवन सोलंकी ने कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपी के कृत्य के लिए उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए तथा यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं तो संबंधित व्यक्ति/फर्म को ब्लैकलिस्ट किया जाए। अधिशासी अभियंता, भरतपुर विकास प्राधिकरण, डी.पी. शर्मा ने कहा कि अभियंता किसी व्यक्ति विशेष के नहीं, बल्कि शासन एवं जनता के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। इसलिए उनके साथ ड्यूटी के दौरान होने वाली हिंसा अथवा दबाव को गंभीरता से लेते हुए प्रभावी कानूनी संरक्षण दिया जाना आवश्यक है। ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से मांग की गई है कि राजस्थान में राजस्थान अभियंता संरक्षण अधिनियम बनाया जाए, जिसमें ड्यूटी पर कार्यरत अभियंताओं के साथ मारपीट, धमकी, अभद्रता एवं कार्य में अनुचित हस्तक्षेप जैसी घटनाओं के विरुद्ध प्रभावी कानूनी प्रावधान किए जाएं। फोरम ने इसे अभियंताओं को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में आवश्यक कदम बताया। फोरम ने राज्य सरकार से आठाह किया कि डीग की घटना में त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी कानूनी व्यवस्था की जाए इस अवसर पर इंजीनियर्स फोरम भरतपुर के अध्यक्ष अभियंता मनोज पाराशर, अधिशासी अभियंता बृजमोहन सिंह, दीपु सिंह, केशव पांडे, रतन सिंह, सहायक अभियंता राधेश्याम गुर्जर, कनिष्ठ अभियंता नवीन गोयल, अनूप सिंह, संदीप सिंह, योगेश कुमार, आरती मीणा, मनीष दायमा सहित विभिन्न विभागों के 50 से अधिक अभियंता उपस्थित रहे।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती सुमित्रा कुमावत पत्नी श्री रामधन कुमावत निवासी बी 11 डूंडलोद हाऊस कॉलोनी, हवा सड़क जयपुर का पुत्र योगेन्द्र कुमावत व उसकी पत्नी पूजा गोस्वामी जो कि उनके कहने में नहीं है तथा काफी समय से अलग रहते है तथा मेरी अभिभाष्या व उसके पति से लड़ाई झगड़ा करते रहते है व उनका सम्मान नहीं करता है इसलिए मेरी अभिभाष्या ने उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति व जायदाद से बेदखल कर दिया है. हमारा उनसे कोई लेना देना नहीं है। यदि कोई योगेन्द्र कुमावत व उसकी पत्नी पूजा गोस्वामी से मेरी अभिभाष्या की रेफरेन्स से किसी प्रकार का कोई संव्यवहार करता है तो उसकी स्वयं की जिम्मेवारी होगी।
बी. एल. कुमावत एडवोकेट, मो. 9829107413

आम सूचना दि 23.09.2026
मेरे अभिभाष्य रघुनन्दन शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिवल्लभ शर्मा, हाल निवासी- फ्लेट नं. एफ 2 (फर्स्ट फ्लोर) प्लाट नं. 5 पूर्वी हिस्सा बसन्त विहार सिरसी रोड पांच्यावाला जयपुर ने अपने उक्त फ्लैट की देखरेख व सार संभाल बाबत दिनांक 26.01.2025 को मानसिंह पुत्र श्री बालसिंह निवासी- फ्लैट नं. एफ 2 प्लाट नं. 5, वेस्ट पार्ट, बसन्त विहार, सिरसी रोड, पांच्यावाला, जयपुर को मुख्त्यारआम नियुक्त कर मुख्त्यारनामा आम नष्पादित किया था। जिसे मेरे अभिभाष्य ने दिनांक 25.06.2026 को निरस्त कर, निरस्त की सूचना मानसिंह को भिजवा दी थी। मुख्त्यारआम निरस्त की सूचना को पुनरावृति करते हुए मेरे अभिभाष्य के अधिवक्ता द्वारा दिनांक 25.08.2026 को नोटिस भेजा गया था, जो मानसिंह को प्राप्त हो गया है। मानसिंह द्वारा फ्लैट के संबंध में कोई विधिक एवं सिविल कार्यवाही की जाती है तो मेरे अभिभाष्य की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, सूचित रहे।
(भगवती सहाय गौड) एडवोकेट

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल दिनेश कुमार शर्मा पुत्र श्री गोकुल प्रसाद शर्मा, निवासी 205, राजपूत मोहल्ला, ढोढसर, जयपुर 303712 (राज.) स्वयं की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा के नाम से आवासीय प्लॉट नम्बर 17, रघुनाथ विहार, ग्राम बिशनावाला, जयपुर (राज.) में स्थित है जिसकी भूमि का कुल क्षेत्रफल 62.08 वर्गगज है जिसे मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ. सी. लिमिटेड) मे बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण संख्या 622084517 एवं 623058881 है, उक्त श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा उर्फ श्रीमती कृष्णा पत्नी श्री दिनेश कुमार शर्मा का स्वर्गवास 15.07.2021 को हो चुका है, श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा उर्फ श्रीमती कृष्णा पत्नी श्री दिनेश कुमार शर्मा के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान मे श्री दिनेश कुमार शर्मा पुत्र श्री गोकुल प्रसाद शर्मा, श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री दिनेश कुमार शर्मा एवं विकुल शर्मा पुत्री श्री दिनेश कुमार शर्मा है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा उर्फ श्रीमती कृष्णा पत्नी श्री दिनेश कुमार शर्मा का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूंकि मेरे मुवक्किल एवं श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा पत्नी श्री दिनेश कुमार शर्मा के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि मे अद्योहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नही होगी तथा मेरे मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
6/48, मालवीय नगर, जयपुर मोबाईल 9829218044

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 4017 दिनांक :-23/09/26
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 50/42 (MIG-B) का आवंटन श्री संजय कुमार जायसवाल पुत्र श्री कन्हैयालाल जायसवाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3627 दिनांक 20.05.1994 को जारी किया गया था। श्री संजय कुमार जायसवाल द्वारा श्री कन्हैयालाल जायसवाल पुत्र स्व. श्री सुन्दर प्रसाद को दिनांक 30.08.1996 मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री संजय कुमार जायसवाल के पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 09.08.2004 को उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर में किया गया। श्री कन्हैयालाल जायसवाल के द्वारा मुख्त्यारनामा आम धारक की हैसियत से उक्त आवास / फ्लैट को श्री शंकर लाल बंशीवाल पुत्र श्री कल्याण मल बंशीवाल को दिनांक 08.09.2004 को विक्रय कर उप पंजीयक, सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री शंकर लाल बंशीवाल पुत्र श्री कल्याण मल बंशीवाल द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत विक्रय पत्र आधार से उक्त आवास कि पत्रावली मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री शंकर लाल बंशीवाल पुत्र श्री कल्याण मल बंशीवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004
क्रमांक: F-JDA/Zone-14/2026/D-917 **सार्वजनिक सूचना:**
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 330387 दिनांक 15-09-2026 को निम्नांकित भूखण्ड का LAYOUT PLAN APPROVAL जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं:

आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या एवं भूखण्ड का क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
Sonu Gupta S/o Gopal Prasad	श्री अशोक अग्रवाल पुत्र श्री सूरजमल अग्रवाल	Khasra No. 141/1, 141/1, 149/1 एवं 0.546044 hectare	PRIVATE	Village Yarlipura Tehsil-Chaksu	Layout Plan Approval	आवेदन रसीद, जमाबन्दी, 90-बी आदेश, मास्टर प्लान-2025,

2011, जोनल प्लान, गूगल(मानचित्र, ले-आउट प्लान, पहचान दस्तावेज व 90बी आदेश क्रमांक 61/2010 दिनांक 09.12.2010 जारी है, उक्त 90बी आदेश एक वर्ष से अधिक पुराना होने के कारण व पंजीकृत विक्रय पत्रों आदि।
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Layout Plan Approval जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection Module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। DC(Zone-14) जविप्रा, जयपुर।

आम सूचना आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है मेरे अभिभाष्य सत्यनारायण रामावतार पुत्र रामलाल कुम्हार निवासी लापोड़िया तह. दुदू को ग्राम पंचायत गागरडू द्वारा पट्टा संख्या 147 दिनांक 07/03/2024 को जारी किया गया था। उक्त सम्पति का मूल पट्टा संख्या 147 मय पट्टा पंजीयन दिनांक 15/06/2026 मेरे अभिभाष्य रामावतार पुत्र रामलाल कुम्हार निवासी लापोड़िया तह. दुदू से दुदू गाँव से जाते समय रास्ते में कही खो गया। जो काफी ढूढने के बाद भी नहीं मिला। जिसकी गुमशुदगी सूचना रिपोर्ट मेरे अभिभाष्य रामावतार पुत्र रामलाल कुम्हार निवासी लापोड़िया तह. दुदू द्वारा दर्ज करवा दी गई। इसके पश्यात भी उक्त मूल पट्टा संख्या 147 दिनांक 07/03/2024 काफी तलाशने के बाद भी नही मिल रहे है एवं गुम हो गए है। तत्पश्चात मेरे अभिभाष्य सत्यनारायण रामावतार पुत्र रामलाल कुम्हार निवासी लापोड़िया तह. दुदू को ग्राम पंचायत गागरडू द्वारा एक डुप्लीकेट पट्टा संख्या 05 दिनांक 07/03/2024 को जारी किया गया ।
हर आम व खास को सूचित किया जाता है उक्त मूल पट्टा संख्या 147 दिनांक 07/03/2024 मय पट्टा पंजीयन किसी को मिले तो मुझ अधोहस्ताक्षरकर्ता को जमा करावे। साथ ही यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो 07 दिवस के भीतर भीतर मुझ अधोहस्ताक्षरकर्ता को आपति करवा दें। बाद गुजरने मियाद किसी भी तरह की आपति मान्य नही होगी।
सुरेन्द्र शर्मा, एडवोकेट, मो.-9414297482

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या ईशिका गुप्ता पुत्री श्री पूरण चन्द गुप्ता निवासी- बस स्टैण्ड के पास, लक्ष्मीकान्त कॉलोनी करौली, जिला करौली राजस्थान की निवासनी है पहाडगंज गृह निर्माण सहकारी समीति लि0 जयपुर रजि.नं. 2429 / एल के द्वारा जारी प्लाट नं. 339, स्कीम ग्रीन सिटी खसरा नं. 217, अपोजीट प्लाट नं. 2 नायला रोड, जयपुर में स्थित इन्द्रा गुप्ता पत्नी पूरण गुप्ता के नाम से मूल आवंटन पत्र रसीद व साईड प्लान जारी कर के दियें थे जो कि मेरी अभिभाष्या इशिका गुप्ता के पास से गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें।
जयपुर कुलदीप कुमार शर्मा, एडवोकेट
दिनांक-23.09.2026 मो.नं. 9694409999

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मोहब्बत सिंह राठौड पुत्र श्री जयसिंह राठौड ने मनीषा भार्गव पत्नी श्री नीरज भार्गव निवासी- 83/67 सेक्टर 8, जोन 83, अरावली मार्ग, मानसरोवर, जयपुर से उनके स्वामित्व, कब्जे व अधिकार के म.न. - 1/126, सेक्टर-1, एस. एफ.एस. अग्रवाल फॉर्म, मानसरोवर, जयपुर को क्रय करने का इकरार किया है, किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सरकार या अन्य को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से पन्द्रह दिन में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद मेरे अभिभाष्य के कानूनी अधिकारो के विरुद्ध कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे अभिभाष्य द्वारा उक्त संपति के विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जाएगा। सूचित रहे।
दिनांकः- 26.06.2023 (बी.एस. राठौड) एडवोकेट मो0 न0-9314494897

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-6, जयपुर महानगर प्रथम
आम सूचना
रेफरेन्स प्रकरण संख्या 171/2024 (10054/24)
सक्षम प्राधिकारी बनाम अविनाश व अन्य
रेफरेन्स अन्तर्गत धारा 3 एच (4) राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 बाबत ग्राम गीला की नांगल, तहसील बस्सी जिला जयपुर की अवाप्तशुदा भूमि खसरा नम्बर 107 रकबा 0.0253 हैक्टेयर राशि 3,72,841 /- रूपये खसरा नम्बर 108 रकबा 1.6 हैक्टेयर राशि 1,92,05,491 /- रूपये खसरा नम्बर 120 रकबा 0.4351 हैक्टेयर राशि 2,83,66,202/- रूपये भूमि का कुल अवाप्त रकबा 3.0614 की कुल मुआवजा राशि 4,79,44,534/- रूपये के भुगतान के संदर्भ में प्रकरण संख्या 17/2024 विचाराधीन है।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त मुआवजे का प्रकरण न्यायालय में लम्बित है जिसमे आप अविनाश पुत्र रामस्वरूप निवासी मूर्ति कला कॉलोनी, बाईपास जयपुर, दीपक अग्रवाल पुत्र नाथूलाल अग्रवाल निवासी रघुनाथ कॉलोनी, अजय सर्किल झोटवाडा जयपुर, पिताम्बर भाटिया पुत्र जेठानन्द भाटिया निवासी सी-341 ए, मालवीय नगर जयपुर, रामबाबू पुत्र रामजीलाल निवासी मूर्ति कलॉ कालोनी, बाईपास, जयपुर, सूर्य नारायण पुत्र मुरारीलाल निवासी ए-30, गायत्रीनगर सोडाला जयपुर, ओमप्रकाश पुत्र कल्याण सहाय निवासी ए-43, बरकत नगर टोक फाटक जयपुर, देवसुमन पुत्र मूलचन्द निवासी मकान नम्बर 69, मॉडल टाउन, जगतपुरा जयपुर, दिलीप अग्रवाल पुत्र श्री कल्याणमल निवासी डी-651, मालवीय नगर जयपुर, प्रकाश पुत्र परसराम निवासी मालवीय नगर जयपुर, मोतीलाल शर्मा पुत्र ग्यारसीलाल निवासी लूनेठा, तहसील जमवारामगढ, जिला जयपुर, रामस्वरूप पुत्र भगवान सहाय शर्मा निवासी ग्राम उदावाला तहसील व जिला दौसा, यमप्रसाद शर्मा पुत्र गणेशराम निवासी 125, वृंदावन धाम कॉलोनी गीला की नांगल नायला रोड, जयपुर पक्षकार है रेफरेन्स न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है जिसमें आगामी तारीख पेशी 06. 10.2026 नियत है। रेफरेन्स में अपना पक्ष रखने के लिए दिनांक 06.10. 2026 को प्रातः 10.30 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा बाद सुनवाई एक तरफा आदेश कर दिया जायेंगा।
मोहर अदालत — आज्ञा से रीडर ग्रेड प्रथम, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर प्रथम

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-6, जयपुर महानगर प्रथम
आम सूचना
रेफरेन्स प्रकरण संख्या 172/2024 (10055/24)
सक्षम प्राधिकारी बनाम कैलाश व अन्य
रेफरेन्स अन्तर्गत धारा 3 एच (4) राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 बाबत ग्राम बगराना तहसील जयपुर जिला जयपुर की अवाप्तशुदा भूमि खसरा नम्बर 364 रकबा 0.2851 हैक्टेयर राशि 1,80,09,049/- रूपये खसरा नम्बर 369 रकबा 0.0360 हैक्टेयर राशि 22,74,029/- रूपये खसरा नम्बर 368 रकबा 0.1794 हैक्टेयर राशि 1,13,32,246/- रूपये खसरा नम्बर 371 रकबा 0.1918 हैक्टेयर राशि 1,21,15,523/- रूपये भूमि का कुल अवाप्त रकबा 0.6923 की कुल मुआवजा राशि 4,37,30,847/-रूपये के भुगतान के संदर्भ में प्रकरण संख्या 172/2024 विचाराधीन है।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त मुआवजे का प्रकरण न्यायालय में लम्बित है जिसमे आप धापू पत्नी कालू निवासी ग्राम बुगराना तहसील व जिला जयपुर, नारायण पुत्र रामसहाय ग्राम बगराना तहसील व जिला जयपुर, मंगला पुत्र कालू ग्राम बगराना तहसील व जिला जयपुर, श्री कौशल किशोर सचिव लक्ष्मीनगर गृह निर्माण सहकारी समिति हनुमान टावर ब्रहम्पुरी खुर्रा जयपुर, हिमांशु पुत्र मनोज निवासी बयाना जिला भरतपुर, सुरेश पुत्र राधाकिशन निवासी प्लाट नम्बर 76, जगनाथपुरी कॉलोनी, बगराना तहसील व जिला जयपुर, आशा बैरवा निवासी लालपुरा की ढाण लवाण जिला दौसा, लता शर्मा पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा निवासी बयाना दरवाजा बैर, भरतपुर राज0, लक्ष्मी नगर गृह निर्माण समिति लिमिटेड जयपुर राजस्थान पक्षकार है रेफरेन्स न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है जिसमें आगामी तारीख पेशी 06.10.2026 नियत है। रेफरेन्स में अपना पक्ष रखने के लिए दिनांक 06.10.2026 को प्रातः 10.30 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा बाद सुनवाई एक तरफा आदेश कर दिया जावेंगा।
आदेश आज दिनांक 07/09/26 मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मुद्रा से जारी किया गया है।
मोहर अदालत — आज्ञा से रीडर ग्रेड प्रथम, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर प्रथम

NOTICE TO SHOW CAUSE
[Appendix H, Form No. 4]
In the High Court of judicature for Rajasthan, Bench at Jaipur
S.B. WRIT RESTORATION APPLICATION NO. 391/2017
IN
S.B. CIVIL WRIT PETITION NO. 11082/2010
(UMA SHANKAR & ORS. V/S THE COMMISSIONER, DEVSTHAN VIBHAG &ORS.)
To, Respondent No.
2/5. Smt. Phooli Devi @ Kamla Devi, D/O Late Shri Madan Lal, w/o Shri Bheru Lal, (Resident of Jat Ke Raasta Kuey kanear Bagru Walonka Choraha, Purani Basti, Jaipur. (Raj.) 3/1. Ram Lal S/O Late Radhey Shyam R/o - HouseNo. 1132, Rawalji ka bazar, Gangapole, Jaipur,(Raj.) 302002
Whereas the above named Petitioner Mr. UMA SHANKAR ... has made an application to this court that
You are hereby warned to appear in the court in person or by a pleader duly instructed on the 30 Day of September 2026 at 10:30AM....o'clock in the forenoon, to show cause against the application failing wherein, the said application will be heard and determined ex-party.2026 Given under my hand and seal of this court on the 15 Day of September 2026
मोहर — प्रशासनिक अधिकारी न्यायिक, राजस्थान उच्च न्यायालय पीठ, जयपुर

खोया पाया
मेरे मकान 4/98 GF जवाहर नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जापत्र- जवाहर नगर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें- जसपाल कौर घई 9829059759

मेरे मकान 2/137 FF जवाहर नगर जयपुर का मूल आवंटन, कब्जापत्र, डिक्लेरेशन, कार्यालय आदेश- जवाहर नगर में कहीं गिर गए हैं मिलने पर सूचित करें- वंदना जैन 9829074267

मेरे प्लाट संख्या 7/95 JDA की योजना विद्याधर नगर, जयपुर JDA से जारी लाइसेंस डीड, मय स्टाम्प पेपर , साइट प्लान, कब्जा पत्र,आवंटन पत्र, आदि मूल दस्तावेज कही गुम हो गए है सुचित करे बाबूलाल मिस्त्री मो. 9820060627

मेरे भूखण्ड संख्या B-79 जेडीए की योजना सेंट्रल स्पाइन जयपुर का जेडीए से जारी मूल कब्जा पत्र कही खो गया है मिलने पर सूचित करें -राधे श्याम शर्मा मो - 9660264641

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम अंकिता वर्मा से बदल कर अंकिता राठौड़ पुत्री झिनकन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए, निवास- सरवनपुर पांण्डेय डिंगरापुर, गौसपुर, कलवारी, बस्ती, (उत्तर प्रदेश) हाल निवासी- मकान नंबर-79ए, विजयपथ क्रॉसिंग, पृथ्वीराज नगर मानसरोवर जयपुर (राजस्थान)

मेरे दस्तावेज में मेरा नाम श्यामा शर्मा व श्यामलता शर्मा दर्ज है। जो कि दोनों मेरे ही नाम है। अतः भविष्य में मुझे श्यामलता शर्मा के नाम से ही जाना व पहचाना जावे। 12, तारा नगर कृष्ण कृपा अपार्टमेन्ट के पास, जगतपुरा, जयपुर, 9828293393

मैनें अपना नाम रामअवतार गुप्ता RAMAWTAR GUPTA से बदलकर RAMAVTAR KHANDELWAL पुत्र श्री प्रभुदयाल खण्डेलवाल निवासी C-2, भैरव पथ, लक्ष्मीनारायण पुरी, सूरजपोल जयपुर रख लिया है, भविष्य में मुझे RAMAVTAR KHANDELWAL के नाम से जाना पहचाना जावें।

मै कालू राम जाट, पुत्र श्री लादू राम जाट, निवासी 05, सेपटो की ढाणी, जोशीवास, खेजड़ावास, पोस्ट कालख, जयपुर, राजस्थान-303328, ने अपना नाम कालू राम जाट से बदलकर राम चौधरी रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे राम चौधरी के नाम से जाना जाए।

I Nattha Prasad dependent of army no. 17015605X rank HAV Arun kumar R/o Village- Rudauli, Teh. Sandila, Hardoi, Uttarpradesh have changed my name from Nattha Prasad to Nattharam and DOB from 01-03-1957 to 01-01-1957 in my son's service records for all future purposes. vide affidavit no. 58882 Dated 12-09-2026 Chirawa

I have changed my name from Govind Agarwal to Govind Ram Agarwal for all purpose in future. R/o 112, Govardhan Colony New Sanganer Road Sodala Jaipur-302019

I have change my name Reena Singhal to Reena Tarun Bansal for all legal and future purpose. Address: 67-A, Maharaj Kishan Singh Nagar, Dholai, Mansarovar, Jaipur- 302020

उत्तर पश्चिम रेलवे — **आवश्यक सूचना**
सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है, कि **समपार फाटक संख्या-242 (बोबास-आसलपुर जोबनेर)** जो कि **जयपुर-फुलेरा सैक्शन** के मध्य स्थित है को **दिनांक 24.09.2026, सुबह 07.00 बजे से 28.09.26 शाम 19.00** बजे तक पूर्णरूप से बन्द रहेगा। असुविधा के लिए खेद है। सड़क यातायात समपार फाटक संख्या 241 व 243 से निकाला जायेगा। 1380-DI/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

सक्षम प्राधिकारी भूमि अवाप्ति एवं उपखण्ड अधिकारी, जयपुर-द्वितीय, (सांगानेर) जिला जयपुर
क्रमांक: 932-936 दिनांक: 22/09/2026
जन सुनवाई/ आम सूचना
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि उक्त संदर्भित पत्र राजस्थान राजपत्र विशेषांक दिनांक 30, मार्च 2026 के माध्यम से राजस्थान राज्य के जयपुर-भीलवाड़ा सड़क पर मुहाना मंडी जंक्शन फ्लाईओवेर के निर्माण हेतु निम्नांकित गांवों में राज्य सरकार भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अधीन सार्वजनिक प्रयोजनार्थ सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चाकसू, जिला जयपुर के द्वारा राजस्थान राज्य के जयपुर-भीलवाड़ा सड़क पर मुहाना मंडी जंक्शन फ्लाईओवेर के निर्माण हेतु निम्नांकित गांवों में भूमि अधिग्रहण करने हेतु भूमि अर्जन से पूर्व सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) किया जाना प्रावधानित है। इस बाबत निम्न प्रभावित गाँव में भूमि अर्जन हेतु जन-सुनवाई बैठक का आयोजन किया जाना है। **जिसमें समस्त प्रभावित व्यक्तियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।**

क्र.सं.	गाँव का नाम	तहसील	दिनांक	स्थान	समय
1	सांगानेर	सांगानेर	25.09.2026	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय ढाणी कुमावतान सांगानेर	दोपहर 03.00 बजे से

कृपया इस कार्य को उच्च प्राथमिकता प्रदान करावें।
सक्षम प्राधिकारी भूमि अवाप्ति एवं उपखण्ड अधिकारी, जयपुर-द्वितीय, (सांगानेर) जिला जयपुर

मुख्य सचिव ने 13 पेंशनर्स को पीपीओ आदेश प्रदान किए

356 पेंडिंग पेंशन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर विभाग की सराहना

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित पेंशन अदालत में 13 पेंशनर्स को पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालयों में उपस्थित पेंशनर्स से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने।

■ 'बड़े अस्पतालों में पेंशनर्स के लिए अलग ओपीडी काउंटर बनाए जाए'

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को स्वास्थ्य भवन में पेंशन अदालत आयोजित की।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान का पेंशन सिस्टम देश के बेहतरीन पेंशन सिस्टम में से एक है। राज्य सरकार पेंशनर्स के अधिकारों और उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स की समस्याओं का समय पर समाधान सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में अब जिलों में भी पेंशन अदालतों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, पेंशन प्रक्रिया को और सरल एवं सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल पीपीओ जारी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वी. श्रीनिवास ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा पेंशन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जुलाई से अब तक विभाग में 486 पेंशन प्रकरण पेंडिंग थे, जिनमें से 356 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। उन्होंने शेष प्रकरणों का भी जल्द निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में पेंशन अदालत का नवाचार शुरू किया गया है। विभाग पेंशनर्स के मामलों में संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ समयबद्ध कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि जुलाई से अब तक पेंडिंग 486 पेंशन प्रकरणों में से 356 का निस्तारण किया जा चुका है। शेष प्रकरणों को भी जल्द पूरा किया जाएगा।

पेंशन अदालत में शासन सचिव कार्मिक अर्चना सिंह, शासन सचिव वित्त (व्यय) शिवांगी स्वर्णकार, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा,पेंशन निदेशक महेन्द्र सिंह भूकर, निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं पेंशनर्स उपस्थित रहे।

संजय भाटिया को राजस्थान भाजपा का प्रदेश प्रभारी बनाया

■ कविता पाटीदार और कुलजीत चहल बने सह-प्रभारी

■ सतीश पूनियां को पंजाब के साथ जम्मू कश्मीर का भी प्रभार

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी टीम में पहला बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए देशभर में राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियां की हैं। 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए की गई नियुक्तियों में राजस्थान के संगठन में भी बड़ा बदलाव हुआ है। डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल की जगह अब संजय भाटिया को राजस्थान का प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। वहीं राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार और दिल्ली भाजपा के नेता कुलजीत चहल को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्थान में प्रभारी बदलने की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल जुलाई 2024 से राजस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। करीब 26 महीने बाद पार्टी ने अब उनके स्थान पर संजय भाटिया को जिम्मेदारी सौंपी है। अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान राजस्थान में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम हुए।पार्टी के नए फैसले के बाद अब राजस्थान भाजपा में संगठन और आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर नई टीम के साथ कामकाज आगे बढ़ेगा। संजय भाटिया के सामने प्रदेश संगठन के साथ बेहतर समन्वय बनाने के साथ ही बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को गति देने की जिम्मेदारी होगी। राजस्थान के लिए नियुक्त दोनों सह-प्रभारियों का भी संगठनात्मक अनुभव है।कविता पाटीदारमध्यप्रदेश की रहने वाली हैं और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव एवं राज्यसभा सांसद हैं। वे मध्यप्रदेश में प्रदेश महामंत्री और इंदौर जिला पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं।वहींकुलजीत चहलदिल्ली भाजपा में लंबे समय से सक्रिय हैं। वे नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और नमो ऐप के नेशनल कन्वीनर की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

जयपुर के महापौर पद के निर्वाचन के लिए बैठक 25 को

जयपुर। रिटर्निंग अधिकारी, महापौर एवं उप महापौर आशीष कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष (महापौर) पद के निर्वाचन के लिए निर्वाचित सदस्यों की बैठक 25 सितम्बर को सभासद भवन, नगर निगम मुख्यालय, लालकोठी, जयपुर में आयोजित की जाएगी। जारी नोटिस के अनुसार अध्यक्ष/महापौर पद के लिए मतदान प्रातः 10 बजे से मध्याह्न पश्चात् 2.00 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत पश्चात् मतगणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, चाहे वह निर्वाचित सदस्य हो अथवा नहीं, बैठक में उपस्थित होकर मतदान प्रक्रिया एवं मतगणना देखने का हकदार होगा। हालांकि, मतदान केवल निर्वाचित सदस्य ही कर सकेंगे।

25 छायादार पेड़ लगाने पर मिलेगा साक्ष्य पेश करने का मौका

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने 12 साल पुराने एक जमीन अधिग्रहण से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता को अपनी साक्ष्य पेश करने का सशर्त अंतिम अवसर प्रदान किया है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इसके लिए सार्वजनिक स्थान पर 25 छायादार पेड़ लगाएगी और युवा वकीलों के लिए खरीदी जानी कानूनी पुस्तकों के लिए बनाए गए फंड में दस हजार रुपए जमा कराएगी। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश प्रमिला गुप्ता की याचिका पर दिए। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने अपनी जमीन के अधिग्रहण के बाद वर्ष 2014 में जयपुर के सीनियर सिविल जज के समक्ष मुआवजा और अन्य दावों को लेकर वाद दायर किया था। इसके चलते निचली अदालत ने 17 सितंबर 2019 को उनकी गवाही का अधिकार बंद कर दिया था। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि जिस समय गवाही बंद की गई, वह भारत में नहीं थीं। रिकॉर्ड के अनुसार, वह 17 मई 2019 से 27 नवंबर 2019 तक ऑस्ट्रेलिया में थी। इसलिए उसे अपनी साक्ष्य पेश करने का मौका दिया जाए।

जिला पुलिस कार्यालयों में बनेंगे ''पेंशन मित्र''

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की पहल पर बुधवार को पुलिस मुख्यालय में राज्य स्तरीय पेंशन अदालत आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने पेंशन प्रकरणों का 30 दिन में अनिवार्य रूप से निस्तारण करने तथा सेवानिवृत्ति के दिन या उससे पहले कार्मिकों को पीपीओ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला पुलिस कार्यालयों में जल्द 'पेंशन मित्र' स्थापित किए जाएंगे, जो पेंशनर्स को आवेदन से लेकर अन्य प्रक्रियाओं में सहायता करेंगे।

■ पुलिस मुख्यालय में राज्य स्तरीय पेंशन अदालत, पेंशन प्रकरण 30 दिन में निपटाने के निर्देश

■ सेवानिवृत्ति से पहले मिलेगा पीपीओ

मुख्य सचिव ने डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के साथ पेंशनर्स से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्य सचिव ने डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के साथ पेंशनर्स से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। विभिन्न जिलों के पेंशनर्स ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी समस्याएं रखीं। सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाले 22 पुलिसकर्मियों को पीपीओ किट देकर शुभकामनाएं दी गईं।

उन्होंने पेंशनर्स को डिजिटल रूप से सशक्त करने के लिए जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन बनवाने, अधिक पेंशनर्स वाले अस्पतालों में पृथक काउंटर की व्यवस्था करने और पेंशन से जुड़े कानूनी मामलों का आपसी समन्वय से आउट ऑफ कोर्ट निस्तारण करने के निर्देश दिए। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से सेवा अनुभव लिखवाने की पहल भी की जाएगी।

मुख्य सचिव ने 8वें वेतन आयोग को लेकर कहा कि राज्य सरकार की ओर से पेंशनर्स के साथ किसी प्रकार का अंतर नहीं रखा जाएगा और नियमानुसार लाभ देने के लिए आयोग को पत्र भेजा जा चुका है। पेंशनर्स से निरंतर संवाद के लिए रिटायर्ड पुलिस पेंशनर्स एसोसिएशन गठित करने के निर्देश भी दिए।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि राजकॉप सिटीजन ऐप में पेंशन, चिकित्सा बिल प्रतिपूर्ति सहित विभागीय और व्यक्तिगत समस्याएं घर बैठे दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है। मुख्य सचिव ने इस डिजिटल पहल की सराहना की। कार्यक्रम में पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न पेंशनर संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मास्टर चाबी से नई बाइक चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश

■ पुलिस ने तीन बदमाशों को पकड़ा, चोरी की 17 बाइकें बरामद

जयपुर। गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नई मोटरसाइकिलें चुराने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 17 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद बाइकों की अनुमानित बाजार कीमत करीब 24 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी दिन में कॉलोनियों में नई बाइक की रेकी करते और रात में मास्टर चाबी यानी एलंकी से लॉक तोड़कर बाइक चोरी कर ले जाते थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नई मोटरसाइकिलें चुराने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए अखिलेश मीणा (22) निवासी भुसावर जिला भरतपुर, उस्मान उर्फ मुन्ना (19) निवासी खो नागोरियान जयपुर तथा निशान्त उपाध्याय उर्फ निक्की (20) निवासी भुसावर जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अखिलेश मीणा गिरोह का मास्टरमाइंड है। उस्मान दिन में मकानों की सेटरिंग का काम करता था। इसी दौरान वह विभिन्न कॉलोनियों में खड़ी नई मोटरसाइकिलों की रेकी कर लेता था। इसके बाद तीनों आरोपी रात में अपनी अपाचे बाइक से निकलते और पहले से चिन्हित मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी यानी एलंकी की मदद से लॉक तोड़कर चोरी कर लेते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी चोरी की वारदातों को अंजाम देकर नशे और ऐशो-आराम के अपने शौक पूरे करते थे। पूछताछ में गिरोह के जयपुर के अलग-अलग इलाकों में बाइक चोरी की वारदातों में शामिल होने की जानकारी सामने आई है।

नारायणा हॉस्पिटल में जटिल रिवीजन घुटना प्रत्यारोपण सफल

■ 11 साल पुराने इंप्लांट को बदलकर रोटेटिंग हिंज जॉइंट लगाया, दूसरे दिन ही चलने लगी मरीज

जयपुर। घुटने का प्राथमिक प्रत्यारोपण आजकल सामान्य सर्जरी बन चुका है, लेकिन रिवीजन घुटना प्रत्यारोपण अपेक्षाकृत जटिल और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण, दक्षता, अनुभव और अत्याधुनिक रिवीजन इंप्लांट की आवश्यकता होती है। नारायणा हॉस्पिटल में जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. विजय शर्मा और उनकी टीम ने ऐसे ही एक जटिल रिवीजन घुटना प्रत्यारोपण को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि 67 वर्षीय महिला का करीब 11 वर्ष पहले घुटने का प्रत्यारोपण हुआ था और वह पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रही थीं। करीब तीन वर्ष पहले गिरने के कारण उनके मेडियल कोलैटरल लिगामेंट में चोट आ गई, जिससे घुटने का जोड़ असंतुलित हो गया और मरीज को चलने में काफी परेशानी होने लगी।

रिवीजन सर्जरी की जटिलता और डर के कारण मरीज ने लंबे समय तक ऑपरेशन टाल दिया। बाद में परेशानी बढ़ने पर उन्होंने सर्जरी कराने का निर्णय लिया। डॉ. विजय शर्मा ने पुराने इंप्लांट को सावधानीपूर्वक निकालकर उसकी जगह रिवीजन रोटेटिंग हिंज जॉइंट लगाया।

डॉ. शर्मा के अनुसार, सामान्यतः रिवीजन घुटना प्रत्यारोपण इंप्लांट के ढीला (लूसनिंग) होने की स्थिति में किया जाता है। ऐसे मामलों में पुराने ढीले इंप्लांट को निकालना अपेक्षाकृत आसान होता है। लेकिन इस मरीज के मामले में पुराने इंप्लांट पूरी तरह सॉलिड और फिक्स्ड थे।

ऐसे इंप्लांट को निकालने में हड्डी को नुकसान पहुंचने तथा फ्रैक्चर का खतरा रहता है। विशेष प्रशिक्षण और लंबे अनुभव के चलते टीम ने इस चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

सर्जरी के दूसरे दिन से ही मरीज संतुलित चाल के साथ चलने लगी, जिसे उपचार टीम ने सर्जरी की सफलता का महत्वपूर्ण परिणाम बताया। इस जटिल सर्जरी में डॉ. विजय शर्मा को डॉ. मनीष गुप्ता सहित एनेस्थीसिया टीम का सहयोग मिला।

महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 स्पोर्ट क्यु का उद्घाटन

जयपुर। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक वाहन बीई6 स्पोर्ट क्यु सीरीज़ का भव्य उद्घाटन ऑटो वर्ल्ड डीलरशिप पर किया गया। इस अवसर पर मोहित फलोड़ द्वारा नई बीई6 स्पोर्ट क्यु का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में ऑटोमोबाइल एवं कॉर्पोरेट जगत से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में वरुण शर्मा, पूर्वी आर्या, नेहा चौधरी, डायरेक्टर अनुपम सांखला एवं विनीत सहगल सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों एवं वाहन प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। महिंद्रा की नई बीई6 स्पोर्ट क्यु सीरीज़ की शुरुआती कीमत 11.45 लाख रखी गई है। यह वाहन अपने आधुनिक डिजाइन, शानदार परफॉर्मेंस और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में एक नया अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है।

विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय एवं कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा

ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका एवं जनसुविधाओं के विस्तार पर विशेष बल

जयपुर। राज्य सरकार के ग्रामीण क्षेत्रों के त्वरित, समावेशी और सर्वांगीण विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को शासन सचिवालय में ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में 'विकसित भारत-जी राम जी योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न विभागों के मध्य अभिसरण (कन्वर्जन्स) की प्रगति की समीक्षा हेतु नोडल बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण आजीविका, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर विस्तृत मंत्रणा की गई।

■ विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने 'विकसित भारत-जी राम जी योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा हेतु नोडल बैठक ली।

बैठक में बताया गया कि योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण से निपटने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अमृत पोषण वाटिका और अमृत ग्रामीण हाट बाजार के निर्माण कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी, राजीविका तथा पंचायती राज विभाग के आपसी समन्वय से विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों को ताजे फल व सब्जियों की आपूर्ति सुगम बनाई जाएगा।

ग्रामीण युवाओं और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अमृत ज्ञान केंद्र (ग्रामीण पुस्तकालय), अटल पुस्तकालयों तथा विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत विद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और उनके सुचारू रखरखाव पर विशेष बल दिया जा रहा है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पशुधन के संरक्षण हेतु पशु आश्रय स्थलों और चारा उत्पादन कार्यों के प्रस्तावों को विकसित ग्राम पंचायत कार्ययोजना में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमृत संजीवनी पार्क, नमो नर्सरी तथा जलग्रहण विकास कार्यों के माध्यम से बड़े पैमाने पर पौधारोपण और औषधीय पौधों के संरक्षण की पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री का यह प्रयास ग्रामीण अंचल में समृद्धि, स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोलेगा, जिससे प्रत्येक ग्राम पंचायत का समग्र एवं संतुलित विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

भारत और जापान को एक साथ खेलते देखना ही शानदार था, लेकिन दर्शकों को क्रिकेट समझने में मदद करने के लिए इस तरह की जानकारी देना उन्हें सबसे ज्यादा अच्छा लगा।

– सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, जापान में खेली जा रही क्रिकेट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ वंश बेदी

दिल्ली के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज वंश बेदी ने भारतीय क्रिकेट से जुड़े कथित मैच फिक्सिंग विवाद में अपना नाम सामने आने के बाद सफाई दी है। वंश बेदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि उनका नाम पूर्व रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर रचित भाटिया के कथित स्टिंग अभियान में बताए गए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी से जोड़ना पूरी तरह गलत है। उन्होंने इस तरह के दावों को झूठा और मानहानि करने वाला बताया है। वंश बेदी ने अपने बयान में साफ कहा है कि वह उस खिलाड़ी नहीं हैं, जिसका कथित तौर पर रचित भाटिया ने जिक्र किया था।

क्या आप जानते हैं ?... तीन बार की ओलंपियन पीटी उषा ने सियोल 1986 खेलों में चार स्पर्धाओं (200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर हर्डल रेस और 4 गुणा 400 मीटर रिले) में एशियन गेम्स रिकॉर्ड को तोड़ा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 20-1 से रौंदा, दीपिका ने दागे नौ गोल

// एशियाई खेल //

आइची-नगोया (जापान), 23 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेल में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को पूल बी के मुकाबले में थाईलैंड को 20-1 से रौंद दिया। गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ भारत ने लगातार तीसरे मुकाबले में दोहरे अंक में गोल किए। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। अब भारत का सामना शुक्रवार को जापान से होगा।

भारत ने इससे पहले उज्बेकिस्तान को 19-0 और इंडोनेशिया को 17-1 से हराया था। थाईलैंड के खिलाफ भारत की ओर से दीपिका ने नौ गोल किए, जबकि नवनीत कौर ने चार और रुतुजा पिसाल ने तीन गोल दागे। नेहा, लालरेमसियामी, साक्षी राणा और कप्तान सलीमा टेटे ने भी एक-एक गोल किया। दीपिका ने अपने सभी नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। वह एशियाई खेलों में एक ही मुकाबले में नौ गोल करने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी बन गईं। तीन मुकाबलों में दीपिका अब तक भारत के लिए 20 गोल कर चुकी हैं। भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और थाईलैंड की रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया। भारतीय खिलाड़ियों ने पेनल्टी कॉर्नर का भी प्रभावी इस्तेमाल किया और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। थाईलैंड को मैच के चौथे क्वार्टर में आखिरकार एक गोल मिला। सुपांसा सामांसो के पेनल्टी कॉर्नर पर लगाए गए ड्रैग-फ्लिक में मामूली डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद भारतीय गोल में चली गई। भारत ने हांगझोउ में 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारतीय महिला टीम अब 1982 के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के उद्घाटन महिला हॉकी टूर्नामेंट में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था।

लक्ष्य रायचंदानी के नाबाद शतक की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया

राजकोट, 23 सितंबर। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की नाबाद 110 रन की शानदार पारी की बदौलत भारत अंडर-19 ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। निरंजन शाह स्टेडियम में लक्ष्य ने 106 गेंदों पर नाबाद 110 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मुकाबले में जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करते हुए भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले दो मैचों में अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाने वाले लक्ष्य ने इस बार शानदार शतक लगाया। 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने तेज शुरुआत की। लक्ष्य ने आर्यवीर सहवाग के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद उन्होंने तीसरे विकेट के लिए कुशाग्र ओझा के साथ 85 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। आर्यवीर ने पांच चौके लगाए और अच्छी लय में नजर आ रहे थे लेकिन जैकब पीट्ज की गेंद पर शॉट लगाने के प्रयास में गेंद को सही तरीके से टाइम नहीं कर सके।

// एशियाई खेल //

मीराबाई चानू ने जीता एशियाई खेलों का अपना पहला पदक, 49 किग्रा वर्ग में हासिल किया रजत

आइची-नगोया, 23 सितंबर। ओलंपिक पदक विजेता और तीन बार की राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपना पहला पदक जीत लिया। उन्होंने आइची-नगोया एशियाई खेलों की महिला 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। चानू ने प्रतियोगिता में कुल 198 किग्रा वजन उठाया। स्नैच वर्ग में उन्होंने अपने तीनों प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और क्रमशः 83, 85 और 87 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में चानू ने 107 किग्रा के सफल प्रयास के साथ शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 111 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह उनका कुल स्कोर 198 किग्रा रहा। उत्तर कोरिया की री सोंग गुम ने 215 किग्रा के कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई चानू को 198 किग्रा के साथ रजत पदक मिला, जबकि विजायना ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

टेबल टेनिस : मानुष-दीया और हरमीत-यशस्विनी की जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा के तीसरे दौर में

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह-दीया चितले और हरमीत देसाई-यशस्विनी घोरपड़े ने बुधवार को एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले चरण में जगह बनाई। मानुष और दीया ने श्रीलंका के चानुल कुलप्पुवावडु और बिमांडी स्वर्णा को 3-0 से हराया। भारतीय जोड़ी ने मुकाबला 11-8, 12-10, 11-4 से अपने नाम किया। वहीं, हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने मालदीव के मोहम्मद इस्माइल और फातिमाथ अली को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

महिला स्कीट टीम ने जीता कांस्य, भारत को दिलाया आठवां पदक

माहेश्वरी चौहान, परिनाज धालीवाल और राइजा ढिल्लों की भारतीय महिला स्कीट टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर भारत को आठवां पदक दिलाया। तीनों निशानेबाजों ने तीन दिनों तक चले क्वालीफिकेशन मुकाबलों के बाद कुल 331 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 357 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान की टीम 336 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसे रजत पदक मिला। भारत का यह एशियाई खेलों में आठवां पदक है। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आईपीएल 2027 का ऑक्शन गोवा में होगा : सैकिया

नई दिल्ली, 23 सितंबर। आईपीएल 2027 का ऑक्शन गोवा में होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिसंबर में मिनी ऑक्शन आयोजित किया जाएगा। पिछले तीनों ऑक्शन भारत से बाहर हुए थे। 2024 में दुबई, 2025 में सऊदी अरब के जेद्दा और 2026 में अबूधाबी में नीलामी कराई गई थी। ऑक्शन की तारीख और वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है। वेन्यू चुनते समय बीसीसीआई फ्रेंचाइजियों और उनके डेलिगेशन के ठहरने की व्यवस्था को सबसे ज्यादा महत्व देगा। अक्टूबर से दिसंबर तक भारत में वेडिंग सीजन होने के कारण 5-स्टार होटल में पर्याप्त कमरे मिलना भी एक बड़ा फैक्टर रहेगा। बीसीसीआई को ऑक्शन के लिए दो रातों के लिए 100 से ज्यादा कमरों की जरूरत होती है।

टीम आरपीसी ने 10-4 के स्कोर से नाहरगढ़ को हराया

जयपुर, 23 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आउट ऑफ हैट कैटेगरी में जयपुर जूनियर ओपन अंडर-21 टूर्नामेंट का मैच खेला गया। यह मुकाबला 61 कैवेलरी ग्राउंड पर टीम नाहरगढ़ और टीम आरपीसी के बीच हुआ। टीम आरपीसी ने 10-4 के स्कोर से टीम नाहरगढ़ को शिकस्त दी। विजेता टीम आरपीसी से दिव्यमान सिंह ने 5 गोल और लक्षयराज सिंह ने 3 गोल हासिल किए। वहीं, रुक्मणी कुमारी और हर्षोदय सिंह ने 1-1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ से अमान सिंह वारिंग ने 3 गोल और ग्रंथ रोहिल्ला ने 1 गोल किया। टीम में ऋषिराज सिंह और यशोवर्धन सिंह भी शामिल रहे।

हल्दीघाटी और जयपुर का मैच आज - वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न के तहत आर्मी सीडीआर'एस कप (6 गोल्स) का मुकाबला आज राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में रात 7 बजे से खेला जाएगा।

बॉल बैडमिंटन की पुरुष एवं महिला टीमों की घोषणा

जयपुर, 23 सितम्बर। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव श्री शौकत अली मंसूरी के अनुसार, राजस्थान की पुरुष एवं महिला बॉल बैडमिंटन टीमें 72वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026-27 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 28 सितम्बर 2026 तक श्रीकालहस्ती, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में आयोजित की जाएगी।

उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की पुरुष एवं महिला टीमों का चयन 24 से 26 अगस्त 2026 तक मालपुरा, टोंक में आयोजित 9वीं सीनियर राज्य बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026-27 में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने बांग्लादेश को 48-25 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

भारत ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारतीय टीम ने बुधवार को ग्रुप ए के मुकाबले में बांग्लादेश को 48-25 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। तोकाई सिटिजंस जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। भारतीय टीम ने पहले हाफ में बांग्लादेश के डिफेंस और रेडिंग को लगातार चुनौती दी और 18 आउट अंक तथा सात बोनस अंक हासिल किए। भारत ने इस दौरान दो बार ऑलआउट भी किया और चार अतिरिक्त अंक अपने खाते में जोड़े। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप ए में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले भारतीय टीम ने मेजबान जापान और दक्षिण कोरिया को हराया था। लगातार तीन जीत के बाद भारत ने पुरुष कबड्डी के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत अब अपने अंतिम ग्रुप चरण के मुकाबले में 24 सितंबर को सुबह 9:45 बजे चीनी ताइपे का सामना करेगा। भारतीय टीम एशियाई खेलों में पुरुष कबड्डी का अपना नौवां स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-23 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंची

गत चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान को जारी रखते हुए बुधवार को ग्रुप ए के मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराया। टोकेई सिटीजन्स जिम्नेजियम में मिली इस जीत के साथ भारत सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। भारत के 37 अंकों में सात बोनस अंक और चार ऑल-आउट अंक शामिल रहे। ईरान ने पूरे मुकाबले में छह बोनस अंक हासिल किए। भारत के डिफेंस ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया और दूसरे हाफ में एक सुपर टैकल अंक हासिल किया। भारत अब ग्रुप ए के अपने अंतिम मुकाबले में 24 सितंबर को शाम 4:15 बजे जापान का सामना करेगा। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम की सेमीफाइनल में जगह की स्थिति तय होगी।

बैटमिंटन में भारत को मिला कांस्य! लक्ष्य और आयुष रहे फ्लॉप

नई दिल्ली, 23 सितंबर। एशियन गेम्स की पुरुष बैडमिंटन स्पर्धा में भारतीय टीम की स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। सेमीफाइनल मुकाबले में चीन के हाथों 1-3 से मिली हार के बाद भारत को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी जैसे शीर्ष सिंगल्स खिलाड़ियों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत खिताबी रेस से बाहर हो गया। हालांकि, इस हार के बावजूद भारतीय पुरुष टीम ने लगातार दूसरे एशियाई खेलों में पदक हासिल करने की उपलब्धि अपने नाम की। इससे पहले मंगलवार को भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर-फाइनल में मेजबान जापान को 3-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

राजस्थान के चेतन शर्मा व गणेश सुथार का शेष भारत अंडर-23 टीम में चयन

जयपुर, 23 सितम्बर। बीसीसीआई आल इंडिया जूनियर चयन कमेटी ने राजस्थान के युवा खिलाडी चेतन शर्मा व गणेश सुथार का चयन शेष भारत अंडर 23 टीम में किया है। शेष भारत अंडर 23 टीम व बीसीसीआई अंडर 23सी केनायडू ट्रॉफी 2025- 26 की विजेता तमिलनाडु का मैचआगामी 1-4 अक्टूबर 2026 को एम ए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई में खेला जायेगा। राजस्थान रणजी संभावितों के चयन हेतु प्रैक्टिस मैच 26 सितम्बर से जयपुर में खेले जायेंगे राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन के लिए नियुक्त प्रशासक वरिष्ठ आईएएस भास्कर ए सावंत (अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग) के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान रणजी टीम के संभावितों के चयन हेतु आगामी 26 सितम्बर से सीनियर प्रैक्टिस मैचों का आयोजन जयपुर में किया जायेगा। प्रैक्टिस मैचों हेतु राजस्थान सीनियर चयन कमेटी द्वारा टीम ए , टीम बी , टीम सी व टीम डी के लिए चयनित खिलाड़ियोंकी सूचीव मैचों का शेड्यूलसाथ में संलग्न है।

राजस्थान अंडर 19 टीम के संभावितों के चयन हेतु प्रैक्टिस मैच 26 सितम्बर से जयपुर में खेले जायेंगे - राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की अंडर 19 वीनू मांकड़ एक दिवसीय ट्रॉफी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 19 टीम के संभावितों के चयन हेतु आगामी 26 सितम्बर से प्रैक्टिस मैचों का आयोजन जयपुर में किया जायेगा। प्रैक्टिस मैचों हेतु राजस्थान जूनियर चयन कमेटी द्वारा टीम ए , टीम बी , टीम सी व टीम डी के लिए चयनित खिलाडियों की सूचिव मैचों का शेडूलसाथ में संलग्न है ।

चीन से सेमीफाइनल में हारी भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम

आइची-नगोया, 23 सितंबर। भारत ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुष टीम बैडमिंटन स्पर्धा का अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। भारतीय टीम को बुधवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में चीन के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह एशियाई खेलों के इतिहास में भारत का बैडमिंटन में दूसरा पदक है। इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने हांगझोउ 2023 में पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता था। आइची-नागोया में भारतीय टीम ने क्वार्टर फाइनल में जापान को हराकर पहली बार पुरुष टीम स्पर्धा में एशियाई खेलों का पदक पक्का किया था। हालांकि, सेमीफाइनल में मजबूत चीनी टीम के खिलाफ भारतीय चुनौती आगे नहीं बढ़ सकी। पहले मुकाबले में भारत के स्टार एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन का सामना पूर्व विश्व चैंपियन शी यूकी से हुआ। लंबे और थकाऊ मुकाबले में लक्ष्य को 16-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा और चीन ने बढ़त बना ली। इसके बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भारत की वापसी कराई। भारतीय जोड़ी ने परिचित प्रतिद्वंद्वी लियांग वेइकेंग और वांग चांग को सीधे गेम में 21-11, 22-20 से हराकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

जय मीना ने जीता कांस्य, सॉफ्ट टेनिस में भारत को पहला पदक दिलाकर रचा इतिहास

जय मीना ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुष एकल सॉफ्ट टेनिस में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह एशियाई खेलों में सॉफ्ट टेनिस में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। जय मीना का ऐतिहासिक अभियान सेमीफाइनल में जापान के ताकुया कुरोसाका से 3-5, 1-4, 1-4, 4-1, 6-4, 1-4 से हार के साथ समाप्त हुआ। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही उनका कांस्य पदक पहले ही पक्का हो गया था। मीना ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराया था। उन्होंने यह मुकाबला 0-4, 4-2, 2-4, 4-2, 5-3, 2-4, 7-5 के गेम स्कोर से जीता था। इस जीत के साथ उन्होंने एशियाई खेलों में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला पदक सुनिश्चित किया था। यह कांस्य पदक अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस में मीना के लगातार उभरते प्रदर्शन को दर्शाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रदर्शन 2024 विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में आया, जहां उन्होंने आध्या तिवारी के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता था। यह विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक था।

पुरुष स्कीट टीम ने जीता कांस्य, अनंतजीत नरूका व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचे

भारतीय निशानेबाजों अनंतजीत सिंह नरूका, मेराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल की पुरुष स्कीट टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत लिया। भारतीय टीम ने 346 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। कजाकिस्तान के साथ समान अंक रहने के बाद शूट-ऑफ में जीत दर्ज कर भारत ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अनंतजीत सिंह नरूका ने पुरुष स्कीट की व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बना ली है। उन्होंने क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन किया और अब वह दोपहर 12:30 बजे भारतीय समयानुसार होने वाले फाइनल में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाई

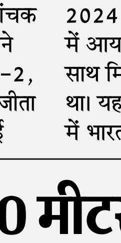

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु ने क्वालीफिकेशन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और शीर्ष तीन में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत की ईशा सिंह 572 अंक के साथ 15वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वहीं, सुरुचि सिंह ने 568 अंक के साथ 26वां स्थान हासिल किया। भारत को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में वियतनाम से पदक के लिए कड़े मुकाबले में हार मिली।

सतनाम-सलमान और बलराज पंवार रोइंग के फाइनल में पहुंचे

भारतीय रोइंग खिलाड़ियों सतनाम सिंह, सलमान खान और बलराज पंवार ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपने-अपने मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा के फाइनल ए में प्रवेश किया। दोनों ने अपनी हीट में 6 मिनट 15.63 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में वे चौथे स्थान पर रहे। डबल स्कल्स का फाइनल गुरुवार को होगा। पुरुष सिंगल स्कल्स स्पर्धा में बलराज पंवार ने भी फाइनल ए में जगह बनाई। उन्होंने अपनी हीट में 6 मिनट 52.84 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में बलराज चौथे स्थान पर रहे और अब उनके पास पदक जीतने का मौका होगा।

अंकुश पंघाल 80 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने बुधवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने राउंड ऑफ 32 मुकाबले में बहरीन के हमसा वोगेल को सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से हराया। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर एशियाई खेलों में पहुंचे अंकुश ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। पहले दौर में उन्होंने सतर्क शुरुआत के बाद लय हासिल की और प्रभावी पंच लगाकर बढ़त बनाई। सभी पांचों जजों ने यह राउंड अंकुश के पक्ष में दिया। दूसरे दौर में वोगेल ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन अंकुश ने दमदार पंचों के संयोजन के साथ जवाब दिया और मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। सभी पांचों जजों ने एक बार फिर अंकुश को 5-0 से विजेता माना।

नामांकन के पहले ही दिन आरसीए के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया

आरसीए चुनाव : पहली बार महिला ने भरा नामांकन, शोभना ने कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए दाखिल किया पर्चा

जयपुर, 23 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चुनाव के लिए बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन के पहले ही दिन आरसीए के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। दौसा जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्ष शोभना गुर्जर ने कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। आरसीए के चुनावी इतिहास में पहली बार किसी महिला ने किसी पद के लिए नामांकन किया है।

नामांकन दाखिल करने के बाद शोभना गुर्जर ने कहा कि अब महिलाएं क्रिकेट के क्षेत्र में लगातार आगे आ रही हैं। महिलाएं खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं और क्रिकेट से जुड़े दूसरे क्षेत्रों में भी उनकी भागीदारी बढ़ रही है। ऐसे में क्रिकेट के संचालन और प्रशासन में भी महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है। खेल के आयोजन, प्रशासन, खिलाड़ियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने और क्रिकेट को आगे बढ़ाने में भी महिलाओं की भूमिका होनी चाहिए। उनका प्रयास रहेगा कि महिलाओं और युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिले।

प्रधान और शूटर भी

शोभना गुर्जर इससे पहले दौसा में पंचायत समिति प्रधान रह चुकी हैं और स्कूल स्टेट चैंपियनशिप में शूटिंग में पदक भी जीता है। शोभना गुर्जर के नामांकन को आरसीए में महिला भागीदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। अब तक आरसीए के चुनाव और प्रशासन में पुरुष पदाधिकारियों का दबदबा रहा है। ऐसे में पहली बार किसी महिला का नामांकन हुआ है। 29 सितंबर को होने वाले मतदान से पहले राजनीतिक परिवारों से जुड़े दावेदारों के नाम चर्चा के केंद्र में हैं।

चुनाव में सात नेतापुत्र भी मैदान में

चुनाव में सात नेतापुत्र भी अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं, जिसमें विधायक जसवंत यादव के बेटे मोहित यादव, घनश्याम तिवाड़ी के बेटे आशीष तिवाड़ी, मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय खींवसर, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह, मंत्री मदन दिलावर के बेटे पवन दिलावर, महेंद्रजीत मालवीय के बेटे प्रेम प्रताप मालवीय, मंत्री ओटाराम देवासी के बेटे विक्रम देवासी शामिल हैं। इसके अलावा भाजपा और कांग्रेस के विधायकों के नाम भी शामिल हैं। भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी और दर्शन सिंह गुर्जर के साथ कांग्रेस के विधायक रतन देवासी और रोहित बोहरा भी जिला संघों के सदस्य हैं। इसके अलावा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और राजस्व मंत्री हेमंत मीणा भी इसमें शामिल हैं।

आरसीए में 26 तक नामांकन

अब आरसीए में आज से 26 सितंबर तक नामांकन होंगे। 27 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच और 28 सितंबर को नाम वापसी होगी। इसी दिन शाम 6 बजे उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। 29 सितंबर को जयपुर स्थित आरसीए अकादमी में सुबह 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक मतदान होगा। मतदान के तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। 22 सितंबर को शाम 5 बजे अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है।

अध्यक्ष तय हुआ तो बाकी पांच पदों का समीकरण भी साफ होगा

आरसीए चुनाव में सबसे बड़ा सवाल अध्यक्ष पद को लेकर है। अगर किसी एक दावेदार के नाम पर सहमति बनती है तो उसके बाद दूसरे प्रमुख दावेदार को सचिव, कोषाध्यक्ष या उपाध्यक्ष पद पर एडजस्ट करने का फॉर्मूला सामने आ सकता है। इसी तरह अगर सचिव पद के लिए किसी एक नाम पर सहमति बनती है, तो दूसरे दावेदार को कोषाध्यक्ष या उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की कोशिश हो सकती है। यानी आरसीए में छह पदों का चुनाव अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़े समीकरणों के साथ लड़ा जा रहा है। नामांकन शुरू होने के साथ अब यह लॉबिंग और तेज होने की संभावना है। आने वाले दिनों में उम्मीदवारों के नामांकन, नाम वापसी और जिला संघों के वोटों के समीकरण से तस्वीर और साफ होगी।

संयुक्त सचिव के लिए भी कई नाम

संयुक्त सचिव पद के लिए गोविंद स्वरूप उपाध्याय, धर्मवीर सिंह शेखावत, सुशील जैन और मनोज चौधरी के नाम प्रमुख दावेदारों के रूप में सामने आए हैं। इस पद को लेकर भी जिला संघों के पदाधिकारियों से संपर्क का दौर शुरू हो चुका है। इसके अलावा मनोज शर्मा, मुकेश शाह और अभिषेक शर्मा के नाम भी अन्य प्रमुख पदों की दावेदारी में चर्चा में हैं। अगर अध्यक्ष, सचिव या कोषाध्यक्ष पद पर किसी बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़े दावेदार को जगह मिलती है तो बाकी दावेदारों को दूसरे पदों पर समायोजित करने की संभावना चुनावी समीकरणों का अहम हिस्सा बन सकती है। 29 सितंबर को 38 वोटर फैसला करेंगे कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की नई सरकार किसकी होगी।

प्रदेश की दशकों से अटकी परियोजनाओं का समाधान हुआ है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प यात्रा अभियान को संबोधित किया व बाबा रामदेव मंदिर के दर्शन किए

जैतारण/जयपुर, 23 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास के लिए ऐसा रोडमैप तैयार किया है, जिससे प्रदेश के हर गांव का सुनियोजित विकास होगा। इसमें खेल मैदान से लेकर अटल ज्ञान केन्द्रों की सुविधाएं शामिल हैं। हमारी सरकार की मंशा है कि युवा इन अटल ज्ञान केन्द्रों में ई-लर्निंग की सुविधाओं का फायदा उठाएं और भविष्य को उज्ज्वल बनाएं।

मुख्यमंत्री बुधवार को जैतारण में सेवा संवाद कार्यक्रम-सेवा संकल्प

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास का ऐसा रोड मैप तैयार किया है, जिससे प्रदेश के हर गाँव का सुनियोजित विकास होगा।

यात्रा अभियान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की दशकों से अटकी परियोजनाओं का समाधान हुआ है। राजस्थान की पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए रामजल सेतु, यमुना जल समझौता, नर्मदा समझौता और किशाऊ बहुद्देश्यीय बांध परियोजना जैसे बड़े अंतरराज्यीय समझौते हुए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैतारण में सेवा संवाद कार्यक्रम-सेवा संकल्प यात्रा अभियान को संबोधित किया। इस अवसर पर आमजन व कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक एवं ट्राई साइकिल वितरित कीं। मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधारोपण भी किया। साथ ही, उन्होंने पावन धाम परिसर में जैन संत रूपमुनि महाराज एवं मिश्रीमल महाराज के समाधि स्थल पर नमन किया।

बुधवार को ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जैसलमेर के रामदेवरा पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा रामदेव मंदिर में पावन समाधि के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना की तथा मंदिर परिसर में ही डालीबाई की समाधि के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने जम्मा-जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया। मुख्यमंत्री ने निःशुल्क भोजनशाला में श्रद्धालुओं को प्रसादी परोसी। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने बस स्टैण्ड से पदयात्रा प्रारंभ की तथा मुख्य बाजार से होते हुए मंदिर तक पहुंचे। पद यात्रा में मुख्यमंत्री बाबा रामदेव की ध्वजा (नेजा) थामे हुए थे। मंदिर दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने रामदेवरा के मुख्य बाजार में जनप्रतिनिधियों के साथ चाय पी तथा आमजन से बातचीत की।

ट्रंप प्रोटोकॉल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी विश्व नेता का बेस पर व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेगा।

इससे पहले 1962 में जॉन एफ. कैनेडी ने टारमैक पर यूके के प्रधानमंत्री हैरोल्ड मैकमिलन का स्वागत किया था।

फाइनेंशियल टाइम्स ने रिपोर्ट दी कि यह कदम शी के प्रति ट्रंप के गहरे सम्मान को प्रदर्शित करेगा।

'महिलाओं की सुरक्षा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, "बड़ी जिम्मेदारी यह है कि माहौल को ही अधिक भरोसेमंद और सुरक्षित बनाया जाए।" ज्ञातव्य है कि सोमवार शाम एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर तीन लोगों ने कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में बलात्कार किया था। यह पार्क कॉलेज परिसर से करीब दो किलोमीटर दूर है। एलएसआर की प्रिंसिपल कनिका के आहूजा ने कहा, "दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलने के बाद हमने कक्षाएं रद्द कर दीं। हमारी छात्राओं की सुरक्षा, संरक्षा और उनका कल्याण हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।" कॉलेज ने अमर कॉलोनी पुलिस थाने से भी कहा है कि वह परिसर से जुड़ी गलियों में गश्त बढ़ाये, खासकर पिछले गेट और आसपास के पार्कों के पास। कॉलेज ने कहा कि वह दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है और परिसर के अंदर और आसपास सुरक्षा मजबूत करने के लिए कदम उठा रहा है। फैकल्टी मैन्टॉर्स (मार्गदर्शक शिक्षक) और कॉलेज के काउंसलर से भी कहा गया है कि जिन छात्राओं को सहायता की जरूरत हो, उनके लिए वे उपलब्ध रहें।

"ज्ञानेश कुमार को गिरफ्तार करें व पुरानी मतदान सूची से फिर विधानसभा चुनाव करायें"

कोलकाता, 23 सितंबर। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तत्काल गिरफ्तारी और राज्य में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) से पहले वाली मतदाता सूची के आधार पर नए सिरे से विधानसभा चुनाव कराने की मांग की है।

फेसबुक लाइव के माध्यम से जनता को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को तुरंत गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह संवैधानिक पद उनके जैसे व्यक्ति के लिए नहीं है।

मायावती ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में बीएसपी की ऑल-इंडिया स्तर की विशेष बैठक की। बैठक में इन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव बसपा द्वारा अकेले लड़ने की तैयारियों और उम्मीदवार चयन को लेकर पिछले दिशा-निर्देशों के अमल की समीक्षा की गई।

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति बड़ी बैंच को भेजने पर एकमत नहीं हैं सुप्रीम कोर्ट के जज

जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा मामले को संविधान पीठ में भेजना चाहते हैं, पर जस्टिस दत्ता इसके खिलाफ हैं

■ पिछली सुनवाई में केन्द्र सरकार ने मामले को संविधान बैंच को भेजने की मांग की थी और 30 जुलाई को उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा था।

नई दिल्ली, 23 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच जजों की बड़ी बेंच के पास भेजने के मुद्दे पर दो जजों की बेंच ने विभाजित फैसला सुनाया। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने अपने फैसले में कहा कि मामले को संविधान पीठ के पास भेजने की जरूरत नहीं है और इस पर दो जजों की बेंच ही फैसला कर सकती है। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने मामले को संविधान पीठ के पास भेजने के पक्ष में फैसला दिया।

उच्चतम न्यायालय ने 30 जुलाई को फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान, केन्द्र सरकार ने इस मामले को संविधान बेंच को भेजने की मांग की थी। केन्द्र सरकार की ओर से अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ के मामले में बड़ी बेंच के फैसले की जरुरत है। इस मामले में एडीआर के अलावा एक याचिका जया ठाकुर ने दायर की थी। याचिका में चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश को भी रखने की मांग की गई थी। इस मामले पर उच्चतम न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले कुछ वकीलों ने भी याचिका दायर कर रखी थी। याचिका में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद केन्द्र सरकार की ओर से लाए गए नए कानून को चुनौती देते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों में देश के मुख्य न्यायाधीश को भी पैनल में शामिल करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि चुनाव में पारदर्शिता लाने के मद्देनजर मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाले पैनल में मुख्य न्यायाधीश को भी शामिल किया जाना जरुरी है।

'बिना सुनवाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्रवाई को अवैध घोषित किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने जेडीए के संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

'राजनैतिक दुष्प्रचार को बार-बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के समर्थन को भी दोहराया गया।

विदेश मंत्रालय ने कहा, "भारत तथाकथित ओआईसी कॉन्टैक्ट ग्रुप की जम्मू-कश्मीर पर जारी संयुक्त विज्ञप्ति में उल्लेखित भारत के संदर्भों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है, जो अनावश्यक और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। ओआईसी को उन मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार ही नहीं है, जो पूरी तरह भारत के आंतरिक मामले हैं।" मंत्रालय ने कहा, "जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संपूर्ण केन्द्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं और राजनीतिक रूप से प्रेरित दुष्प्रचार को बार-बार दोहराने से यह वास्तविकता बदल नहीं सकती। इस तरह के प्रेरित आख्यानों का बार-बार समर्थन करना ओआईसी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

मंत्रालय ने ओआईसी को सलाह दी कि वह पाकिस्तान के रिकॉर्ड पर ध्यान केन्द्रित करे, न कि उसके दावों को बढ़ावा दे। बयान में कहा गया, "पाकिस्तान को उसके मनगढ़ंत और प्रेरित दुष्प्रचार को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराने के बजाय, ओआईसी के लिए बेहतर होगा कि वह पाकिस्तान, जिसका आतंकवाद का समर्थन और प्रायोजन करने का एक अच्छा-खासा दस्तावेजीकृत रिकॉर्ड है, को सलाह दे कि वह आत्मनिरीक्षण करे और उसके नियंत्रण वाले क्षेत्रों से लगातार उत्पन्न हो रहे आतंकवाद के खतरे से निपटे।

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने ओआईसी सदस्य देशों से आग्रह किया कि वे संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर एकजुट रुख बनाए रखें। डार ने भारतीय प्रशासन वाले जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक और नागरिक गतिविधियों के लिए जारी प्रतिबंधों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि इसके जनसांख्यिकीय, राजनीतिक और सांस्कृतिक स्वरूप को बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि यह क्षेत्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य विवाद बना हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी घरेलू उपाय संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के तहत कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का स्थान नहीं ले सकता। डार ने मई 2025 के संघर्ष का भी जिक्र किया और कहा कि यह संघर्ष विवाद को अनसुलझा छोड़ने के खतरों की याद दिलाता है।

भारत की इस प्रतिक्रिया से एक दिन पहले तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा था, "दक्षिण एशिया में यह महत्वपूर्ण है कि कश्मीर मुद्दे सहित, सभी विवादों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संबंधित प्रस्तावों के दायरे में बातचीत के जरिए सुलझाया जाए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की मौजूदगी में की गई उनकी टिप्पणी में यह उदाहरण भी दिया गया कि भारत की लगातार आपत्तियों के बावजूद, अंकारा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस मुद्दे को उठाया है।

नितिन नबीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियान का शुभारम्भ करेंगे। वे यहाँ से 90 प्रचार रथों को रवाना करेंगे।

नितिन नबीन दोपहर 2.30 बजे बिरला ऑडिटोरियम स्टेच्यु सर्किल जयपुर में "युवा संवाद" कार्यक्रम में युवाओं से संवाद करते हुए वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य पर अपने विचार साझा करेंगे।

उन्होंने बताया कि सभी कार्यक्रमों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार सहित, प्रदेश के प्रमुख नेता उपस्थित रहेंगे।

गौतम अडाणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत की कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। देश में पिछले पांच वर्षों में डॉलर अरबपतियों की संख्या 237 से बढ़ कर 391 हो गई है, जिसमें अकेले पिछले एक साल में 27 नए डॉलर अरबपति जुड़े हैं।

PARAMETER	VICTORIS S-CNG	COMPETITION MID SUV DIESEL	BENEFIT OF VICTORIS S-CNG OVER DIESEL CARS
Running Cost/km	₹4	~₹6.1	✓ More savings per km
Lower Maintenance Cost	✓	✗	✓ Easy on pocket
Reduced Emission	✓	✗	✓ Good for environment
Recovery Period#	~3.8 Yrs	~11.1 Yrs	✓ Faster recovery

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908